भावना संदेश

अप्रैल–2017

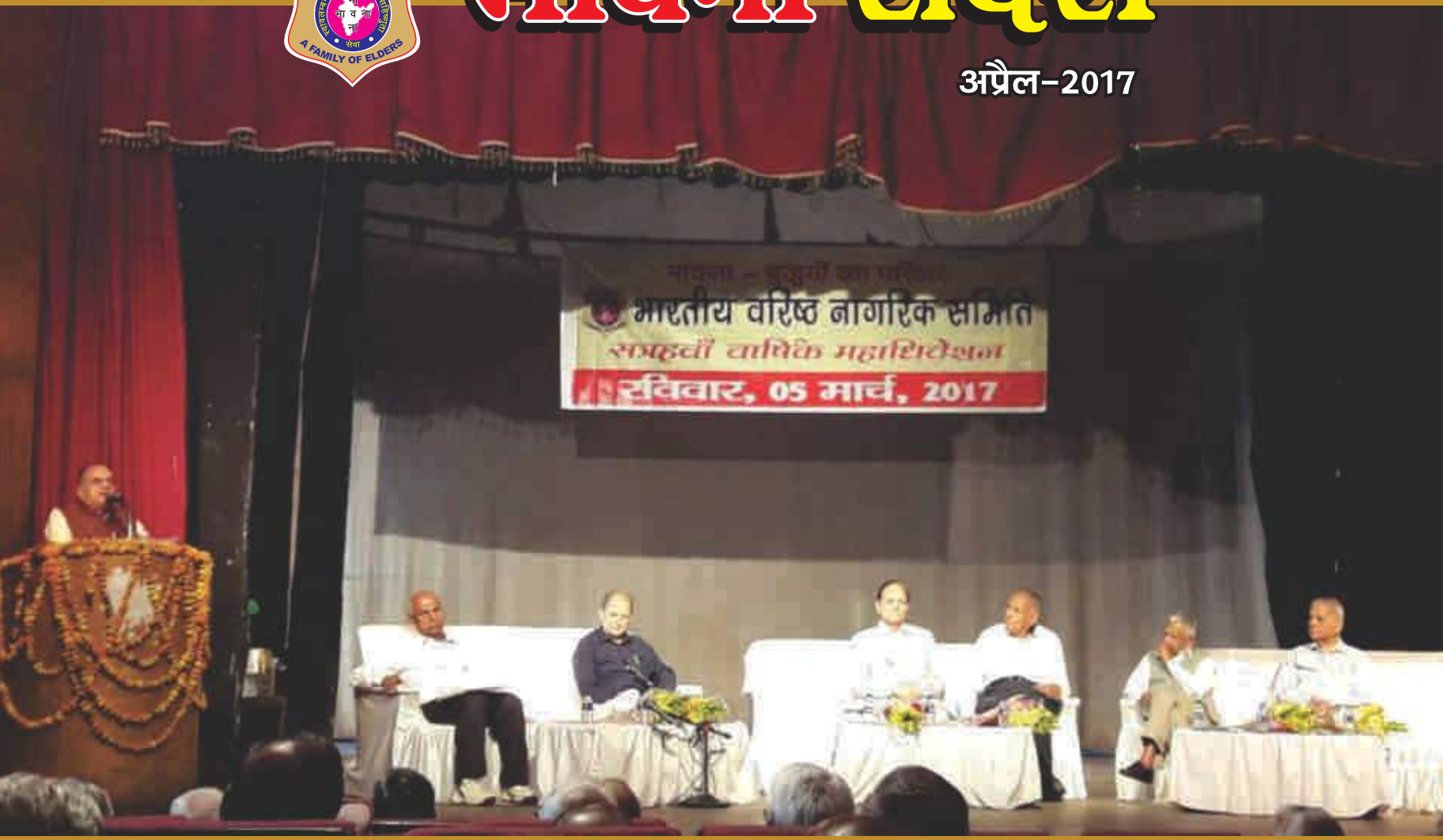

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति का 17वाँ वार्षिक महाधिवेशन, (05 मार्च, 2017 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ)

भावना प्रबंधकारिणी समिति

संरक्षक, निर्वाचित, मनोनीत एवं स्थाई पदाधिकारी

(पत्रांक : भावना/प–010/अ/588, दिनांक 23.03.2017 द्वारा पुनर्गठित)

संरक्षक सदस्य
विजय कृष्ण शुंगलू
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (निवर्तमान)
अब अध्यक्ष, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी
फोन : 0120–2513838 / 09810711820
ई. मेलः vkshunglu@yahoo.co.in

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
अजय प्रकाश वर्मा, आई.ए.एस. (से.नि.)
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
फोन : 0522–2395195 / 09415402554

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति घनश्याम दास अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, नेशनल इन्डस्ट्रियल ट्रिब्युनल, मुम्बई,
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2309327

संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य
कोमल प्रसाद वार्ष्णेय
प्रमुख अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2321680 / 09415736256

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
जगदीश गाँधी
शिक्षाविद्, संस्थापक प्रबंधक, सिटी मोन्टेसरी स्कूल्स, लखनऊ
फोन : 09415015030
ई. मेलः info@cmseducation.org

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
ज्ञानेन्द्र कुमार खरे
अध्यक्ष (से.नि.), रेलवे बोर्ड, भारत
फोन : 0532–2624020 / 09335157680
ई.मेलः kharegk.ald@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
अध्यक्ष, उच्च जाति आयोग, बिहार
फोन : 0522–2302591 / 09415152086

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव
मुख्य आयुक्त (से.नि.), कस्टम्स, सेन्ट्रल एक्साइज़ तथा सर्विस टैक्स
फोनः 0522–4073682 / 07754058564
ई.मेलः cps2806@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा
पूर्व लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश
फोन : 09415419439

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
पद्मश्री प्रो. महेन्द्र सिंह सोढा
पूर्व कुलपति, इन्दौर, लखनऊ तथा भोपाल विश्वविद्यालय,
फोन : 0522–2788033,
ई. मेलः msodha@rediffmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
परामर्शी, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2789033 / 09415010746
ई. मेलः justicekn@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
राकेश कुमार मित्तल
प्रमुख सचिव (से.नि.), उ.प्र. शासन तथा मुख्य संयोजक, कबीर शान्ति मिशन
फोन : 0522–2309147 / 2307164 / 09415015859
ई. मेलः rakesh_mittal_2000@yahoo.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति करण लाल शर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2997299 / 2398857 / 09415560824
ई. मेलः sunil.sharma.lko@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
ओम् नारायण
निदेशक (से.नि.), कोषागार, उ.प्र.
फोनः 0522–3013010 / 09415515647
ई.मेलः omnarayan@hotmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्रीमती सुनन्दा प्रसाद, आई.ए.एस.(से.नि.)
पूर्व अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उ.प्र.
फोन : 09839211040
ई.मेलः prasad_sunanda@hotmail.com

संस्थागत सदस्य

मिरर फ़ाउन्डेशन्स फ़ॉर सेल्फ़ इम्प्रूवमेन्ट एन्ड नेचुरल लिविन्ग
श्री पवन ग्रोवर, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522–4002197 / 2311168 / 09839035475
ई. मेलः pawangrover@yahoo.com

आस्था सेन्टर फ़ॉर जेरियाट्रिक मेडीसिन, पालिएटिव केयर, हॉस्पिटल, हॉस्पिस एन्ड सोशल वेलफ़ेयर सोसायटी
डॉ. अभिषेक शुक्ला, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522–3240000 / 09336285050
ई. मेलः enquiry@hospiceindia.org

शेष पृष्ठ 59 से 64 पर

(सदस्यों में केवल आन्तरिक वितरण हेतु)

भावना संदेश

वर्ष : 17 अंक : 02 अप्रैल–2017

सम्पादन समिति

इं0 अमरनाथ – प्रधान सम्पादक
श्री सुशील कुमार शर्मा – सम्पादक
प्रो0 (डॉ0) अवनीश अग्रवाल – सह–सम्पादक

प्रकाशक

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

507, कसमण्डा रीजेन्ट अपार्टमेन्ट्स
पार्क रोड, लखनऊ–226001
दूरभाष : 0522–4016048 पं.सं.: 662/2000–01
वेबसाइट : www.bhavanaindia.org
ई–मेल : bhavanasindia.@gmail.com
facebook page - Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti
Bhavana google group: bhavana-lucknow@googlegroups.com

मुद्रक

क्रियेटिव इंक, हिमांशु सदन, 5 पार्क रोड, लखनऊ।
मो0 : 7398629394 9935526017
E-mail : creativesheebu@gmail.com

भावना का संकल्प गीत

भावना सहयोग, सेवा, स्वावलम्बन से चले,
भावना की राह में संकल्प का दीपक जले।

भावना में डूब के इतने सहिष्णु हम हुए,
आस्था, विश्वास के साँचे में हम फिर–फिर ढले।

भावना ये है बुजुर्गों को किसी भी हाल में,
इस बदलते दौर की तल्ख़ी न रत्ती भर खले।

भावना का एक ही सन्देश है सबके लिए,
शेष जीवन भर कोई अब जिन्दगी को न छले।

विश्व में इक मंच देने को वरिष्ठों के लिए,
भावना की 'शान्त' पलकों पे कई सपने पले।

– इं. देवकी नन्दन 'शान्त'

भावना सूत्र वाक्य

सन्देश नहीं मैं यहाँ स्वर्ग का लाया।
इस धरती को ही स्वर्ग बनाने आया।।

– श्री मैथिली शरण गुप्त

सम्पादकीय

वृद्धा अवस्था की कुछ समस्याएं एवं निदान के उपाय

एक कहावत है कि बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों के अनुभव से सीखना पसन्द करते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए मैंने भी अपने से वरिष्ठ एवं अधिक योग्य व्यक्तियों से कुछ व्यवहारिक बातें सीख कर अपनाई है जिससे मुझे लाभ हुआ है। अतः अपने माननीय सदस्यों से इस उद्देश्य के साथ Share कर रहा हूँ कि शायद कोई व्यक्ति इससे लाभान्वित हो सके। उपर्युक्त आलोक में वृद्धावस्था की कुछ समस्याओं का निदान नीचे अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया जाता है :-

(अ) Forgetfulness यानि भूल जाने की समस्या–एक आम समस्या यह आती कि व्यक्ति नित-प्रतिदिन की प्रक्रिया में अपने द्वारा रखी हुई चीजें भूल जाता है। जैसे चश्मा कहां रखा है। बटुआ कहां रखा है, इत्यादि। विशेष तौर पर स्थिति बहुत गम्भीर हो जाती है जब यह भी याद नहीं रहता कि दवा खायी या भूल गये। इस समस्या का निदान निम्न प्रक्रिया को अपनाने से हो सकता है -

1) दवायें प्रायः खाना खाने के बाद ही खानी होती है। अतः यदि आप खाना प्रारम्भ करने से पहले एक कटोरी में दवा निकालकर रख लें तब समस्या का निदान हो जाता है चूंकि उस हालत में दवाई पड़ी आपको दिखाई देगी तो भूलने की बात समाप्त हो जायेगी और यदि फिर भी आपसे गलती होती है तो जो आपकी प्लेट उठाऐगा वही बोलेगा कि दवा पड़ी हुई है।

2) एक आम आदत डाली जाय कि जब भी आप शहर से अपने घर लौटें सबसे पहले यह करें कि अपना बटुआ निकाल कर एक पूर्व निश्चित अलमारी में डाल दें। ऐसा करने से पर्स में से पैसे चोरी होने की समस्या भी समाप्त हो जायेगी और साथ ही यदि पर्स कहीं छूट गया है तो भी यह याद आ जायेगा कि आखिरी Transaction कहां किया गया था। ऐसी परिस्थितियों में आपका पर्स यदि चुराया नहीं गया तो मिल सकता है परन्तु यदि तुरन्त वापस न जायेंगे तो पाने वाला यदि ईमानदार भी है तो उसे यह

मालूम नहीं होगा कि पर्स किसका है?

अ) यदि आप चश्मा पहनते हैं तो चश्मा उतारने पर या तो कम्प्यूटर के पास रख दें या टी.वी. के पास क्योंकि इन दोनों जगहों पर आपको पड़ने/देखने के लिये चश्मे की आवश्यकता पड़ती है। यह आदत डालना प्रारम्भ में हो सकता है कठिन लगे लेकिन इससे लाभ आवश्यक होगा अन्यथा कई बार आपका बहुत समय चश्मा ढूंढने में नष्ट हो जाता है।

ब) गिरते हुए स्वास्थ्य की समस्या - आयु के साथ शरीर का क्षीण होना स्वाभाविक है परन्तु यदि निम्न उपाय किये जायें तो मेरे विचार से क्षीणता की गति को कम किया जा सकता है -

1) अपने डाक्टर को अपना सबसे अच्छा मित्र मान लेवें और उससे कुछ भी न छिपायें। कम से कम एक डाक्टर से ऐसे सम्बन्ध अवश्य बनायें जिससे यदि आप दूरभाष पर बात करें तो डाक्टर को आपकी Identity समझ में आ जाये। इसका लाभ इमरजेन्सी में भी आपको प्राप्त हो सकेगा। यदि किसी गेम को खेलने का शौक है तो अपने डाक्टर से पूछ अवश्य लेवें ताकि ज्यादा Strain न हो जाय। खेलने से शरीर का Metabolism अच्छा हो जाता है जिससे शरीर को लाभ मिलता है। यह ध्यान में रखे कि सभी बीमारियां प्रारम्भ में पकड़ में आने पर जल्दी ठीक हो जाती है।

स) तीव्र गति से बढ़ रही Technology का ज्ञान - कहते हैं कि सीखने की कोई आयु नहीं होती। यदि लग्न है तो व्यक्ति कभी भी सीख सकता है परन्तु नई टेक्नॉलॉजी Adopt करना आवश्यक है चूंकि जो कार्य हमारी पीढ़ी एक दिन में करती थी वह आज की पीढ़ी कुछ घंटों में करती है। यदि कोई वित्तीय कठिनाई न हो तो अपने बच्चों से सीखने की बजाय payment basis पर सीखें तो बेहतर होगा चूंकि आजकल अधिकांश बेटे/बेटियां बड़ी Companies में कार्यरत हैं तथा उनका समय बहुत कीमती है। साथ ही स्वतंत्र रूप से सीखने पर आपकी उत्कृष्टता भी बनी रहेगी।

इं. सुशील कुमार शर्मा
सम्पादक

भावना का सत्रहवाँ वार्षिक महाधिवेशन सोल्लास सम्पन्न

उत्तर प्रदेश में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 एवं उत्तर प्रदेश माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014 तथा उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति के प्राविधानों को येन केन प्रकारेण यथाशीघ्र पूर्णतः लागू कराना भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य होगा। यह घोषणा 05 मार्च, 2017 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुए भावना के सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन में सर्वसम्मति से की गई। इस अवसर पर भावना-सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों की तथा उनका हित-चिन्तन करने वाली कई अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक में इन ज्वलंत तथ्यों पर विचार किया गया कि वर्तमान समय में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश में कुल आबादी की 10 प्रतिशत है जो वर्ष 2050 तक बढ़कर 22 प्रतिशत हो जाएगी, अर्थात प्रत्येक चार में एक व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक होगा। 73 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक निरक्षर हैं तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। 70 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक ग्रामों में रहते हैं। 66 प्रतिशत इतने गरीब हैं कि उन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं है। अनपढ़ होने के कारण उन्हें जीविकोपार्जन हेतु शारीरिक श्रम पर ही निर्भर होना पड़ता है। इतना भयावह परिदृश्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के प्रति अब तक पूर्णतः उदासीन रही है। विचारोपरांत बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के हित के 14 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए तथा निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में भावना द्वारा इन के अनुरूप ही यथावान्छित कार्यवाही की जाएगी। भावना द्वारा वरिष्ठ

नागरिकों की तथा उनका हित-चिन्तन करने वाली अन्य संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के हर नगर एवं ग्राम में बिना जाति, धर्म, वर्ण, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति का भेद किए सभी वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने के प्रयास किए जायेंगे ताकि वे उन सुविधाओं से वंचित न रहें जो शासन से उन्हें पहले से ही अनुमन्य हैं तथा उन सुविधाओं की वे साधिकार माँग कर सकें जो उन्हें मिलनी चाहिए।

भावना द्वारा निर्बल एवं असहाय जनों के हित में चलाए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्प यथावत जारी रखने का निर्णय भी इस बैठक में लिया गया। तदनुसार समिति द्वारा प्रायोजित एवं वित्त-पोषित शिक्षा सहायता योजना का लाभ आगामी शिक्षा-सत्र में कक्षा 8 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ़ रहे कम से कम 100 गरीब मेधावी बच्चों को 1200 रुपए की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान सत्र में भावना से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 8 तथा 9 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 9 तथा 10 में पढ़ने के लिए 1800 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। इसी प्रकार वर्तमान सत्र में भावना से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 10 व 11 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 11 तथा 12 में पढ़ने के लिए 2000 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। शहरी तथा ग्रामीण गरीब एवं विकलांग जनों के हित की सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने हेतु भावना उनके तथा शासन तंत्र के बीच सकारात्मक कड़ी का काम करेगी। आगामी शीत ऋतु में लखनऊ जनपद तथा निकटवर्ती अन्य जनपदों के नगरीय तथा ग्रामीण इलाकों में भिन्न भिन्न स्थानों पर निर्धन-जन सेवा शिविर आयोजित करके कम से कम 800 पूर्व-चिन्हित निर्धन परिवारों को प्रति परिवार एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाएगा तथा कम से कम 2000 निर्धन पुरुषों-महिलाओं-बच्चों को पहनने-ओढ़ने-बिछाने के ऊनी-सूती कपड़े, बर्तन आदि दिए जायेंगे। कुछ चुने हुए अनाथ बच्चों को जीवन यापन हेतु मूलभूत आवश्यकता वाली वस्तुओं की आपूर्ति भी करते रहने का संकल्प व्यक्त किया गया।

अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में भावना के वयोवृद्ध सदस्यों, माननीय डॉ. जगदीश गांधी, श्रीमती उमा शशि मिश्र, श्री विजय कुमार माथुर, श्री विश्व पाल निगम, डॉ. त्रिलोकी नाथ सिंह तथा श्री राम किशोर पाण्डेय को पुष्प-गुच्छ देकर एवं अंगवस्त्र पहनाकर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर भावना-प्रकाशन के प्रधान सम्पादक, श्री अमर नाथ, की नव-रचित पुस्तक, 'खरी-खोटी', का लोकार्पण भी मुख्य अतिथि तथा मंचासीन अन्य विशिष्ट अतिथियों के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार, श्री महेश चन्द्र द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्हें यह देख कर प्रसन्नता हो रही है कि भावना अपने सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा कर रही है। इससे उनका मन संतुष्ट एवं प्रफुल्लित होता होगा तथा निराशावादी विचार उनके पास आ भी नहीं पाते होंगे। उन्होंने भावना के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि भावना इसी विचारधारा पर कार्य कर रही है और कदाचित इसी लिए इस संस्था से जुड़े बुजुर्गों में इतना उत्साह तथा इतनी ताजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भावना के सदस्य दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर काम करते हैं और इसीलिए इनके अंदर इतना अधिक सेवाभाव है। उन्होंने भावना का पत्नी सहित विशिष्ट सदस्य बनने की इच्छा भी व्यक्त की।

सभा को डॉ. जगदीश गांधी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ, उत्तर प्रदेश जलनिगम पेंशनर्स एसोसिएशन के महासचिव श्री नवीन चन्द्र पाण्डेय, एवं आर.के. ग्रुप की .एम.डी. श्रीमती संगीता गुप्ता ने भी सम्बोधित किया।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए भावना के अध्यक्ष, श्री विनोद कुमार शुक्ला ने भारत में वर्तमान

समय में हो रही वरिष्ठ नागरिकों की दुर्दशा पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए कहा कि भावना-आन्दोलन उनकी दशा सुधारने की दिशा में एक विनम्र किन्तु सुदृढ़ प्रयास है। आमुख महासचिव, श्री राम लाल गुप्ता, ने भावना द्वारा गत एक वर्ष में किए गए जनहितकारी कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा भविष्य की योजनायें बताईं। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री सुशील शंकर सक्सेना, ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य-भूषण श्री देवकी नन्दन 'शान्त' द्वारा अत्यंत कुशलता पूर्वक किया गया।

जगत बिहारी अग्रवाल
महासचिव (प्रशासन)

विवरण

नाम : **महेश चंद्र द्विवेदी (पूर्व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.)**
पता : 'ज्ञान प्रसार संस्थान', 1/137, विवेकखंड, गोमतीनगर, लखनऊ-226010
फोन : 0522 2304276/9415063030
ई-मेल : mcdewedy@yahoo.com

जन्म-स्थान एवं जन्मतिथिः मानीकोठी, इटावा/07 जुलाई, 1941
शिक्षा : एम. एस. सी./भैतिकी एवं (सोशल प्लानिंग) विशारद, डिप्लोमा इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
साहित्यिक अभिरुचि : 15 कृतियाँ प्रकाशित तथा अनेकों राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन। दूरदर्शन व ईटीवी पर अनेक कवितायें एवं साक्षात्कार प्रसारित तथा मंचों से काव्य पाठ। अनेक अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलनों में भागीदारी तथा सामाजिक कार्यों हेतु ढेर सारे सम्मान एवं पुरस्कार।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति
17वाँ वार्षिक महाधिवेशन-प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन

भावना के सत्रहवें महाधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि माननीय श्री महेश चन्द्र द्विवेदी जी, मा. विशिष्ट अतिथिगण, सम्मानित मंच, सम्मानित मीडिया के प्रतिनिधिगण, देवियों एवं सज्जनों। मैं समिति की प्रबंधकारिणी की ओर से एवं अपनी ओर से भी आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ तथा आभार व्यक्त करता हूं कि आप अपने बहुमूल्य एवं व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए हैं।

मान्यवर, भारतवर्ष में लगभग 12 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं, जो भारत की जनसंख्या का लगभग 10 प्रतिशत होता है। चिकित्सा के क्षेत्र में नित नई सुविधाओं एवं अन्वेषणों के फलस्वरूप इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमानानुसार वर्ष 2050 तक विश्व में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 22 प्रतिशत हो जाएगी। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की इतनी बड़ी संख्या में अधिकांश (लगभग 70 प्रतिशत) गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करते हैं। इनमें से बहुतों को तो दो समय का पर्याप्त भोजन भी नसीब नहीं होता है। मात्र 2-3 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक ही कुछ बेहतर स्थिति में कहे जा सकते हैं, शेष की हालत भी कोई अच्छी नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा भी एक बहुत बड़ी समस्या है। अधिकांश वरिष्ठ नागरिक अपने घर में भी स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं।

बड़े खेद का विषय है कि सरकारों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के प्रति निरन्तर उदासीनता बरती जा रही है। फलस्वरूप वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने एवं हित लाभ को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ

नागरिक समितियां बनाई गयी हैं। भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) भी बुजुर्गों के समग्र कल्याण के लिए समर्पित है। समिति की स्थापना जुलाई, 2000 में हुई थी। जाति, उपजाति, धर्म, वर्ण, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति का भेद किए बिना भावना यह प्रयास करती है कि वह अधिकाधिक बुजुर्गों को इस योग्य बनाने में यथासम्भव सहयोग दे कि वे जीवनपर्यन्त सम्मान के साथ सुखी एवं स्वस्थ रह सकें। भावना अपने सदस्यों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग यथा-निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगों तथा अन्य निर्बल एवं असहाय जनों के कल्याण के लिए भी कार्य करती है।

भावना द्वारा अपने स्तर से तथा सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर किए गये सामूहिक प्रयासों के फलस्वरूप वरिष्ठ नागरिकों के हित के कुछ शासकीय आदेश पारित कराये गये हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा Maintenance & Welfare of Parents and Senior Citizens Act 2017 (MWPSCA) को लागू किया जाना उल्लेखनीय है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। आशा है कि वरिष्ठ नागरिकों को इसका लाभ मिल सकेगा। वरिष्ठ नागरिक समितियों के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार द्वारा National Policy of Older Persons 1999 में घोषित की गई थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। तब से यह प्रकरण केन्द्र सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल रखा है। किन्तु मुझे यह बताने में हर्ष हो रहा है कि भावना, हेल्पेज इंडिया तथा वरिष्ठ नागरिकों को अन्य प्रदेश स्तरीय संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों के परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ''उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति'' का शासनादेश 21 मार्च, 2016 को जारी किया जा चुका है। इस नीति के अनुसार प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा आवासीय सुरक्षा, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की देखरेख के साथ-साथ उनके समग्र कल्याण तथा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु यथासम्भव सहयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। उत्तर प्रदेश शासन का यह एक प्रशंसनीय कदम है। सरकार द्वारा अब शीघ्रातिशीघ्र इसके प्रभावी कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मान्यवर, भावना स्थापना के समय से ही अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर प्रयासरत है। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता एवं गर्व है कि इतनी अल्प अवधि में ही भावना उत्तर प्रदेश ही नहीं अपितु भारतवर्ष में अग्रणी वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं में से एक हो गई है और आज भावना अन्तरराष्ट्रीय पहचान भी बन चुकी है। भावना के सदस्यों को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ कार्यरत अन्य संस्थाओं द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जानकारी उपलब्ध हो सके तथा आवश्यकता पड़ने पर भावना उन संस्थाओं को सहयोग दे सके अथवा अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु उनसे सहयोग प्राप्त कर सके, इस अभिप्रयास से भावना द्वारा ऐसी संस्थाओं से अंतरंग समन्वय स्थापित किया गया है। भावना ने जहां कुछ संस्थाओं की संस्थागत सदस्यता ग्रहण की है वहीं कुछ संस्थाओं ने भावना की भी, संस्थागत सदस्यता ग्रहण की हुई है। इन दोनों प्रकार की संस्थाओं का विवरण निम्नवत् है :-

(अ) राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय संस्थायें जिनसे भावना जुड़ी है :-

(i) World U3A (ii) U3A Asia Pacific Alliance (iii) HelpAge International (iv) HelpAge India (v) Help Your NGO (vi) All India Senior Citizen Conferedation (AISCCON) (vii) Indian Society of Universities of Third Age (ISU3As) (viii) Senior Citizens Conferedations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal & Daman, (ix) अन्तरराष्ट्रीय सहयोग परिषद तथा (x) वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश।

(ब) संस्थायें जो भावना की संस्थागत सदस्य है :-

(i) मिरर फाउण्डेशन फॉर सेल्फ इम्प्रूवमेंट एण्ड नेचुरल लिविंग, (ii) आस्था सेन्टर फॉर जेरियाट्रिक मेडीसिन, पालिएटिव केयर हॉस्पिटल, हॉस्पिस एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी (iii) स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास

संस्थान, (iv) विद्युत पेंशनर्स परिषद, उत्तर प्रदेश (v) कामर्शियल टैक्स रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (vi) बेटरन सहायता समिति (vii) परमहंस योगानन्द सोसायटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एण्ड मोल्डिंग (PYSSUM) (viii) भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) भौली, लखनऊ (ix) श्री तारीफ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट जमालपुर नंगली, जिला शामली, उ.प्र. (x) पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, भगवतीपुर, लखनऊ (xi) रूद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति (xii) विजयश्री फाउण्डेशन (प्रसादम् सेवा) लखनऊ (xiii) वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी, जिला उन्नाव।

भावना द्वारा इन संस्थाओं के कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर यथा-आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है तथा भावना इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों को अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करती है ताकि निरन्तर जानकारियों एवं सेवाओं का आदान-प्रदान हो सके। भावना द्वारा सहयोग स्वरूप राष्ट्र-स्तरीय संस्थाओं के अनुरोध पर लखनऊ में उनके अधिवेशनों के आयोजन किए गए हैं। AISCCON का तेरहवां महाधिवेशन 22 व 23 नवम्बर, 2013 को भावना के तत्वावधान में लखनऊ में आयोजित किया गया तथा गत् वर्ष 13 नवम्बर, 2016 को ISU3As की वार्षिक आम बैठक का भी आयोजन भावना के तत्वावधान में लखनऊ में किया गया।

मान्यवर, अब मैं भावना द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताना चाहूँगा क्योंकि समयाभाव के कारण विस्तृत विवरण प्रस्तुत करना सम्भव नहीं हो सकेगा। कार्यक्रमों के प्रभावी निष्पादन हेतु भावना में निम्नलिखित 15 प्रकोष्ठ गठित हैं। प्रत्येक प्रकोष्ठ में एक संयोजक तथा आवश्यकतानुसार सदस्य मनोनीत हैं ताकि प्रकोष्ठ के अन्तर्गत कार्यों का समुचित संचालन हो सके :-

1- सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ 2- विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ 3- सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ 4- बाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ 5- भावना प्रकाशन प्रकोष्ठ 6- संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ 7- डे-सेन्टर प्रबन्धन प्रकोष्ठ 8- शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ 9- ग्राम्यांचल तथा निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ 10- महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ 11- प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ 12- पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ 13- वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ 14- अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ तथा 15- प्रशिक्षण गोष्ठियां एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ।

समिति द्वारा वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है।

1- **शिक्षा सहायता योजना :-** इस योजना का कार्यान्वयन शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है योजना के अन्तर्गत वर्ष 2007 से निरन्तर प्रत्येक वर्ष विभिन्न स्कूलों में अध्ययनरत् गरीब एवं अति गरीब मेधावी छात्र/छात्राओं को शिक्षा सहायता प्रदान की जा रही है। कक्षा 8 के लिए प्रति शिक्षा सत्र रु. 1200, कक्षा 9 एवं 10 के लिए रु. 1800 तथा कक्षा 11 एवं 12 के लिए रु. 2000 की सहायता प्रदान की जाती है। इन छात्र/छात्राओं का चयन स्कूलों से प्राप्त विवरण के आधार पर किया जाता है तथा सहायता राशि दो समान किश्तों में स्कूलों में प्रधानाध्यापकों के माध्यम से बैंक द्वारा दी जाती है। चयनित छात्र/छात्राओं को पिछले वर्ष की परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। प्रत्येक वर्ष 100 से अधिक छात्र/छात्राओं को सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। वर्ष 2015-16 तक विभिन्न स्कूलों के 762 छात्र/छात्राओं को रू. 10,10,000 की धनराशि वितरित की जा चुकी है तथा वर्तमान शिक्षा सत्र 2016-17 में लखनऊ के 32 स्कूलों के 130 छात्र/छात्राओं को उनके स्कूलों के माध्यम से चेक द्वारा सहायता राशि प्रदान की गयी है जिसमें कक्षा 8 तक के 92, कक्षा 9 एवं 10 के 21 तथा कक्षा 11 व 12 के 17 छात्र/छात्रायें सम्मिलित हैं। चयनित छात्र/छात्राओं में 13 नेत्रहीन बच्चे भी हैं।

गत् वर्ष कक्षा 12 की जिन छात्राओं ने शिक्षा सहायता राशि प्राप्त की थी और इस वर्ष स्नातक कक्षा में प्रवेश किया है, ऐसी दो अत्यंत मेधावी छात्राओं कुमारी ईशा सिंह, सुपुत्री श्री राजकुमार सिंह तथा कुमारी शिखा वर्मा, सुपुत्री

श्री राम कुमार वर्मा को मेरिट के आधार पर चयन कर प्रत्येक को रु. 6000 की सहायता दी गयी। यह धनराशि भावना के माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल की पौत्री कुमारी आंचल भारद्वाज के सहयोग से दी गयी।

छात्र/छात्राओं को हर वर्ष भावना के स्थापना दिवस समारोह में शिक्षा सहायता की पहली किश्त की चेकें दी जाती हैं। प्रोत्साहन स्वरूप हर वर्ष इच्छुक सदस्यों द्वारा स्थापना दिवस समारोह में कई तरह के उपयोगी उपहार भी वितरित किए जाते हैं। इस वर्ष श्रीमती अर्चना गोयल एवं श्री मनोज कुमार गोयल द्वारा कापी, पेंसिल, रबर, सार्पनर आदि वस्तुओं के गिफ्ट पैकेट दिये गये तथा ब्लाइंड स्कूल के 13 बच्चों को स्टेनलेस स्टील के थाल दिए गये एवं सर्वाधिक अंक पाने वाले 5 छात्र/छात्राओं को टिफिन बॉक्स प्रदान किये गये। श्री सुशील शंकर सक्सेना, श्री जगत बिहारी अग्रवाल, श्री जितेन्द्र नाथ सरीन तथा डॉ. नरेन्द्र देव द्वारा मिलकर कक्षा 10 व 11 के 90 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले छात्र/छात्राओं को कलाई घड़ियां दी गई तथा कक्षा 12 के बच्चों को कैलकुलेटर दिये गये।

इस अवसर पर समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आर.के. ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अजीत कुमार गुप्ता द्वारा भी सभी छात्र/छात्राओं को खूबसूरत टिफिन बॉक्स उपहार में दिये गये। श्री गुप्ता का यह कदम सराहनीय है तथा भावना उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करती है।

2- **निर्धन जन सेवा योजना :-** इस योजना का संचालन ग्राम्यांचल तथा निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ के द्वारा किया जाता है। योजना के अन्तर्गत लखनऊ तथा आसपास के क्षेत्र में प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की सहायता से निर्धन जरूरतमंद व्यक्तियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिक, नेत्रहीन, दिव्यांग, विधवा, निर्धन, महिलाओं आदि का चयन किया जाता है। इस प्रकार पूर्व-चिह्नित लाभार्थियों को सूचीबद्ध कर क्षेत्र के गणमान्य लोग, ग्राम-प्रधान आदि की उपस्थिति में कैम्प लगाकर नये कम्बलों, नये एवं पुराने वस्त्रों तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया जाता है। सामान्यतः यह कार्य शीत ऋतु के दौरान किया जाता है।

इस वर्ष आठ कैम्प लगाकर रु. 168750 मूल्य के 675 कम्बलों का वितरण तथा हजारों की लागत की 250 नई कमीज एवं लगभग 2000 पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया। ये कैम्प 02 दिसम्बर, 2016 को ग्राम बटौली (ब्लॉक बीकेटी); 01 जनवरी, 2017 को ग्राम चौरा (ब्लाक सिकंदरपुर सिरोसी जिला उन्नाव); 08 जनवरी 2017 को ग्राम उसरना (ब्लॉक बीकेटी); 15 जनवरी 2017 को ग्राम लुधौनी (ब्लॉक बीकेटी); 22 जनवरी 2017 को ग्राम कठवा (ब्लॉक बीकेटी); 26 जनवरी, 2017 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में भावना द्वारा संचालित अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र, 29 जनवरी, 2017 को ग्राम नबीपनाह (ब्लॉक माल) एवं 06 फरवरी 2017 को महानगर डी-ब्लाक पार्क लखनऊ में भावना के कर्मठ एवं लोकप्रिय उपाध्यक्ष स्व. अरविन्द कुमार गोयल को भावभीनी श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित किए गए।

इन शिविरों के दौरान उपस्थित जनसमूह को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गयी ताकि इन योजनाओं का लाभ क्षेत्रीय जनता को मिल सके। यह अनुभव किया गया कि योजनाओं की जानकारी न होने के कारण सामान्य लोग लाभ से वंचित रह जाते हैं। सरल भाषा में भारतीय संविधान की उन धाराओं के बारे में भी बताया गया जिनका सीधा संबंध ग्रामवासियों से होता है। सरल भाषा में लिखी तत्संबंधी पुस्तक जागो! गणराज्य जागो!! की प्रतियां भी निःशुल्क वितरित की गई। शिविरों में स्वच्छ वातावरण, शिक्षा, भाईचारा रखने के लाभों के विषय में भी जानकारी दी गयी, तथा बिना दवाओं के अच्छी जीवन शैली अपनाकर स्वयं को स्वस्थ रखने के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। ये शिविर ग्रामवासियों के लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध हुए हैं और उनमें जागरूकता आई है।

3. **निःशुल्क विशाल चिकित्सा शिविरों के आयोजन :-** प्रत्येक वर्ष भावना द्वारा लखनऊ तथा आसपास के क्षेत्र में सभी आयु वर्ग के पुरूषों, स्त्रियों एवं बच्चों के लिए आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय तथा एस.सी. त्रिवेदी

मेमोरियल बाल एवं महिला चिकित्सालय के सहयोग से एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में विभिन्न निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण तथा डाक्टरों के परामर्श के आधार पर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया जाता है।

गत् वर्ष 18 दिसम्बर, 2016 को यह शिविर प्रस्तावित था किन्तु समिति के उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार गोयल के आकस्मिक निधन के कारण शिविर को निरस्त करना पड़ा। तथापि आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय तथा एस.सी. त्रिवेदी मेमोरियल बाल एवं महिला चिकित्सालय द्वारा इस कैम्प को पूर्व निर्धारित तिथि 18 दिसम्बर 2016 को आयोजित किया गया एवं पूर्व वर्षों की भांति निःशुल्क सेवायें प्रदान की गयी।

4- **किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने 'प्रसादम् सेवा' योजना :-** भावना द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों एवं साधनहीन तीमारदारों की भोजन बनाने की समस्या के निदान हेतु 'भावना रसोई' नाम से एक योजना बनाई गई थी। इस योजना हेतु कई सदस्यों द्वारा दान की धनराशि भी उपलब्ध कराई गयी थी। भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ के अथक प्रयासों के बावजूद अस्पताल के प्रबन्धकों से वांछित सहयोग न मिल पाने के कारण योजना को कार्यान्वित नहीं किया जा सका। इस वर्ष 'विजय श्री फाउण्डेशन' नामक स्वैच्छिक संस्था ने भावना की संस्थागत सदस्यता ग्रहण की। यह संस्था प्रसादम सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में निर्धन एवं जरूरतमंद तीमारदारों को चिन्हित कर उन्हें दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराती है। भावना के कुछ सदस्यों द्वारा उनकी इस योजना का स्थल निरीक्षण किया गया और उससे प्रभावित होकर अनुशंसा की कि प्रसादम् सेवा में समिति द्वारा सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। फलस्वरूप भावना द्वारा प्रसादम् सेवा कार्यक्रम को अंगीकार कर लिया गया है और अब यह भावना एवं विजयश्री फाउण्डेशन का संयुक्त प्रकल्प हो गया है।

प्रसादम् सेवा हेतु आर्थिक सहयोग भावना रसोई योजना के अन्तर्गत एकत्र की गयी धनराशि से दिया जायेगा तथा सदस्यों से भविष्य में प्रसादम् सेवा हेतु दान देने की अपील की जायेगी। इस मद में जो भी दान प्राप्त होगा, वह विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम् सेवा के संयुक्त संचालन हेतु उपलब्ध कराया जायेगा। उल्लेखनीय है कि विगत् दिनों में भावना द्वारा विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम् सेवा हेतु रु. 20000 की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त अब तक इस मद में सदस्यों/गैर सदस्यों से दान-स्वरूप प्राप्त धनराशि, रु. 45901 भी विजयश्री फाउण्डेशन को दी जा चुकी है। भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ का नाम भी बदलकर भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ कर दिया गया है।

5. अनौपचारिक शिक्षण योजना :- भारत एवं भारतवासियों की समग्र प्रगति के लिए देश के उन बच्चों को साक्षर एवं संस्कारित किया जाना नितांत आवश्यक है जो अत्यंत गरीब हैं, बेसहारा हैं, लावारिस हैं तथा जिन्हें हम Street Children कह कर सम्बोधित करते हैं। इसलिए भावना द्वारा ऐसे बच्चों को साक्षर बनाने एवं उन्हें संस्कारित करने के उद्देश्य से झुग्गी-झोपड़ियों की बस्तियों में अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों की श्रृंखला स्थापित करने तथा संचालित करने का संकल्प लिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत भावना द्वारा लखनऊ-बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी किला चौराहा के समीप औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग से महज 100 मीटर दायीं ओर मानसरोवर योजना के सेक्टर-पी में पहले अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र की स्थापना मई, 2015 में की गयी। इस केन्द्र में 50 से अधिक बच्चे निःशुल्क शिक्षा एवं प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस केन्द्र में दो अध्यापिकाएं सेवारत हैं। इस केन्द्र का वार्षिक व्यय लगभग एक लाख रुपया आता है। भावना के पदाधिकारीगण एवं अन्य सदस्यगण समय-समय पर इस केन्द्र पर जाते हैं। 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर यहाँ झण्डारोहण के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और बच्चों को फल, बिस्कुट, मिठाई एवं अन्य उपयोगी चीजों का वितरण किया जाता है। हर्ष एवं संतोष

का विषय है कि इस केन्द्र में अध्ययनरत बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जागृत हो रही है तथा वे संस्कारवान भी हो रहे हैं।

विभिन्न नियमित विद्यालयों के छात्र/छात्राओं द्वारा संकल्प पत्रों के माध्यम से भावना के साक्षरता अभियान के प्रति संवेदनशील नागरिकों/संस्थाओं को जागरूक करने तथा उनसे आर्थिक सहयोग एकत्रित करने हेतु चलाई जा रही प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत अब तक तीन विद्यालयों-विजन एकेडमी, योगिता मान्टेसरी स्कूल तथा फ्लोरेन्स नाइटिंगेल इण्टर कालेज के सात बच्चों को पुरस्कृत किया गया है एवं इन सहित कुल 30 बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिये गये हैं। सराहनीय कार्य हेतु तीनों विद्यालयों को भी प्रशस्ति पत्र दिये गये हैं।

6. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के कार्य :- महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान हेतु भावना में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ गठित है। यह प्रकोष्ठ वृद्धाश्रमों एवं बालिकाओं के स्कूलों में जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं को सहयोग प्रदान करते हैं। विशेषकर होली, नवरात्रि, मकर संक्रान्ति, स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसरों पर खानपान एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण कर सहायता पहुंचायी जाती है। इस प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर समिति की बैठकों एवं आयोजनों में भी मनोरंजन के कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। होली मिलन एवं नववर्ष उत्सव कार्यक्रमों में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा सराहनीय योगदान दिया जाता है।

7. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ के कार्य :- इस प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा भावना-सदस्यों तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों को आपातकालीन मदद पहुँचाने, उनसे समय-समय पर सम्पर्क स्थापित करने, उनको जन्मदिन तथा विवाह तिथि पर बधाई देने, उत्सवों एवं नववर्ष पर शुभकामनायें भेजने के कार्य किये जाते हैं, ताकि वे अकेलापन न महसूस करें। इस प्रकोष्ठ के सदस्य दिवंगत भावना-सदस्यों के परिवारों से भी बराबर सम्पर्क बनायें रखते है। पूरे लखनऊ शहर को 10 क्षेत्रों में विभक्त करते हुए प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक-एक प्रभारी नियुक्त किया गया हैं। सभी प्रभारियों ने अपने-अपने सम्पर्क फोन अपने क्षेत्र में प्रसारित किए हुए हैं। यह प्रकोष्ठ जहां सदस्यों से जुड़कर उनकी समस्याओं के निराकरण में सहयोग करता हैं, वहीं किसी असहाय वरिष्ठ नागरिक की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति में मदद भी करता है। आवश्यकता पड़ने पर हेल्पेज इण्डिया, अवध अस्पताल एवं आस्था अस्पताल तथा अन्य सहयोगी जनों/संस्थाओं की भी मदद ली जाती है।

8. विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ के कार्य :- इस प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर सदस्यों को उनके जीवन में आने वाली विधिक कठिनाइयों के समाधान की जानकारी दी जाती है और वसीयत कराने पर जोर दिया जाता है। आमतौर पर पुरूष सदस्य की मृत्योपरान्त उनकी पत्नी की देखभाल पर्याप्त सम्पत्ति रहने के बावजूद उचित प्रकार से नहीं होती है और परिवार के सदस्यों द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है, अतएव सदस्यों को वसीयत का प्रारूप वितरित करते हुए सभी से वसीयत कराने पर जोर दिया जाता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष पाँच लोगों की वसीयत बनवाई गई।

उल्लेखनीय है कि नवम्बर, 2013 में भावना द्वारा आयोजित किए गए वरिष्ठ नागरिकों के राष्ट्रीय महा अधिवेशन में, लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा की गई अनैतिक वसूली और ऐन मौके पर अधिवेशन-स्थान बदलने के फलस्वरूप भावना को हुई क्षति की प्रतिपूर्ति हेतु जिला उपभोक्ता फोरम में वाद दायर करने, उसकी प्रभावी पैरवी करके भावना के हित में निर्णय प्राप्त करने, पुनः इस निर्णय के विरूद्ध एल.डी.ए. द्वारा राज्य आयोग में दायर अपील के विरूद्ध प्रभावी पैरवी करके भावना के हित में निर्णय प्राप्त करने में इस प्रकोष्ठ का योगदान प्रशंसनीय एवं अविस्मरणीय रहा है।

इस प्रकोष्ठ द्वारा सूचना का अधिकार कानून का सार्थक एवं सकारात्मक उपयोग करके सरकारी तंत्र उपेक्षा

के कारण जन साधारण को हो रही कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास भी किया जाता है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के 54 जिलों की 92 तहसीलों में ग्राम न्यायालय स्थापित करने का निर्णय नवम्बर, 2015 में लिया गया था। इस निर्णय के अनुपालन की प्रक्रिया वर्ष 2016 के मध्य में तब प्रारम्भ हुई जब सूचना का अधिकार कानून के अर्न्तगत प्रकोष्ठ द्वारा प्रगति की जानकारी मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव (न्याय विभाग) से माँगी गई।

9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के कार्य :- स्वस्थ एवं निरोग जीवन व्यतीत करने हेतु पर्यावरण सरंक्षण का विशेष महत्व है, खासतौर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए। इसी लिए इस प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु गोष्ठियाँ आयोजित की जाती है। इन गोष्ठियों के माध्यम से जनमानस में वृक्षारोपण, यज्ञ की महिमा, पॉलीथीन की थैली के बहिष्कार के साथ-साथ जल संरक्षण, ध्वनि प्रदूषण एवं खाद्य प्रदूषण आदि दूर करने के बारे में जागरूकता फैलायी जा रही है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 06 जून, 2016 को योगाश्रम, अलीगंज, लखनऊ में भावना के अध्यक्ष माननीय विनोद कुमार शुक्ल जी की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने-अपने बहुमूल्य विचारों से सबको लाभान्वित किया। 17 जुलाई, 2016 को डी-ब्लाक पार्क, महानगर, लखनऊ में 150 विभिन्न उपयोगी प्रजातियों के वृक्षों का रोपण भी किया गया। भावना वृक्ष कल्याणम् तथा महानगर डी ब्लाक संघ के परस्पर सहयोग से यह कार्य सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय कि ये पौधे अब स्वस्थ एवं बड़े हो गये हैं।

10. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ के कार्य :- भावना-सदस्यों एवं उनके परिवारों के विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाले सामूहिक सम्मेलनों में इस प्रकोष्ठ द्वारा मनोहरी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सरंचना एंव प्रस्तुति की जाती है। इस वर्ष 3 अप्रैल, 2016 को श्री मनोज कुमार गोयल एंव श्रीमती अर्चला गोयल के भावभीनी आत्मीय स्वागत के साथ उनके ही फार्म हाउस पर होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष 12 जनवरी, 2017 को गोयल फार्म हाउस पर ही नव-वर्ष मिलन का **कार्यक्रम भी समारोह पूर्वक आयोजित हुआ।**

11. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के कार्य :- इस प्रकोष्ठ के सचिव, डॉ. नरेन्द्र देव, द्वारा समय-समय पर सभी सदस्यों एवं आम-जनों को स्वस्थ एवं सुखी रहने के लिए गोष्ठियाँ एंव सेमिनार आयोजित कर प्रशिक्षण दिया जाता है। निर्धन-जन सेवा शिविरों में भी आम जनों को बिना दवा के कैसे स्वस्थ रहें इस की जानकारी दी जाती है। इस वर्ष उनके द्वारा जन-जन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा-विधा का प्रशिक्षण देने के लिए आर.डी.एस.ओ. गेस्ट हाउस लखनऊ में आयुर्वेदिक रिसर्च सेन्टर, सेक्टर -21, इन्दिरा नगर में, एस.जी.पी.जी.आई. के निकट सरस्वतीपुरम में, शेखर अस्पताल के ऑडिटोरियम में, एच.ए.एल. के वी.आई.पी. गेस्ट हाउस में, आर.एस.के. डिग्री कालेज सीतापुर में, एस.एस. आरोग्य धाम लखनऊ में ए-100 मिनी हाल, इन्दिरा नगर में, जयशंकर प्रसाद सभागार में, एस.सी. इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में तथा कृष्णा इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में गोष्ठियाँ आयोजित की गयी एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी फोल्डर वितरित किए गये। 23 जुलाई, 2016 का आकाशवाणी के "गुड मार्निंग ऑन ए.आई.आर." कार्यक्रम में भी उनके द्वारा प्रस्तुति दी गई।

12. प्रकाशन प्रकोष्ठ के कार्य :- भावना अपने सभी सदस्यों को सूत्र में बांधे रखने के उद्देश्य से समस्त जानकारियों को सदस्यों तक पहुँचाने एवं उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **भावना-संदेश** नामक त्रैमासिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन पिछले 17 वर्षों से अनवरत कर रही है। इस पत्रिका के माध्यम से सभी सदस्यों को भावना द्वारा समय-समय पर किए गये कार्यक्रमों की जानकारी भी मिलती रहती है। सदस्यों द्वारा रचित साहित्य प्रकाशन भी भावना द्वारा किया जाता है। अब तक स्व. धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकों तथा एक डॉ. नरेन्द्र देव की स्वास्थ्य लघु-पुस्तिका का प्रकाशन भी भावना द्वारा किया जा चुका है। इस वर्ष श्री उदय भान पाण्डेय की पुस्तक **काव्य-कलश** के प्रकाशन में भावना की सहयोगी भूमिका रही है। सभी कार्य प्रकाशन प्रकोष्ठ द्वारा

ही सम्पन्न किए गए।

13. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ के कार्य :- वरिष्ठ नागरिकों के हितों को समर्पित तमाम प्रदेश-स्तरीय, राष्ट्र-स्तरीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक संस्थाओं के वरिष्ठ नागरिकों के हितों को समर्पित स्थापित करने तथा निरंतर बनाए रखने का कार्य यही प्रकोष्ठ भली प्रकार कर रहा है। भावना की वेबसाइट की संरचना तथा उसका अनुरक्षण भी इसी प्रकोष्ठ के द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय संस्था ISU3As का वार्षिक अधिवेशन 13 नवम्बर,, 2016 को भावना के तत्वाधान में लखनऊ में आयोजित किया गया और उसी दिन Strategies for Care-giving to Elders in India के उप-विषयों पर विभिन्न विख्यात विशेषज्ञों द्वारा प्रकाश डाला गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय थे। भावना के अध्यक्ष माननीय विनोद कुमार शुक्ल ने Key-Note सम्बोधन किया। विभिन्न उप-विषयों पर प्रेजेन्टेशन देने वालों में श्री अशोक कुमार मल्होत्रा (महासचिव, भावना) श्री आर.एन. मित्तल (संरक्षक, ISU3As) डॉ. पी.के. सिन्हा (सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उ.प्र.) श्री सुशील कुमार (सेवानिवृत्त आई.ए.एस.) डॉ. अभिषेक शुक्ला (वृद्ध-रोग चिकित्सा विशेषज्ञ) एवं डॉ. नरेन्द्र देव (वैकल्पिक चिकित्सा विशेषज्ञ) प्रमुख थे। सभी वक्ताओं को स्मृति-चिन्ह से सम्मानित किया गया।

14. अतिविशिष्ट नागरिक सदस्यों का अभिनन्दन :- भावना के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन में 80 वर्ष तथा उससे अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता है तथा उपस्थित हुए सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दन करते हुए उनके स्वस्थ एवं चैतन्य रहते हुए दीर्घ जीवन की कामना की जाती है। इस महाधिवेशन में भी ऐसे 30 सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। आज उपस्थित हुए अतिविशिष्ट सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए मुझ सहित भावना के सभी पदाधिकारियों को अपार हर्ष एवं संतोष का अनुभव हो रहा है।

15. भावना एज-केयर होम, ग्रेटर नोएडा :- यह सूचित करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है कि भावना की एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष, श्री अनिल कुमार शर्मा तथा उनकी टीम के सतत् प्रयासों के फलस्वरूप समिति के हित में यमुना एक्सप्रेस-वे इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) की इन्स्टीटयूशनल प्लांट योजना (ग्रेटर नोएडा के नजदीक) में ओल्ड एज होम स्थापित करने हेतु एक 3000 वर्गमीटर क्षेत्रफल का प्लाट आरक्षित हो गया है। निश्चय ही भावना एन.सी.आर. की यह एक बड़ी उपलब्धि है। इस प्लाट की कीमत रु. 17600000 है। विश्वास है कि बुजुर्गों की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं के अनुकूल सभी आधुनिक सुविधाओं एवं सेवाओं से सुसज्जित Bhavana Age Care Home अगले 3-4 वर्षों में तैयार हो जायेगा। इसके निर्माण में लगभग 1 करोड़ रूपये व्यय होने का अनुमान है जिसकी व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती है। प्लाट के कब्जा लेने तक येडा के मांग के अनुसार भावना ने 27 लाख रुपये ब्याज पर लिये हैं। इसके भुगतान के उपरान्त अवशेष धनराशि का भुगतान 12 समान किश्तों में किया जाना है, जो अपने आप में एक चुनौती है। तैयार होने पर इसमें 75 सुसज्जित डबल-बेड वाले कक्षों में 150 बुजुर्ग रह सकेंगे। तद्नुसार प्रति व्यक्ति लागत लगभग 7 लाख रुपये आएगी। जो भी व्यक्ति इस एज-केयर होम में रहना चाहते हों वे प्रथम आगत प्रथम पावत के आधार पर प्रति व्यक्ति एक लाख रूपये का भुगतान कर होम में आरक्षण करा लें 31 मार्च तक भुगतान करने वाले सदस्य होम के संस्थापक माने जायेंगे, वे होम की प्रबन्ध समिति के सदस्य होंगे और उन्हें कुछ अतिरिक्त सुविधायें भी अनुमन्य होंगी। शेष धनराशि का भुगतान होम की प्रक्रिया प्रबन्ध समिति के निर्णय के अनुसार होगा। इस विषय में अतिरिक्त जानकारी भावना के अध्यक्ष के मोबाइल नं. 9335902137 एवं एन.सी.आर शाखा के अध्यक्ष के मोबाइल नं. 09868525057 से सम्पर्क करके प्राप्त की जा सकती है।

उक्त के अतिरिक्त मेसर्स आर.के. ग्रुप के लखनऊ मलिहाबाद क्षेत्र में बुजुर्गों के लिए एक डेडीकेटड टाउनशिप डेवलेव

करने हेतु भावना से सम्पर्क किया है। उनके अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से लगातार वार्तायें हो रही है। और साइट का निरीक्षण भी किया जा चुका है। इस सम्बन्ध में जैसे ही अन्तिम निर्णय होगा, सभी को अवगत करा दिया जायेगा।

16. संवैधानिक दायित्व :- भावना का अपना स्वीकृत संविधान है जिसका अनुपालन पूरे अनुशासन एवं कड़ाई से किया जाता है। संविधान के अनुसार समिति की प्रबन्धकारिणी की कम से कम चार बैठकें प्रति वर्ष होनी चाहिए। गत वार्षिक महाधिवेशन के बाद से अब तक प्रबंधकारिणी की पाँच बैठकें, क्रमशः, 20 मार्च 2016, 12 जून 2016, 06 अगस्त 2016, 22 अक्टूबर, 2016 एवं 14 फरवरी 2017 को आयोजित की गयीं। 20 अगस्त 2016 को सत्रवहां स्थापना दिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। और आज 05 मार्च, 2017 को सत्रहवां वार्षिक महाधिवेशन आयोजित हो रहा है। भावना अपने संविधान में समय की मांग तथा परिस्थितियों के अनुरूप अपने वार्षिक महाधिवेशन में विशिष्ट मुद्दों को सदन द्वारा अनुमोदित कराकर वांछित संशोधन भी करती आयी है।

17. वित्त सम्बन्धी आख्या :- भावना की वित्तीय आख्या आज आन्तरिक सत्र में माननीय कोषाध्यक्ष जी विस्तार से आपके समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करेंगे और वे ही आगामी वर्ष के लिए बजट भी आपके सम्मुख रखेंगे।

18. भावना-सदस्यों की विशिष्ट उपलब्धियाँ व अनुकरणीय कार्य :- भावना-सदस्यों की निम्नलिखित उपलब्धियाँ न केवल अनुकरणीय व प्रेरणा दायक है, वरन् भावना के संकल्प गीत को पूर्णतः चरितार्थ भी करती हैः भावना की संस्थागत सदस्य संस्था, आस्था सेन्टर फॉर जेरियाट्रिक मेडीसिन, पालिएटिव केयर हॉस्पिटल, हॉस्पिस एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, द्वारा लखनऊ में संचालित आस्था वृद्ध-रोग चिकित्सालय को देश का सर्वश्रेष्ठ वृद्ध-रोग चिकित्सालय घोषित करते हुए उसके संचालक, **डॉ. अभिषेक शुक्ला** को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। भावना की त्रैमासिक पत्रिका **भावना-संदेश** की सह-सम्पादक, प्रो. अवनीश अग्रवाल को **इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, द्वारा बेस्ट सिटिजन ऑफ इण्डिया अवार्ड-2016** से सम्मानित किया गया।

भावना के सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ के सदस्य, श्री उदय भान पाण्डेय 'भान' की काव्यकृति, **काव्य-कलश**, का लोकार्पण 03 जुलाई, 2016 को उ.प्र. हिन्दी संस्थान में लखनऊ की साहित्यिक संस्था नवपरिमल के अध्यक्ष, श्री मदन मोहन सिन्हा, 'मनुज' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

भारतीय भाषा प्रतिष्ठापन राष्ट्रीय परिषद (मुम्बई) द्वारा लखनऊ में 06 नवम्बर, 2016 को दूसरा आध्यात्मिक कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रान्तों से कुल 77 कवि आमंत्रित थे, जिनमें भावना के 5 सदस्य भी सम्मिलित थे। इनमें से श्री देवकी नन्दन 'शान्त' श्री उदयभान पाण्डेय 'भान', श्री अशोक कुमार मेहरोत्रा तथा श्री अमरनाथ को **आध्यात्मिक कवि भूषण उपाधि** से सम्मानित किया गया।

लखनऊ क्षेत्र में 2 लाख से अधिक पौधे लगवाने वाले भावना के वॉलंटियर सदस्य, **श्री चन्द्रभूषण तिवारी**, को लखनऊ दूरदर्शन के स्थापना दिवस 27 नवम्बर, 2016 के अवसर पर उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया।

राजभवन, लखनऊ में इस वर्ष 25 व 26 फरवरी को आयोजित पुष्प एंव शाक-भाजी प्रदर्शनी में निर्णायक दल में एक निर्णयकर्ता भावना के महासचिव (कार्यान्वयन), **श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह,** थे। उल्लेखनीय है कि इस प्रदेश-स्तरीय वार्षिक प्रदर्शिनी की आयोजन समिति के अध्यक्ष **महामहिम राज्यपाल** है तथा सचिव माननीय मुख्य सचिव जी हैं।

19. आगामी सत्र के कार्यक्रम :- वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेशों मे निहित प्रावधानों को येनकेन प्रकारेण यथाशीघ्र लागू कराने के लिए भावना प्रयास करती रही है और आगे भी करेगी। प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार से वरिष्ठ नागरिकों के हित की अन्य आवश्यक व्यस्थाओं के सम्बन्ध मे भी शासनादेशों को जारी कराने के प्रयास किए जायेगें। भावना अपने 15 प्रकोष्ठों के माध्यम से जिन कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रही है, उन्हें आगे भी जारी रखा जाएगा। संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार अन्य विभिन्न कार्यक्रम, जो वरिष्ठ नागरिकों के हित में उचित एवं उपयोगी प्रतीत होंगे, उन्हें भी यथासम्भव लागू किया जायेगा। भावना की सभी श्रेणियों की सदस्य-संख्या बढ़ाने हेतु अभियान चलाया जाएगा।

मान्यवर, विगत दिनों भावना ने अपने सम्मानित संरक्षक सदस्य, पद्मश्री डॉ. सतीश चन्द्र राय, प्रधान सम्पादक, श्री धर्मवार सिंह, उपाध्यक्ष, श्री अरविन्द कुमार गोयल, सचिव, विधि, एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ, डॉ वीरेन्द्र बहादुर सिंह, आजीवन सदस्य, श्री अरविन्द कुमार कुदेशिया, सचिव, उन्नाव शाखा, श्री आनन्द प्रकाश अग्निहोत्री, आजीवन सदस्य, श्री विश्वनाथ केसरवानी, आजीवन सदस्य, श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य, श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल एवं आजीवन सदस्य, श्री रवीन्द्र नाथ अवस्थी, को खो दिया है। भावना के लिए यह एक अपूरणीय क्षति है, फिर भी इसे नियति का चक्र मानकर तसल्ली करने के अलावा हमारे पास अन्य कोई विकल्प नहीं है।

अन्त में सभी माननीय सदस्यों, शुभ चिन्तकों, अतिथियों से मेरा नम्र निवेदन है कि वे भावना को और अधिक गतिशील बनाने हेतु अपने निजी स्तर से जितना और जिस प्रकार से सहयोग दे सकते है, पूरे मन से भावना को अर्पित करने में संकोच न करें। इस महाधिवेशन के साथ समाप्त होने वाले सत्र में हमें सहयोग राशि के रूप में मात्र 5,31,230 रुपए ही प्राप्त हुए हैं। यह आप की ही संस्था है, आपके द्वारा संचालित है। इसके उत्थान एंव गतिशीलता से जहाँ एक ओर आपका ही कुछ न कुछ भला होने वाला है, वहीं दूसरी ओर आने वाली नई बुजुर्ग पीढ़ी भी लाभान्वित होगी। मैं भावना की प्रबंधकारिणी की ओर से तथा अपनी ओर से भी उन सभी दानदाताओं का हृदय से आभारी हूँ जिनके आर्थिक सहयोग के कारण ही हम अपने लक्ष्यों को किसी सीमा तक पूरा करने में समर्थ हो सके हैं। मैं अपने सरंक्षक मण्डल का भी सम्मान के साथ आभार व्यक्त करता हूँ जिनके मार्ग दर्शन से ही भावना की प्रगति सम्भव हो सकी है। भावना के कर्मठ अध्यक्ष, माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, आज के मुख्य अतिथि माननीय श्री महेश चन्द्र द्विवेदी जी, सभा में उपस्थित अन्य अतिथिगण, भावना के सभी माननीय सदस्यगण एवं पदाधिकारीगण और सभी देवियों के प्रति भी मैं अभारी हूँ।

जय भावना, जय भारत!

राम लाल गुप्ता
प्रमुख महासचिव

सम्मान/पुरस्कार/प्रशस्ति

1- प्रादेशिक फल-शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन 24, 25, 26 फरवरी, 2017 को राजभवन, लखनऊ में किया गया। प्रदर्शनी 1936 से राजभवन प्रांगण में निरन्तर आयोजित की जाती है। इस वर्ष प्रदर्शनी की 80वीं वर्षगांठ है। प्रदर्शनी में पूरे प्रदेश से नमूने आते हैं जिनकी जजिंग विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। इस वर्ष जजिंग दल में भावना के विशिष्ठ सदस्य श्री वाई.पी. सिंह को आमंत्रित किया गया। श्री सिंह जिला उद्यानाधिकारी पद से सेवामुक्त विशेषज्ञ हैं।

2- भावना के सदस्य डॉ. श्रीकृष्ण अखिलेश को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए 11 फरवरी 2017 निराला साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया। भावना परिवार की ओर से ढेर सारी बधाईयां।

3- भावना संदेश के प्रधान सम्पादक श्री अमरनाथ की नवीनतम कृति **'खरी-खोटी'** का लोकार्पण 5.3.17 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में उ.प्र. के पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री महेश चन्द्र द्विवेदी जी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति-वर्ष 2017-18 बजट प्रस्ताव

1.	वर्ष 2016-17 का अवशेष		1994443.00
	अ. बैंक में फिक्स्ड डिपाजिट- लखनऊ में-	355349.00	
	-ओबरा में	109094.00	
	ब. बचत खाते में एवं नगद अवशेष (अनुमानित)	200000.00	
	स. गाजियाबाद में ओल्ड ऐज़ होम प्रोजेक्ट हेतु दिनांक 31/03/017 को उपलब्ध धनराशि (अनुमानित)	1330000.00	
2.	100 नये आजीवन सदस्य	100x2500.00	250000.00
3.	50 नये आजीवन स्पाउस सदस्य	50x500.00	25000.00
4.	40 नये आजीवन विशिष्ट सदस्य	40x6000.00	240000.00
5.	40 नये आजीवन विशिष्ट स्पाउज सदस्य	40x1000.00	40000.00
6.	2 नये संस्थागत सदस्य	2x6000.00	12000.00
7.	5 नये ग्रामीण संस्थागत सदस्य	5x2000.00	10000.00
8.	10 नये वॉलन्टियर सदस्य	10x1500.00	15000.00
9.	भावना संदेश शुल्क एंव विज्ञापन		200000.00
10.	समिति के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सम्भावित दान		500000.00
11.	शिक्षा सहायता योजना के लिए सम्भावित दान		350000.00
12.	डे-केयर केन्द्र में आने वाले सदस्यों से प्राप्त शुल्क	(12x250x50)	150000.00
13.	स्थापना दिवस एंव वार्षिक अधिवेशन से प्राप्त पंजीकरण शुल्क	(100x300)	30000.00
14.	गाजियाबाद में ओल्ड ऐज होम प्रोजेक्ट हेतु सम्भावित अंशदान/दान		5000000.00
		कुल सम्भाावित आय-	**8816443.00**

प्रस्तावित व्यय रुपए में

1.	कार्यालय स्टेशनरी	75000.00
2.	टाईप/फोटोकापी	75000.00
3.	डाक टिकट/कोरियर/फैक्स	75000.00
4.	प्रचार-प्रसार सामग्री	60000.00
5.	टेलीफोन किराया	9000.00
6.	डाक रनर/चपरासी(पूर्णकालिक)	70000.00
7.	कार्यालय सहायक (पूर्णकालिक)	70000.00
8.	वार्षिक अधिवेशन पर व्यय	65000.00
9.	भावना-संदेश का प्रकाशन	70000.00
10.	मासिक विचार गोष्ठियों पर व्यय	30000.00
11.	चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट की फीस	25000.00
12.	वेवसाइट का रख-रखाव	25000.00
13.	स्थापना दिवस एंव शिक्षा सहायता राशि वितरण समारोह पर व्यय	70000.00
14.	कार्यालय भवन किराया	0.00
15.	कार्यालय हेतु विद्युत व्यवस्था	0.00

16. डे-केयर को फर्नीश पर होना वाला व्यय			120000.00
अ. फर्नीचर		25000	
ब. टी.वी. एण्ड डी.वी.डी. प्लेयर		40000	
स. ए.सी.		30000	
द. कारपेट, परदे आदि		25000	
	कुल	**120000**	
17. डे-केयर केन्द्र के संचालन पर होने वाले व्यय			150000.00
अ. केयर टेकर कम कम्प्यूटर आपरेटर		72000.00	
ब. चपराशि/अटेन्डेण्ट		60000.00	
स. समाचार पत्र अन्य पढ़ले वाली सामग्री		12000.00	
द. विद्युत व्यय तथा अन्य आवश्यक रखरखाव के व्यय		6000.00	
		150000.00	
18. अन्य प्रकीर्ण व्यय			250000.00
		कुल व्यय	**1014000.00**

विभिन्न सेवा कार्यक्रमों पर व्यय

1. भावना सहयोग एवं सेवा	1000.00
2. भावना सेकेण्ड कैरियर	2000.00
3. भावना सांस्कृतिक प्रकोष्ठ	20000.00
4. भावना महिला सशक्तिकरण	15000.00
5. भावना सोशल सर्विस	250000.00
6. भावना आध्यात्मिक सेवायें	20000.00
7. भावना स्वास्थ्य सेवायें	80000.00
8. भावना एजूकेशन एण्ड लिटरेसी सेवायें	350000.00
9. येडा को ओल्ड ऐज होम प्रोजेक्ट हेतु खरीदी जाने वाली जमीन की किस्त का किया जाने वाला भुगतान	2875460.00
11. श्री अनिल कुमार शर्मा से लिये गये उधार की वापसी ब्याज सहित	2852680.00
योग	**6475140.00**
कुल प्रस्तावित व्यय	**7489140.00**
कुल अनुमानित बचत (8816443.00-7489140.00)	**1327303.00**

विशेषः-

1. व्यय आवश्यकतानुसार वास्तविक आय के अनुरूप कम से कम किया जायेगा।
2. प्रबंधकारिणी की बैठकों का व्यय गत वर्षों की भाँति समिति के पदाधिकारियों द्वारा बारी-बारी से वहन किया जाना प्रस्तावित है।
3. नय नए प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिये आय के अनुरूप अतिरिक्त व्यय किया जाना भी प्रस्तावित है।
4. वर्ष 2016-17 के अनिल कुमार शर्मा से ओल्ड ऐज होम प्रोजेक्ट हेत येडा से जमीन लेने के लिये 4 प्रतिशत पर 27 लाख का लोन लिया गया है, जिससे येडा को लगभग 13.70 लाख का भुगतान दो किस्तों में किया जा चुका है।

प्रेम शंकर गौतम

Resolutions passed in BHAVANA's 17th Annual Convention on 5th March, 2017

1. Considering that the number of senior citizens (age 60+) in the country is increasing fast that will grow to 32.6 crores in 2025 and that 2/3rd of the country's elderly population is financially weak and 11% very old(age 80+) who need economic and healthcare support, and that the interests of present 10 crore senior citizens population in the country need to be looked after better both at the Centre and the States, the Convention requests the **Honorable Prime Minister of India** to create **an exclusive Ministry for Senior Citizens and to appoint a National Commission on Older Persons**. Similar organizational structure should be replicated at the state level too.

2. Noting that one of the important reasons for State governments not implementing the welfare schemes meant for senior citizens is the absence of a clear cut communication channel between the governments [both Central and State] and the beneficiaries, and considering the inability to fully mobilize senior citizens particularly at the grass root level and thus build effective pressure groups which is a healthy requirement in a democratic environment, and considering that very often many politicians, bureaucrats and even senior citizens themselves are not fully aware of the policies and programmes for their welfare due to their inadequate dissemination, and considering that BHAVANA is the largest and most vibrant registered representative organization of senior citizens in Uttar Pradesh, and have been in the forefront of representing the important problems of senior citizens in U.P., and considering that it has held regular annual conventions during the last seventeen years in Lucknow, the capital of U.P. to create awareness among senior citizens, the Convention requests the **Honorable Minister for Social Welfare, U.P. to recognize BHAVANA as the State Level Association of Older Persons** as recommended in para 96 of NPOP 1999 and para 4.4 of **U.P. State Policy of Senior Citizens** to mobilize senior citizens, articulate their interests, promote and undertake programmes and activities for their well being and to advise the state government on all matters relating to senior citizens.

3. Considering that Senior Citizens are prone to many health problems and their financial resources are on the decline day by day due to inflation, the Convention resolves that both state and central governments should be urged to provide Health Insurance to all senior citizens as mandated in NPOP adopted by government of India in 1999 and U.P. State Policy of Senior Citizens.

a) Any **Health Insurance Scheme** that may be implemented must conform to minimum requirements given below:

- Premium must be very modest and should not go on increasing with age.
- There should be no entry [at least for the first 3 to 5 years] or exit restrictions.
- There should be no restriction for pre-existing diseases.
- This should be fully subsidized for BPL and on graded premium sharing basis to APL senior citizens.

- There should be no restriction of family size.
- Coverage should be a reasonable amount say ₹ five lakhs on a floater basis.
- **Aarogyasri** of Andhra Pradesh meets all the requirements mentioned above and this scheme should be replicated in all states, failing which, if RSBY is expanded to all states then the coverage should be raised from ₹ 30,000 to ₹ 1 Lakh and the restriction on family size should be removed.

b) To urge GOI to come up with a comprehensive scheme to take care of senior citizens belonging to BPL category suffering from terminal illnesses like: Alzheimer's disease, Cancer etc by providing palliative care, reservation of beds, home care financing etc.

c) To implement National Program of Healthcare for the Elderly (NPHCE) fully in letter and spirit and in all districts of the Country.

4. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the Convention requests Honorable **Minister for Railways** to:

- Allow 50% concession in TOTAL train fare to male senior citizens also as has been already done in the case of women senior citizens.
- Extend the Concession for Tickets bought under Tatkal Quota also.
- Consider Very Old Persons (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free assistant/attendant.
- Provide, in suburban trains, special compartments for senior citizens (similar to ladies, disabled etc).
- Provide at all major railway stations amenities like : lifts, elevators, ramps, porters, wheel chairs etc.
- Provide for separate Qs with seating arrangements for senior citizens while booking tickets at railway tickets booking windows.
- Railway Reservation charges while booking tickets must be removed for senior citizens.
- Under-passes should be built at all railway stations having two or more platforms. At Lucknow(NR) station, the already existing under-pass should be extended to platforms nos. 6 & 7 also.

5. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the Convention requests Honorable **Minister for Road Transport, U.P.** to:

- Allow 50% concession in TOTAL bus fare to senior citizens (age 60+).
- Consider Very Old Persons (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free assistant/attendant.
- All seats in buses should be treated as reserved for senior citizens. Bus conductors and drivers must get seats vacated to get senior citizens properly seated.

6. Considering the inflationary pressure faced by the senior citizens, high cost of medicines forming a major part of health expenditure, this Convention unanimously resolves and requests

the **Union Minister for Chemicals and Fertilizers** to promote the availability of low cost **generic medicine**s of essential drugs by

- Promoting Generic medicines outlets in all States.
- Insisting on doctors prescribing generic medicines only where-ever available.
- Insisting on printing reasonable/affordable MRP on generic medicine packages.
- Implement "free medicines distribution through government hospitals" scheme recently announced by the GOI, fully in letter and spirit throughout India.
- Bring all the 348 drugs identified as the essential drugs under the price control regime.

7. Considering that most senior citizens up to the age of 75 remain healthy and active, their experience and knowledge are assets to the society, this Convention resolves and requests the **Ministry of HRD and Ministry of Labour** to consider raising the retirement age of government employees to 65 years.

8. Considering that, even after eight years of enactment by the parliament, many state governments are yet to notify (accept), the **Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act 2007** or to fully operationalize the Act, by framing Rules under the Act, Setting up Tribunals, Announcing Maintenance officers etc., this Convention resolves and requests the **Ministry of Social Justice and Empowerment** to vigorously **pursue all state governments to fully implement the Act** in all respects expeditiously and give the provisions in the Act adequate publicity both in print and electronic media.

9. Considering that financial resources of senior citizens keep depleting day by day on account of inflation and that their major sources of income are only pensions or lifelong savings during low cost economy years, the Convention resolves to urge the **Ministry of Finance** to make the following changes in **Direct Taxes Code**:

a) Income Tax Exemption for Senior Citizens should be at least Rs 5.00 Lakhs for the age group of 60 to 80 years and complete tax exemption for 80+.

b) Senior Citizens should be fully exempted from the purview of **Tax Deduction at Source** for interest Income on Deposits.

c) Persons who take care of senior citizens should be given concession in Income Tax.

10. Considering that a large number of senior citizen retirees are pensioners from central/ state governments and from PSUs and that there are a number of perennial unsolved issues relating to their pensions and post retirement benefits, this Convention resolves to request **the Ministry of HRD, Ministry of Finance, Ministry of Defence and Ministry of Labour and Employment and other relevant ministries to seek remedial measures as follows:**

(a) In line with **Universal Pension Principle** promoted by Aruna Roy and others, grant **Minimum Universal Pension of Rs 2000/-** or 50% of minimum wage (whichever is more) per month per person, to all 60+ senior citizens in both unorganized & organized sectors with the provision of automatic revision of the quantum corresponding to minimum wage & inflation.

(b) **Removal of disparities**:

- Remove disparities in revision of pension within the homogeneous groups of pre 2006.

- Remove, among defence pensioners, disparities between uniformed sector and civilian sector.

(c) Restore C**ommuted Portion of Pension** of all Central/State/PSU pensioners in 12 years as was recommended by 5th CPC instead of present 15years.

(d) Additional old age pension to all superannuated Central/State/PSU pensioners should start from the age of 65years @ 5% of the basic pension with provision of enhancement by 5% every 5years.

11 Noting that the working Group on Social Welfare has made extensive recommendations to the then **Planning Commission** with specific reference to senior citizens welfare for 12th Five Year Plan including clear budget proposals for Old Age Homes, RSBY, Old Age Pension, National Institute of Ageing, Helplines, National Council of Senior Citizens, separate department for senior citizens etc and appreciating the efforts done by the working group regarding senior citizens welfare for the first time, this Convention resolves to request the **NITI Aayog NOT TO DILUTE the recommendations of the Working group** in any way but to push the agenda forcefully with concerned ministries for complete implementation of all recommendations.

12 Observing that there are large sums of money lying idle as Unutilized Funds/Unclaimed amounts with Institutions like Nationalized Banks, dividends on Stocks, Income Tax refunds, EPF, LIC, PPF, Post Office Savings Accounts, etc, which are mostly out of investments belonging to senior citizens, and the total amount of this accumulation is estimated to be over ' 22000 crores, this Convention resolves to urge the **Ministry of Finance** to utilize this amount as corpus for setting up a **Senior Citizens Welfare Fund** and that this Fund augmented periodically by levying a surcharge/welfare tax on the creamier layers of the society.

13 Considering that majority of senior citizens suffer progressively on account of inflation, this Convention resolves to request Reserve Bank of India to introduce "Inflation Indexed Bonds" @ 12% to mitigate the sufferings of elderly community against inflationary pressures.

14 This Convention also resolves to urge Ministry of Finance and Ministry of Social Justice & Empowerment to cover all projects related to welfare of senior citizens for funding by big corporate houses under the head "Corporate Social Responsibility".

J.B. Agarwal
General Secretary (Admn.)

पाठकों की प्रतिक्रिया

भावना संदेश, जनवरी-2017 हमारी एकजुटता एवं सहभागिता को प्रतिबिंबित करता है। सादर नमन, नीलम-जयप्रकाश चतुर्वेदी दिनांक 11 जनवरी 2017:-

Prof. . Jai Prakash chaturvedi Msc. Ph.D
-Secretary. Intemational Academy of Physician Science
-Visitor, ANVENSHIKA. IIT Kanpur
-SANKALP,(moch Faculty), New Delhi
-Dean*(Faculty of Sciences) & Dean*(Student Welefare) and Head*) Departments of Physics, Bio-technology, Computer science, Electronics and Home science) - DDU Gorakhpur University.
- Scientific Officer*(Observatory: ARIES, Nanital).
-Astronomer* (Nerhu Platenrium, Mumbai).

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Balance Sheet as at 31st March 2018

Liabilities	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)	Assets	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)
Capital Fund -		622900.78	**Fixed Assets**		6110.00
Opening Fund	453852.08		- As per annexure "A" enclosed	6110.00	
Add : Life Membership Fees					
Received during the year	30000.00		**Current Assets -**		689285.78
Add : Life Time Patrika Fee	44000.00		- Cash in Hand	16357.35	
Total	527852.08		- Balance with Sched. Banks	685587.43	
Add : Exc. of Income. Over Expend	95108.70		- In Fixed Deposit	484143.00	
			- In Saving Banks	201344.43	
Current Liabilities -		72435.00			
- Corpus for Eye & Health			- Other Current Assets	6641.00	
Camp for Obra	72435.00		- Tax Deducted at Source	5015.00	
			A.K.Sharma (NCR)	329.00	
			- L.B.Garg	1297.00	
Total		695395.78	Total		695395.78

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

Place : Lucknow
Dated : 07-10-2016

(M K Goel)

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Depreciation Chart for the Financial Year 2015-2016

Sl. No.	Name of Fixed Assets	Rate of Dep. %	W.D.V. as on 01.04.2015 (Rs.)	Addition During the year 01.04.15 to 30.09.2015 (Rs.)	Addition During the year 01.10.15 to 31.03.2016 (Rs.)	Deletions / Sales during the year (Rs.)	Total as on 31.03.2016 (Rs.)	Cumulative Dep. up to 01.04.2015 (Rs.)	Depreciation for the F.Y. 2015-16 (Rs.)	Cumulative Dep. up to 31.03.2016 (Rs.)	W.D.V. as on 31.03.2016 (Rs.)
1.	Furniture & Fittings	10	755.00	0.00	5500.00	0.00	6255.00	2054.00	851.00	2405.00	5904.00
2.	Medical Instruments	15	342.00	0.00	0.00	0.00	342.00	1718.00	36.00	1755.00	206.00
	Total		897.00	0.00	5500.00	0.00	8497.00	3903.00	897.00	4180.00	6110.00

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(M K Goel)

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Income & Expenditure A/c for the year ending 31st March 2016

Expenditure	Amount	Income	Amount (Rs.)
To Education Assistance Expenses (Amount donated to School's for Poor Children's education)	155700.00	By Donations	513790.00
		By Registration Fee	23810.00
		By Interest Received	51878.40
To Daridra Narain Sewa Exp. (Blanket etc. distributed to Poor People)	166440.00	By Distinguished Membership Fee	152000.00
		By Memb. Fee for Astha & Awadh Hosp.	8000.00
To Annual Seminaar Exp.	47730.00	By Anaupcharik Shiksha	101447.00
To Salary & Wages	77900.00		
To Foundation Day Expenses	59272.00		
To Printing & Stationery	19639.70		
To Publication Charges of Magazine	58270.00		
To Computer Expenses	25100.00		
To Donation Paid	5000.00		
To Postage, Courier & Fax Charges	11398.00		
To Audit Fee	10305.00		
To Anaupcharik Shiksha	16916.00		
To Medical & Health Camp Exp.	38419.00		
To Membership for Astha & Awadh Hosp.	8400.00		
To Typing & Photocopy Charges	706.00		
To Membership Fee	1000.00		
To Office Expenses	4623.00		
To Meeting Expenses	5899.00		
To Legal Fees	6297.00		
To Depreciation on Assets	387.00		
- On Furniture & Fittings	351.00		
- On Medical Instrument for Disp.	36.00		
To Excess of Income Over Expenditure	95108.70		
Total	850925.40	Total	850925.40

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Place : Lucknow
Dated : 07-10-2016

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Receipt & Payment A/c for the year ending 31st March 2016

Receipts	Amount (Rs.)	Payments	Amount (Rs.)
To Opening Balances			
- Cash in Hand	8990.35	By Education Assisstance Expenses	155700.00
- Cash in Aiseeon	1614.00	By Medical & Health Camp. Exp.	38119.00
- Cash in Hand (At Obra)	7295.00	By Daridra Narain Sewa Exp.	166440.00
- Fixed Deposit Axis Bank	328492.00	By Salary & Wages	77901.00
- Fixed Deposit with BOH at Obra	100540.00	By Annual Seminaar (AGM) Exp.	47730.00
- Balance with B.O.B., Obra	29152.00	By Foundation Day Expenses	59272.00
- Axis Bank	10463.83	By Publication Charges of Magazine	58270.00
- HDFC Bank	3380.90	By Printing & Stationery	19699.70
		By Computer Expenses	25100.00
To Life Membership Fee	30000.00	By Memb. Fee for Astha & Awadh Hosp.	8400.00
To Distinguished Membership Fee	152000.00	By Typing & Photocopy Charges	7061.00
To Donations	515790.00	By Postage, Courier & Fax Charges	11398.90
To Life Time Patrika Fee	44000.00	By Audit Fee	10305.00
To Interest Received	51878.10	By Membership Fee	1000.00
To Memb. Fee for Astha & Awadh Hosp.	6000.00	By Legal Fees	6297.00
To Registration Fee	23810.00	By Office Expenses	4823.00
To Tax Deducted at Source	47.00	By Donation	5000.00
To Anoupcharik Shiksha	101447.00	By Anuopcharik Shiksha	46816.00
		By Meeting Expenses	5899.00
		By Anil Kumar Sharma NCR	826.00
		By Furniture & fixture	5500.00
		By Closing Balances	
		- Cash in Hand	6048.35
		- Cash in Aiseeon	1614.00
		- Cash in Hand (At Obra)	7295.00
		- Fixed Deposit Axis Bank	355349.00
		- ICICI NCR	155637.00
		- Balance with B.O.B., Obra	29289.00
		- Fixed Deposit with BOB at Obra	109094.00
		- Axis Bank	9783.13
		- HDFC Bank	6535.30
Total	1443900.48	Total	1443900.48

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

(MK Goel)

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Place : Lucknow
Dated : 07-10-2016

भावना- वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ

"In coordination with Sri LB Singh,Sri UN Sharma, Smt Madhuri Pandey, Radio Artist Sri Chaturvedi, Varist Nagrik Manch Indiranagar, Sri SK Tewari,,Sri Jauhari,Sri YK Agarwal,Sri AK Mehrotra ,BHAVANA & Self efforts,the programmes of HEALTH AWARENESS & Acupressure trainings were conducted at the places mentioned below:

PLACE	PARTCIPIANT	DATE
1. RDSO Guest House Lko	200 students+Their Parents	5.6.2016
2. Aurvedic Research Centre Sector-21 Indiranagar Lko	21 Doctors & Staff	6.6.2016
3. Near SGPGI Hall in sarswatipuram	20 families	11.6.2016
4. Good Morning on AIR	Listeners	23.7.2016
5. Auditorium Shekher Hospital	50 Sr. Citizens	29.7.2016
6. VVIP Guest House HAL Lko & Staff	150 Retd.& working Officers	6.8.2016
7. RSK Degree College Sitapur	250 students & Teachers	10.8.2016
8. SS Aarogya Dham Lko	15 Trainees	12-14.8.16
9. MB Education Institute Satrikh Lko	550 Students & Teachers	17.9.2016
10. A-100 Mini Hall Indiranagar, Lko	22 nos.	19-21.9.16
11. Seminar Conducted by ISU3A Jay Sanker Sabhagar Lko	Presentation on Spritual Support to Elders	13.11.2016
12.SC Institute of Higher Education IIM Road Lko	140 students &Teachers	18.11.2016
13. SS Aarogya Dham Lko	07 Trainees	25-27.11.2016
14. Village Bhatauli,BKT,Lko	100 &above Villagers	2.12.2016
15. A-100 Mini Hall IndiranagarLko	20 nos	11.01.2017
16.Krishna Institute of HigherEdu.BKT	120 students & Teachers	18.01.2017
17.Village Bhatwara,Chandrika Devi Campus	100 & above Villagers	22.01.2017

NB: 1.Folders of Health Awareness on behalf of BHAVANA were distributed &given to Teachers, Learned villagers, Retd.Officers, Doctors, Staff members,etc.

2.Articles on Health are being submitted for BHAVANA magzine."

Regards,
Dr Narendra Deo
Seretary Health

अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र पर गणतंत्र दिवस समारोह।

लखनऊ-बिजनौर रोड पर औरंगाबाद रेलवे क्रांसिग के निकट भावना द्वारा संचालित अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र पर गणतंत्र दिवस अत्यन्त हर्ष एंव उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इस संस्था के संस्थापक श्री चन्द्रभूषण तिवारी जी के अलावा भावना संस्था के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना, महासचिव प्रशासन श्री जगत बिहारी अग्रवाल, महासचिव कार्यान्वयन श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, उपमहासचिव द्वय श्री देवेन्द्र शुक्ल एंव श्री सतपाल सिंह, सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी, सचिव सांस्कृतिक प्रकोष्ठ श्री देवकी नन्दन शांत, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ के सदस्य श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल, श्री अमरनाथ एवं श्रीमती

सरोजनी सिंह के अलावा भावना समिति की प्रथम महिला श्रीमती दया शुक्ला के अलावा आजीवन सदस्य श्री दिलीप कुमार वीराणी एंव इस कार्यक्रम को तन-मन-धन से सहयोग देने वाले भावना के गैर सदस्य इं. प्रमोद कुमार वर्मा तथा आचार्य अयोध्या प्रसाद जी तथा स्थानीय नागरिकों ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को शोभा प्रदान की। भावना के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस स्कूल की अध्यापिका द्वय श्रीमती आशा एंव श्रीमती सरिता के निर्देशन एंव संचालन में इस स्कूल के बच्चों द्वारा राष्ट्रगान के पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए जिनमें कमलेश, अजीत, प्रिंशु, रमाकांत, जितेन्द्र, राहुल-1, राहुल-2, विकास, राजू विष्णु, आकाश के साथ कुमारी अंजली, चंदा ललिता, चाँदनी, काजल, रेनू, नैनसी, रोली, आरती, माही आदि ने अपने विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा सभी दर्शकों का मनमोहा। भावना के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना जी द्वारा सभी बच्चों एंव वहाँ उपस्थित व्यक्तियों को स्वच्छता एवं शिक्षा के बारे में जागरूक रहने को कहा तथा अपनी कविता द्वारा सभी का मन मोहा। श्री देवकी नन्दन शांत जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से बच्चों को महत्वपूर्ण संदेश दिए। भावना के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी द्वारा गणतंत्र दिवस क्यों और कैसे मनाया जाता है इस पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उसका महत्व समझाया तथा भावना की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने वाले बच्चों को उपहार दिए। श्री देवेन्द्र शुक्ल जी ने भावना के निर्धन जनसेवा प्रकोष्ठ की ओर से सभी बच्चों को फल वितरित किए और स्वंय अपनी ओर से बिस्कुट बाटें। श्री देवकी नन्दन शांत व श्री सुभाष चन्द्र विद्याथी जी ने बच्चों को टाफियाँ बाँटी। श्री विनोद कुमार शुक्ल ने भी सभी बच्चों को बिस्कुट वितरित किए।

भावना-निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ

भावना निर्धन जनसेवा प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष की तरह इस शीत ऋतु में भी सात कम्बल वितरण कैम्प आयोजित किए गए जिसमें निम्नवत्त 675 नए कम्बल निर्धन ग्रामीणों, दिव्यांग, विधवा ज़रूरतमंद को वितरित किए गए।

2-12-2016 को ग्राम बठौली में	- 96	15-1-2017 को ग्राम लोधोली में	- 100
1-1-2017 को ग्राम चौरा उन्नाव में	- 100	22-1-2017 को ग्राम कठवारा में	- 100
8-1-2017 को ग्राम उतरना बी.के.टी. में	- 101	29-1-2017 को ग्राम नवीपनाह, माल में	- 115

सातवाँ व अंतिम कैम्प स्व. अरविन्द कुमार गोयल को एक विनम्र श्रद्धांजलि के रूप में स्व. गोयल के निवास के पास पार्क डी में आयोजित किया गया जिसमें 63 कम्बल वितरित किये गए। सभी स्थानों पर लगभग 250 नयी कमीज़ें व 2000 पुराने उपयोगी वस्त्रों का वितरण किया गया। भावना अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र में फलों का वितरण किया गया। डॉक्टर नरेंद्र देव द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति के बारे में जानकारी दी गयी। अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल द्वारा केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। भावना के सदस्यों के द्वारा परिवार सहित इन कैम्पों में सहभागिता की गयी।

देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला
संयोजक, निर्धन जनसेवा प्रकोष्ठ, भावना

भावना समर्थित प्रसादम् सेवा प्रकल्प

भावना की सदस्य संस्था, **विजयश्री फाउन्डेशन** द्वारा लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कालेज चिकित्सालय परिसर में **प्रसादम् सेवा** के माध्यम से प्रतिदिन चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों में भर्ती गरीब मरीजों के 250 तीमारदारों को दोपहर का पूरा शुद्ध सात्विक ताजा भोजन स्वच्छ वातावरण में आसनों पर बैठाकर स्टेनलेस स्टील के बर्तनों में निःशुल्क भर पेट कराया जाता है। इस सेवा के लिये मेडिकल कालेज प्रशासन द्वारा 2500 वर्ग फुट मात्र का एक हॉल निःशुल्क दिया गया है तथा उसमें बिजली व पानी भी निःशुल्क उपलब्ध है। हाल में आवश्यक साज-सज्जा संस्था

द्वारा कराई गई है। हाल के एक भाग में भोजन बनाने तथा कच्चे सामान के भण्डारण की व्यवस्था है तथा दूसरे छोर पर सर्व-धर्म प्रार्थना स्थल बनाया गया है। हाल के मध्य भाग में लोगों को बैठाकर भोजन कराया जाता है। संस्था द्वारा प्रतिदिन विभिन्न वार्डों में 250 भोजन-कूपन भेजे जाते हैं। वार्डों के डाक्टरों द्वारा तीमारदारों का चयन करके उन्हें कूपन दिए जाते हैं। प्रसादम् हॉल में उन्हीं तीमारदारों को भोजन कराया जाता है जिनके पास भोजन-कूपन होते हैं। भोजन के बाद हर व्यक्ति अपने बर्तन स्वयं साबुन से साफ करके पोटैशियम परमेगनेट घुले पानी में रख देता है। संस्था के कर्मचारी उन बर्तनों को पोछकर अगली सेवा के लिए तैयार कर देते हैं। एक बार में लगभग 40 लोग भोजन करते हैं। शेष लोग हाल के बाहर छाया में कुर्सियों पर बैठकर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं।

सुधी, सहृदय एवं संवेदनशील महानुभावों/संस्थाओं से विशेष अनुरोध

भावना ने प्रसादम् सेवा प्रकल्प को अंगीकार कर लिया है। अब यह भावना तथा विजयश्री फाउन्डेशन का संयुक्त प्रकल्प है। इस जनहितकारी कार्यक्रम के लिए कृपया खुले मन से यथा सामर्थ्य अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करें। आर्थिक रूप से सम्पन्न एवं समर्थ अपने परिजनों तथा इष्ट-मित्रों को भी इस पुण्य-कर्म में अधिक सहयोग देने हेतु प्रेरित करें। भोजन व्यवस्था हेतु प्रतिदिन का औसत व्यय लगभग रु. 11,000 है। यह सहयोग नगद या चेक अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा दिया जा सकता है। चेक अथवा बैंक ड्राफ्ट 'भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति' (BHARTIYA VARISHTHA NAGAIK SAMITI) के नाम तथा लखनऊ स्थित किसी बैंक का सममूल्य पर देय होना चाहिए। भावना को दिए जाने वाले आर्थिक सहयोग पर आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर में छूट अनुमन्य है।

विनोद कुमार शुक्ल	**जगत बिहारी अग्रवाल**	**विशाल सिंह**	**देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल**
अध्यक्ष-भावना	महासचिव (प्रशासन) भावना	सचिव	उपमहासचिव तथा संयोजक
मो. 9335902137	मो. 9450111425	मो. 9935888887	मो. 9198038889

आधार की अनिवार्यता से बुजुर्गों को राहत

पहली अप्रैल से आरक्षित रेल टिकटों की बुकिंग के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता से बुजुर्गों को छुट मिलेगी। आधार कार्ड हो या न हो, उन्हें बुकिंग के वक्त किराये में रियायत का लाभ भी मिलेगा। इसके लिए रेलवे बोर्ड रेलवे बोर्ड ने अपने पुराने निर्देशों में संशोधन किया है।

रेलवे बोर्ड ने एक आदेश में कहा था कि एक अप्रैल, 2017 से रेल टिकटों की बुकिंग के वक्त यात्री के आधार नंबर का उल्लेख करना अनिवार्य होगा। विंडो टिकट के मामले में आरक्षण पर्ची पर जबकि ऑनलाइन टिकट के मामले में अब आइआरसीटीसी की वेबसाइट पर आधार का उल्लेख करने की बात कही गई थी। रेलवे बोर्ड के इस प्रस्ताव का खूब प्रचार हुआ, लेकिन जिनके यहां बुजुर्ग हैं या जो लोग खुद सीनियर सिटीजन हैं, वे बेचैन हो उठे। क्योंकि कई बुजुर्गों का आधार कार्ड बनना संभव नहीं होता। अधिक उम्र के कारण उनकी अंगुलियों के निशान घिस जाते हैं जिससे मशीन उनकी छाप नहीं ले पाती। (दैनिक जागरण-4.3.17)

सरकारी कर्मचारियों के लिए ई-सर्विस बुक

मोदी सरकार ने ई-गवर्नेंस की दिशा में अहम कदम बढ़ा दिया है। इसके तहत सभी सरकारी कर्मचारियों की सर्विस बुक को ई-सर्विस बुक में बदला जाएगा। इससे सरकारी कर्मियों को सर्विस बुक के खो जाने या नष्ट हो जाने का डर खत्म हो जाएगा। कम्प्यूटर के एक क्लिक के साथ उनकी सर्विस बुक उनके पास ही होगी। दफ्तरों में भी कर्मचारियों की सर्विस बुक संभालकर रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दरअसल पिछले साल प्रधानमंत्री ने कार्मिक मंत्रालय को सर्विस बुक को ई-सर्विस बुक में बदलने का निर्देश दिया था।

भावना संदेश जनवरी,2017 के प्रकाशन के बाद बने नये सदस्यों की सूची

सदस्यता क्र.– ए–46 / 508 **डॉ.(कु) अंजली गुप्ता** मनोचिकित्सक, नूर मंजिल मनोचिकित्सा केन्द्र कमरा–13, नूर मंजिल मनोचिकित्सा केन्द्र, लालबाग, लखनऊ–226001 फोन: 09005224997 ई.मेल: njl_omer@yahoo.co.in **DOB:15/10/1965**		सदस्यता क्र.– ए–78 / 779 **श्रीमती अन्जुलीना सिंह,** गृहणी 537ग / 406,रतननगर, गोड़िबुल्ल पुर, लखनऊ 226021 फोन: 0522–2732432 / 08005499000 ई.मेल: kunwarypsingh@gmail.com **DOB:03/02/1953 MD: 28/06/1972**	
सदस्यता क्र. आर 96 / 700 **राजेश कुमार जैन** लेक्चरर सिविल इंजी. (से.नि.), डी.टी.टी.ई. दिल्ली ए–78, बृज विहार, गाजियाबाद–201011, उ.प्र. फोन: 09871278521 ई.मेल: rkj3mpj@rediffmail.com **DOB:17/03/1955 MD:24/11/1984**		सदस्यता क्र. के 50 / 701 **श्रीमती क्षमा जैन** डी.जी.एम., बी.ई.एल., साहिबाबाद ए–78 बृज विहार, गाजियाबाद–201011, उ.प्र. फोन09871278521 ई.मेल rkj3mpj@rediffmail.com **DOB:20/10/1960 MD:24/11/1984**	
सदस्यता क्र.– आई–11 / 702 **सुश्री (डॉ.) इन्दु प्रभा पाराशर** प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (से.नि.) हिन्दी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय कुमुद निकेतन, शिव मिष्ठान भंडार के पीछे, रकाबगंज, लखनऊ–04 फोन: 08005405888 / 09198125355		सदस्यता क्र.– जी–21 / 703 **गणेश प्रसाद श्रीवास्तव** सहा.अभि. (से.नि.), उ.प्र.रा. विद्युत उत्पादन निगम लि. के–1 / 1521, आशियाना, लखनऊ–226012 फोन: 0522–2425685 / 09415900844 ई.मेल: gpsri3@gmail.com **DOB:01/07/1955 MD:07/06/1979**	
सदस्यता क्र.– आर–97 / 784 **राजेन्द्र कुमार गोयल** सह.मु.अभियंता (से.नि.), उ.प्र.लोक निर्माण विभाग 34 / 3, सिविल लाइन्स दक्षिण, मुजफ्फरनगर–251001, उ.प्र. फोन: 0131–2621382 / 09412558209 **DOB:25/11/1948 MD:20/05/1972**		सदस्यता क्र.– ए–79 / 785 (विशिष्ट सदस्य) **अवधेश कुमार सिंह राठौर** भारतीय प्रशासनिक सेवा (से.नि.) 529क / 195, पिकनिक स्पॉट रोड, सुर्दमनगर, लखनऊ.22 फोन : 0522–2328112 / 09452687233 ई.मेल: to.aksrathore@gmail.com **DOB:12/01/1952 MD:09/03/1980**	
सदस्यता क्र.– बी–33 / 786 (विशिष्ट सदस्य) **श्रीमती बृजबाला सिंह,** गृहणी 529क / 195, पिकनिक स्पॉट रोड, सुर्दमनगर, लखनऊ–226022 फोन : 0522–2328112 / 09452687233 ई.मेल: to.aksrathore@gmail.com **DOB:10/06/1955 MD:09/03/1980**		सदस्यता क्र.– ओ–7 / 787 **ओम् प्रकाश पाठक** विशेष सचिव (से. नि.), अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उ.प्र. 111, चन्द्रलोक कॉलोनी, अलीगंज, लखनऊ–226024 फोन: 0522–2323728 / 09415022932 ई.मेल: pathak.op@gmail.com **DOB:18/07/1955 MD:11/04/1975**	
सदस्यता क्र.– जी–22 / 788 **श्रीमती गंगोत्री पाठक,** गृहणी 111, चन्द्रलोक कॉलोनी, अलीगंज, लखनऊ–226024 फोन: 0522–2323728 / 09415022932 ई.मेल: pathak.op@gmail.com **DOB: 24/09/1961 MD:11/04/1975**		सदस्यता क्र.– एस–171 / 789 **श्रीमती सुमन गर्ग** ई.सी.आई.ओ. (से.नि.), केन्द्रीय सतर्कता अधिष्ठान 525 / 323ध, पुराना मोहननगर, लखनऊ–226006 फोन09452681591 ई.मेल sumangarg01@gmail.com **DOB:22/07/1955 MD:21/11/1977**	
सदस्यता क्र.– आर–98 / 790 (विशिष्ट सदस्य) **रवीन्द्र नाथ अवस्थी,** कार्यपालक अभियन्ता (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग 128 / 25, ई ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर–208011 फोन : 09250918584 ई.मेल: bhanukshama@yahoo.co.in **DOB:15/07/1956 MD:28/02/1979**		सदस्यता क्र.– के–51 / 791 (विशिष्ट सदस्य) **श्रीमती क्षमा अवस्थी,** गृहणी 128 / 25, ई ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर 208011 फोन : 09250918584 ई.मेल: bhanukshama@yahoo.co.in **DOB:25/01/1958 D:28/02/1979**	

सदस्यता क्र.– एस–172/792 (विशिष्ट सदस्य)
सूरज भारद्वाज, निजी व्यवसायी
ई–19, सेक्टर 30, नोयडा–201303, उ.प्र.
फोन : 09810008843
ई.मेल: bp.noida@gmail.com
DOB:26/10/1955 MD:10/05/1978

सदस्यता क्र.– के–62/793 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती कमलेश भारद्वाज, निजी व्यवसायी
ई–19, सेक्टर 30,
नोयडा–201303, उ.प्र.फोन : 09810008843
ई.मेल: bp.noida@gmail.com
DOB:20/07/1959 MD:10/05/1978

सदस्यता क्र.– ए–90/794 (विशिष्ट सदस्य)
अजय शर्मा
प्राइवेट सेक्टर उद्यम में सेवारत
डी–33, प्रथम तल, एल्डिको रेजीडेन्सी ग्रीन्स,
सेक्टर वाई 1, ग्रेटर नोयडा 201310, उ.प्र.
फोन : 09818148388
ई.मेल: ajaysharma.co.in@gmail.com
DOB:21/08/1963 MD:23/05/1991

सदस्यता क्र.– वी–33/795 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती वंदना शर्मा
प्राइवेट सेक्टर उद्यम में सेवारत
डी–33, प्रथम तल, एल्डिको रेजीडेन्सी ग्रीन्स,
सेक्टर वाई 1, ग्रेटर नोयडा 201310, उ.प्र.
फोन : 09818148388
ई.मेल: ajaysharma.co.in@gmail.com
DOB:24/12/1968 MD:23/05/1991

सदस्यता क्र.– के 50/796
ककन सम्भामूर्ति
चीफ इंजीनियर (सेनि.), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली
ए–54, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली–110065
फोन: 011–41622654/09810469710
ई.मेल: sambhamurti@gmail.com
DOB: 12/09/1955 MD:02/12/1984

सदस्यता क्र.– ए 61/797
श्रीमती अचला बंसल
गृहणी
ए–54, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली–110065
फोन: 011–41622654/09810469710
ई.मेल: sambhamurti@gmail.com
DOB:25/11/1963 MD:02/12/1984

सदस्यता क्र.– जे 20/798 (विशिष्ट सदस्य)
जय प्रकाश सिंघल
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
79, मुनिरका एन्क्लेव, नई दिल्ली–110067
फोन:01126108170/09810200898 ई.मेल: jpsinghal@hotmail.com
DOB: 19/06/1941 MD:19/05/1966

सदस्यता क्र.– ए 62/799 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती अदिति सिंघल, गृहणी
79, मुनिरका एन्क्लेव, नई दिल्ली 110067
फोन : 01126108170/09810200898
ई.मेल: jpsinghal@hotmail.com
DOB:16/04/1943 MD:19/05/1966

सदस्यता क्र.– जी–23/800
गुरू दयाल शुक्ला
जिला लेखापरीक्षा अधिकारी (से.नि.), वित्त विभाग, उ.प्र.
536क/505, त्रिवेणीनगर–2, लखनऊ–226020
फोन: 0522–2768277/09415003605
DOB: 03/07/1942 MD:12/06/1958

सदस्यता क्र.– यू–15/801
उमेश चन्द्र दुबे 'अभय'
प्रधानाचार्य (से.नि.), राजकीय औद्योगिक प्रशि.संस्थान, उ.प्र.
के–633, आशियाना, लखनऊ–226012
फोन: 0522–2421000/09415592744
DOB:25/12/1944 MD:30/06/1965

सदस्यता क्र.– एस–173/802 (विशिष्ट सदस्य)
सुरेन्दर कुमार शर्मा
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
सी–27, पॉकेट 6, केन्द्रीय विहार–2, सेक्टर 82, नोयडा–201304, उ.प्र.
फोन : 09910646264
ई.मेल: surendersujni@gmail.com
DOB:15/04/1956

सदस्यता क्र.– ए 63/803 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती अपर्णा शर्मा, गृहणी
सी 27, पॉकेट 6, केन्द्रीय विहार 2, सेक्टर 82,
नोयडा–201304, उ.प्र.
फोन : 09910646264
ई.मेल: surendersujni@gmail.com
DOB:08/11/1963

सदस्यता क्र.– ए–84/804 (विशिष्ट सदस्य)
आनन्देश्वर शंकर प्रसाद
मुख्य अभियंता (से.नि.), विद्युत परिषद कार्पोरेशन लि.
एम.एम.आई.जी–34, सेक्टर सी, एल.डी.आई. कॉलोनी,
सीतापुर रोड योजना, लखनऊ–226021
फोन : 09415002884 ई.मेल: aspv@rediffmail.com
DOB:17/03/1956 MD:13/06/1979

सदस्यता क्र.– एस–174/805 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती संतोष बाला अग्रवाल, गृहणी
एम.एम.आई.जी–34, सेक्टर सी, एल.डी.आई. कॉलोनी,
सीतापुर रोड योजना, लखनऊ–226021
फोन : 09415002884
DOB:15/06/1956 MD:13/06/1979

सदस्यता क्र.– वी–54/806/संस्थागत
वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी
राम स्वरूप यादव, सचिव
ग्राम हरौनी शम्सुद्दीनपुर, पो. सनदपुर हरदास 229881
ब्लॉक व तहसील, हसनगंज, जिला उन्नाव, उ.प्र.
फोन : 09455508230
ई. मेल: yadav.ramswaroop@yahoo.com

सदस्यता क्र.– पी–47/807 (वॉलन्टियर सदस्य)
पवन कुमार पाण्डेय
भारतीय प्रशासनिक सेवा (कार्यरत)
ई–1/331, गली नं. 9,4,1/2, पुष्पा कॉलोनीय विहार,
गोकुलपुर, दिल्ली–110094 फोन: 09654854047
ईमेल:pawanallahabadiboy@rediffmail.com
DOB: 15/03/1979

सदस्यता क्र.– आर–99/808
राज कुमार गुप्ता
ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी (से.नि.), अभियोजन विभाग, उ.प्र.
14/227, विकास नगर, लखनऊ–226022
फोन: 09838550289
DOB: 10/01/1956 MD:04/05/1978

सदस्यता क्र.– आर–100/809
श्रीमती राधा रानी गुप्ता
गृहणी
14/227, विकास नगर, लखनऊ–226022
फोन: 09838550289
DOB:01/01/1957 MD:04/05/1978

सदस्यता क्र.– एल–9/810/संस्थागत
एल.एस.पी.ई.डी./उ.प्र. जल निगम पेंशनर्स एसोसिएशन
नवीन चन्द्र पाण्डेय, महासचिव
बी–1041, इन्दिरानगर,
लखनऊ–226016
फोन : 0522–2352748/09450365062
ई. मेल: ncpandey32@rediffmail.com

सदस्यता क्र.– जे–24/811 (विशिष्ट सदस्य)
प्रो. जय प्रकाश
वाइस चांसलर (से.नि.), जी.एल.ए. विश्वविद्यालय, मथुरा
बी.जी.–06, पार्श्वनाथ प्रेस्टिज,
सेक्टर–139, नोएडा–201304
फोन : 0120–4540966/09873661588
ई.मेल: jpagl42@gmail.com
DOB:15/08/1942 MD:13/12/1968

सदस्यता क्र.– आर–101/812 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती राजेश अग्रवाल
गृहणी
बी.जी.–06, पार्श्वनाथ प्रेस्टिज, सेक्टर–139, नोएडा–201304
फोन : 0120–4540966/09873661588
ई.मेल: jpagl42@gmail.com
DOB:02/03/1946 MD:13/12/1968

सदस्यता क्र.– के–64/813 (विशिष्ट सदस्य)
कृष्ण कान्त दीक्षित
प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्कीटेक्चर, बी.बी.डी. विश्वविद्यालय
डी–45, इन्दिरानगर, लखनऊ–226016
फोन : 09621777445
ई.मेल: kkdixit111@gmail.com
DOB:01/01/1943 MD:17/06/1971

सदस्यता क्र.– एस–175/814 (विशिष्ट सदस्य)
सुरेन्द्र कुमार बाजपेयी
महाप्रबंधक (से.नि.), चीनी मिल
डी–1269, इन्दिरानगर, लखनऊ–226016
फोन : 09415583000
ई.मेल: lkoskb@gmail.com
DOB:31/12/1946

सदस्यता क्र.– ए–85/815
श्रीमती अनुराधा दुबे
वैज्ञानिक (से.नि.), केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान
बी–2/एम–8, एन.बी.आई. कॉलोनी,
सेक्टर बी, जानकीपुरम, लखनऊ–226021
फोन: 09450931332
ई.मेल: anuradhadube@gmail.com
DOB:22/11/1955 MD:18/10/1985

सदस्यता क्र.– एन–42/816
निखिल कुमार
वैज्ञानिक (से.नि.), राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान
बी–2/एम–8, एन.बी.आई. कॉलोनी,
सेक्टर बी, जानकीपुरम, लखनऊ–226021
फोन: 09450931332 ई.मेल: anuradhadube@gmail.com
DOB:16/11/1950 MD:18/10/1985

सदस्यता क्र.– वी–55/817
विजय कान्त खरे
सहायक लेखाधिकारी (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
62, गांधी नगर, कैसरबाग चौराहा, लखनऊ–226001
फोन: 09794009350
DOB:08/03/1948 MD:27/01/1974

सदस्यता क्र.– आई–12/818 (विशिष्ट सदस्य)
ईश्वर कुमार अरोरा
व्यापारी
बी–98, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन : 0120–4221421/09810071251
ई.मेल: ishwar_peanuts@yahoo.com
DOB:20/03/1956 MD:12/02/1981

सदस्यता क्र.– ए–86/819 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती अनिता अरोरा
व्यापारी
बी–98, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन : 0120–4221421/09810071251
ई.मेल: ishwar_peanuts@yahoo.com
DOB:02/07/1959 MD:12/02/1981

सदस्यता क्र.– पी–48/822
प्रमोद कुमार थापर
महाप्रबंधक (से.नि.), इन्द्रप्रस्थ जेनरेशन कम्पनी, नई दिल्ली
जी.सी.–11, प्रथम तल, शिवाजी एन्क्लेव, नई दिल्ली–110027
फोन: 011–25459388/09999212285
ई.मेल: pramodpkthapar@yahoo.co.in
DOB:14/03/1948 MD:30/11/1976

सदस्यता क्र.– आर–102/823
श्रीमती रजनी थापर, गृहणी
जी.सी.–11, प्रथम तल, शिवाजी एन्क्लेव, नई दिल्ली–110027
फोन: 011–25459388/09999212285
ई.मेल: pramodpkthapar@yahoo.co.in
DOB:11/07/1953 MD:30/11/1976

सदस्यता क्र.– पी–49/824 (विशिष्ट सदस्य)
परमिन्दर सूरी
निजी व्यवसाय
ब्लॉक–22, प्लॉट–20ए, तिलक नगर, नई दिल्ली–110018
फोन : 09818307017
ई.मेल: sstcipl@gmail.com
DOB: 10/07/1962 MD:26/10/1982

सदस्यता क्र.– आर–103/825 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती रेखा सूरी
गृहणी
ब्लॉक–22, प्लॉट–20ए, तिलक नगर, नई दिल्ली–110018
फोन : 09818307017
ई.मेल: sstcipl@gmail.com
DOB:17/07/1962 MD:26/10/1982

सदस्यता क्र.– एस–178/826 (वॉलन्टियर सदस्य)
सौरभ सूरी
निजी व्यवसाय
ब्लॉक–22, प्लॉट–20ए, तिलक नगर,
नई दिल्ली–110018
फोन : 09818373710
ई.मेल: sstcipl@gmail.com
DOB: 12/09/1985

सदस्यता क्र.– ए–87/827
अनिल कुमार सक्सेना
विधि अधिकारी (से. नि.), न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी
सी–55, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन: 0120–2456799 / 09818695131
ई.मेल: anilsaxena5555@gmail.com
DOB:11/05/1955 MD:09/03/1984

सदस्यता क्र.– एन–43/828
श्रीमती निमिता सक्सेना
गृहणी
सी–55, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन: 0120–2456799 / 09818695131
ई.मेल: anilsaxena5555@gmail.com
DOB:12/09/1957 MD:09/03/1984

सदस्यता क्र.– एम–48/829
महेन्द्र कुमार डुबलिश
चार्टर्ड एकाउंटेंट
डी–88, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन: 0120–4318298 / 09810232402
ई.मेल: dublishmk@gmail.com
DOB:06/01/1961 MD:03/02/1985

सदस्यता क्र.– आर–104/830
श्रीमती ऋतु डुबलिश
गृहणी
डी–88, सेक्टर 30, नोएडा–201303
फोन: 0120 4318298 / 09810232402
ई.मेल: dublishmk@gmail.com
DOB:14/09/1961 MD:03/02/1985

सदस्यता क्र.– एस–176/820 (विशिष्ट सदस्य)
सुनील कुमार डांग
निजी व्यवसाय
ई–8, गैलेक्सी अपार्टमेन्ट्स, विकास पुरी, नई दिल्ली 110018
फोन : 09800401321 / 00971527381111
ई.मेल: skdang@eim.ae
DOB:13/06/1955 MD:06/03/1989

सदस्यता क्र.– एस–177/821 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती सुमन डांग
गृहणी
डी–8, गैलेक्सी अपार्टमेन्ट्स, विकास पुरी, नई दिल्ली–110018
फोन : 09800401321 / 00971527381111
ई.मेल: skdang@eim.ae
DOB:11/05/1960 MD:06/03/1989

DOB Stands for **Date of Birth** **MD** Stands For **Marriage Date**

जगत बिहारी अग्रवाल
महासचिव (प्रशासन)

अपील

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति के सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि अगर उनकी सन्तानें, उनके साथ नहीं रह पा रही हैं और वे अकेले ही लखनऊ में रह रहे हैं तो कृपया अपना पता व फोन नम्बर हमें प्रेषित करें ताकि हमारी कम्पेनियनशिप प्रकोष्ठ के सदस्य उनसे निरन्तर सम्पर्क में रहकर यथाशक्ति यथासम्भव उन्हें सहयोग कर सकें।

– भावना परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

आर्थिक सहयोग दाताओं की सूची (9 दिसम्बर, 2016 से 5 मार्च, 2017 तक)

क्र0 सं0	दाता का नाम	सदस्यता संख्या	प्राप्त सहयोग रुपयों में					
			शिक्षा सहायता	निर्धन जन सेवा	भावना रसोई एवं प्रसादम सेवा हेतु	साक्षरता अभियान सहायता	अन्य कार्यक्रम	योग
1	श्री युगल किशोर गुप्ता	Y-7/603/Vishist		2500.00				2500.00
2	श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह	D-15/235			300.00			300.00
3	श्रीमती नीलम चुघ	N-26/429			300.00			300.00
4	श्रीमती सतीश रानी सेठ	गैर सदस्य			300.00			300.00
5	श्रीमती मधु लता	गैर सदस्य			3500.00			3500.00
6	श्रीमती दुर्गेश तिवारी	गैर सदस्य			300.00			300.00
7	श्री नरेश नर्नोत्र	N-39/734			300.00			300.00
8	श्रीमती अंजु गुप्ता	गैर सदस्य			300.00			300.00
9	श्री राम मूर्ति सिंह	R-82/653/ Vishist			300.00			300.00
10	श्री दिलीप कुमार वर्न	गैर सदस्य			500.00			500.00
11	श्रीमती आशा गोयल	A-10/119/Vishist			300.00			300.00
12	श्री एस.एस.अग्रवाल	S-87/436	3600.00					3600.00
13	श्री अशोक कुमार अरोरा	A-54/584/Vishist		2500.00				2500.00
14	कु. शिवानी सिंह 2	गैर सदस्य				850.00		850.00
15	कु. अनुष्का श्रीवास्तव	गैर सदस्य				552.00		552.00
16	कु. वेनूते अवस्थी	गैर सदस्य				220.00		220.00
17	कु पूजा वर्मा	गैर सदस्य				220.00		220.00
18	श्री आदित्य शर्मा	गैर सदस्य				180.00		180.00
19	कु. अशान्विका कटियार	गैर सदस्य				170.00		170.00
20	कु.आरती श्रीवास्तव एवं कु. मानसी शुक्ला	गैर सदस्य				158.00		158.00
21	कु. ज्योति पाण्डेय	गैर सदस्य				140.00		140.00
22	श्री अभिनव श्रीवास्तव	गैर सदस्य				110.00		110.00
23	कु. शिवानी सिंह–1	गैर सदस्य				100.00		100.00
24	श्री कैफ अली खान	गैर सदस्य				80.00		80.00
25	श्री आशीष कुमार मौर्या	गैर सदस्य				55.00		55.00
26	श्री आदित्य पाण्डेय	गैर सदस्य				10.00		10.00
27	श्री रमेश प्रसाद जायसवाल	R-79/633/Vishist		2500.00				2500.00
28	श्री एस.के. शर्मा	S-140/625		500.00				500.00
29	श्री विजय प्रताप	गैर सदस्य		500.00				500.00
30	श्री सुशील कुमार	गैर सदस्य		500.00				500.00

31	श्री ए.एस.कुमार	गैर सदस्य		500.00			
32	श्री डी.सी.वार्ष्णेय	गैर सदस्य		500.00			500.00
33	श्री अशोक कुमार	गैर सदस्य		500.00			500.00
34	श्रीमती उमा शशि मिश्रा	U-10/475/Vishist		2500.00			2500.00
35	श्री पी.के.चौरसिया	P-36/609/Vishist	1250.00	1250.00			2500.00
36	श्री प्रेम प्रकाश उरोरा	P-3/26		25000.00			25000.00
37	श्रीमती उषा देवी	गैर सदस्य			1000.00		1000.00
38	श्री राम मूर्ति सिंह	R-82/653/Vishist			600.00		600.00
39	श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह	D-15/235			600.00		600.00
40	श्रीमती नीलम बुध	N-26/429			600.00		600.00
41	श्री दिलीप कुमार वर्मा	गैर सदस्य			500.00		500.00
42	श्रीमती मधु लता	गैर सदस्य			500.00		500.00
43	श्री दिनेश तिवारी	गैर सदस्य			600.00		600.00
44	श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला	D-24/563/Vishist			1100.00		1100.00
45	श्री इन्द्र कुमार भारद्वाज	I-10/631/Vishist			1000.00		1000.00
46	डॉ. छेदा लाल वर्मा	C-10/624	1200.00				1200.00
47	निरस्त						0.00
48	श्री जगत बिहारी अग्रवाल	J-10/204/Vishist		2500.00			2500.00
49	श्री दिनेश कुमार	D-21/439/Vishist		1100.00			1100.00
50	निरस्त						0.00
51	विनोद चन्द्र गर्ग	V-38/485/Vishist		2000.00			2000.00
52	श्रीमती मीना कुमारी रस्तोगी	M-16/304/Vishist		8800.00			8800.00
53	श्री शिव नारायण अग्रवाल	S-117/544/Vishist		2500.00			2500.00
54	श्री हरीश चन्द्र शुक्ला	H-13/629/Vishist		2500.00			2500.00
55	श्री विनोद कुमार शुक्ला	V-1/1/Vishist			1000.00		1000.00
56	श्री शिव मंगल सिंह चौहान	गैर सदस्य			11000.00		11000.00
57	श्री धीरज सिंह	गैर सदस्य			6000.00		6000.00
58	श्री प्रमोद कुमार वर्मा	गैर सदस्य				650.00	650.00
59	श्री दिलीप कुमार विरानी	D-20/438				221.00	221.00
60	श्री अरूप कुमार	A-17/213/Vishist	1200.00				1200.00
61	श्री अरूप कुमार	A-17/213/Vishist		2500.00			2500.00
62	श्री रमेश प्रसाद लायसवाल	R-79/633/Vishist			10000.00		10000.00
	योग		7250.00	61150.00	40900.00	3717.00	0.00	113017.00

भावना का नववर्ष मिलन समारोह

-सुशील कुमार शर्मा
सम्पादक

नववर्ष 2017 गत् वर्षों की भांति खूब उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम इसका प्रारम्भ उन्नाव में निर्धन जन सेवा के अन्तर्गत अतिनिर्धन व्यक्तियों को कम्बल बांट कर किया गया ताकि कड़ी शीत ऋतु में इन गरीबों को राहत मिल सके। यह कार्यक्रम प्रथम चरण में उन्नाव में दिनांक 1 जनवरी, 2017 को सम्पन्न हुआ जिसमें भावना के कई माननीय सदस्यों ने बढ़-चढकर भाग लिया। सदस्यों का यह प्रयास, अत्यन्त सराहनीय रहा जिसमें हमारे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वी.के. शुक्ला जी तथा श्री देवेन्द्र स्वरूप शक्ला जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके उपरान्त हमारे माननीय सदस्य श्री मनोज कुमार गोयल जी के सौजन्य से नये वर्ष में एक मिलन समारोह 12 जनवरी 2017 को उनके कुर्सी रोड पर स्थित फार्म हाउस में मनाया गया। यह मिलन एक उत्सव के रूप में मनाया गया जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का अच्छे ढंग से आयोजन किया गया। दिनांक 12 जनवरी को जिस रूप में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ उसका विवरण नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है।

सर्वप्रथम माननीय सदस्यों ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इस दिन स्नैक्स भी थे तथा कुछ फल भी माननीय सदस्यों को सर्व किये गये। तदोपरान्त स्वल्पाहार के बाद लगभग 11.30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। सभी आगन्तुक सर्दी में धूप का आनन्द भी ले रहे थे तथा गीत संगीत भी साथ-साथ चल रहा था।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ भावना-संकल्प गीत के साथ हुआ। यह गीत इं. देवकीनन्दन शांत के नेतृत्व में इं. उदयभान पाण्डेय, इं. ए.के. मेहरोत्रा तथा इं. सुशील कुमार शर्मा के सहगान के साथ प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री छवि ज्योति प्रकाश ने ढोलक पर संगत की। संकल्प गीत के पश्चात इं. उदयभान पाण्डेय द्वारा गणेश वन्दना प्रस्तुत की गई जिसका स्तर उत्कृष्ट था तथा श्रोतागण ने तालियां बजाकर इनकी प्रशंसा की। इसके पश्चात श्री सुशील कुमार शर्मा को आमंत्रित किया गया। श्री शर्मा ने सर्वप्रथम गत् वर्ष 2016 में जो भावना के सदस्य हमको छोड़कर चले गये उनको अपनी ओर से तथा भावना की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण योगदान का संदर्भ देने के बाद हमारे सर्वसम्मानित ग्रंथ गीत से चार पंक्तियां भजन के रूप में प्रस्तुत की जिसके बोल थे **'जब उसकी दया है अपार जीवन में डरना है बेकार'** इस गीत में बुजुर्गों के लिये उत्साह एवं सांत्वना दोनों का समावेश था। गीत की सराहना श्रोतागण द्वारा की गई। इसके पश्चात इं. ए.के. मल्होत्रा जी द्वारा नववर्ष पर विशेष तौर पर तैयार किया गया गीत तथा एक गजल **'तुम्हारी नजर का इशारा हुआ है, नुमाया यहां हर नजारा हुआ है'** प्रस्तुत की। श्री मेहरोत्रा ने एक प्रोफेशनल आर्टिस्ट की भांति गीत में जो कठिन शब्द थे उनकी व्याख्या भी साथ-साथ की जिसके फलस्वरूप श्रोतागण को यह गीत/गजल बहुत पसन्द आया। चूंकि एक तरफ उनकी मधुर आवाज का जादू, और दूसरी ओर नया गीत दोनों का आनन्द। इसी श्रृंखला में इं. देवकी नन्दन शांत जो कि साहित्य रत्न का पारितोषिक पा चुके हैं उनके द्वारा एक नया गीत **एक प्यारा सा गांव जिसमें पीपल की छांव** प्रस्तुत किया। यह भावना के लिये बड़े गर्व की बात है कि श्री शांत जी एक उत्कृष्ट कलाकार होने के साथ-साथ एक उच्च स्तर के उद्घोषक एवं कार्यक्रम संयोजक भी हैं। सभी कार्यक्रमों में उनका महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त होता रहता है। उनकी उपर्युक्त प्रस्तुति उत्कृष्ट स्तर की होने के कारण बहुत सराहनीय रही।

उपरोक्त के क्रम में इं. श्री सुशील शंकर सक्सेना जी, जो कि भावना के उपाध्यक्ष भी हैं, द्वारा नये वर्ष का अभिनन्दन निम्न पंक्तियों के साथ किया गया।

वर्ष 2016 जैसा बीता अच्छा बीता
नियति मान स्वीकार किया
प्रभु ने दिया जो कुछ हमको
हमने सहर्ष स्वीकार किया

प्रभु को करते धन्यवाद हम
प्रभु का शत्-शत् बार नमन्
नववर्ष का करते स्वागत
नववर्ष का अभिनन्दन!

इस प्रकार से नववर्ष का अभिनन्दन करते हुए उन्होंने एक रचना प्रस्तुत की जिसके बोल कुछ इस प्रकार थे :-

मन में एक अभिलाषा लिये, तेरे चरण पड़ा रघुबीर
नववर्ष मंगलमय हो सभी को, विनति सुन ले बलबीर, तेरे चरण पड़ा रघुबीर

श्री सक्सेना जी ने इस कविता के माध्यम से समस्त भावना परिवार को शुभ कामनायें प्रस्तुत कर दी। वास्तव में देखा जाये तो प्रस्तुतीकरण नववर्ष के परिप्रेक्ष्य में सर्वाधिक उपयुक्त था। श्री सक्सेना जी की प्रस्तुति उत्कृष्ट थी जो भावना में उनके पद की गरिमा के भी अनुरूप थी। उक्त के क्रम में श्री अभय सरन कपूर जी द्वारा अपने वक्तव्य में यह विचार व्यक्त किया कि नववर्ष के कार्यक्रम में हास्य रस की कमी दिखाई दे रही है। इस पर प्रेरणा पाकर श्री एस.के. शर्मा ने निर्वाचन की कैन्डिडेचर पर एक चुटकला सुनाया तथा फिर इसी क्रम में इं. श्री अमरनाथ जी के द्वारा एक नववर्ष की स्वयं रचित कविता प्रस्तुत की जिसकी पृष्ठभूमि यह थी कि अधिकांश वृद्धावस्था में पति-पत्नी ही एक साथ रहते हैं चूंकि बच्चे प्रायः बाहर रहते हैं। अतः अपनी पत्नी को खुश रखे। कविता के बोल कुछ इस प्रकार थे -

'ऐसा साल आए इस बार, बीवी से हो नहीं तकरार, बीवी रहे मुस्काती रोज, प्यार से टांग दबाती रोज। अतः अपनी पत्नी को खुश रखें। इस गीत में व्यंग्य भी था, हास्य रस भी था तथा संदेश भी था। अतः गीत की श्रोतागण द्वारा बहुत सराहना की गयी। श्री जी.पी. श्रीवास्तव जी ने एक भोजपुरी गीत **'टिकुली हिराय गइल दैया रे'** बहुत अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया गया जिसने श्रोताओं को मोह लिया।

डॉ. हरबंश सिंह जी द्वारा एक अध्यात्मिक गीत तथा श्रीमती शीला जायसवाल द्वारा एक भजन पार्वती शंकर जी का प्रस्तुत किया गया। दोनों ही प्रस्तुतियां उत्कृष्ट थी। श्रीमती जायसवाल ने ढोलक पर संगत भी स्वयं की जो एक उच्च कोटि के कलाकार होने का प्रतीक हैं।

अन्य कार्यक्रम :- इस शुभ अवसर पर श्री ए.के. गुप्ता, आर.के. फाउण्डेशन एवं संस्थापक **आम्रपाली रिसार्ट**, भी उपस्थित थे। उन्होंने निम्न शब्दों के साथ अपना सम्बोधन प्रारम्भ किया।

यारों उठो चलो भागो दौड़ो, मरने से पहिले जीना न छोड़ो आप

तो क्या हुआ अगर आज आप वृद्ध हैं, मेरा यकीन है कि अभी भी आप में बहुत ताकत है। आप यूं ही अपना साहस बनाये रखिये चूंकि मेरा आपसे वादा है कि मैं आपकी हर चाहत को पूरा करके दिखाऊँगा।

इस प्रकार श्री गुप्ता जी ने एक जोरदार वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए यह कहा कि विचारों से ही क्रांति आती है। इस सम्बन्ध में उन्होंने वैज्ञानिक थॉमसन एडिशन द्वारा किये गये इलेक्ट्रिक बल्ब के आविष्कार का संदर्भ देते हुए यह कहा कि यह वैज्ञानिक कई बार असफल रहे परन्तु उन्होंने धैर्य बनाये रखा जिसके फलस्वरूप अन्त में उनको सफलता मिल गई।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने माता पिता की ओर समर्पित होना चाहिये। उनकी बुढ़ापे में सेवा करनी चाहिये परन्तु व्यावहारिकता में इसमें अब कभी आ गई है जिसके कारण वृद्ध व्यक्ति अपने आपको, असाह्य मानने लगे हैं। उन्होंने वृद्धों को सुविधायें प्रदान करने के लिये अपनी ओर से पहल करने की ओर इशारा किया। इस सम्बन्ध में उन्हांने बताया कि उनकी वार्ता भावना में अध्यक्ष महोदय से चल रही है तथा कुछ ठोस कार्यवाही किये जाने की आशा बढ़ रही है।

उपर्युक्त संदर्भ में श्री वी.के. शुक्ला साहब (अध्यक्ष महोदय) द्वारा अवगत कराया गया कि श्री गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रोजेक्ट को परीक्षण एवं विश्लेषण करने के लिये भावना के माननीय सदस्यों की एक टोली तैयार की जा रही है जो स्थल का निरीक्षण करेगी तथा सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

उपरोक्त कार्यक्रम की समाप्ति उपरान्त अध्यक्ष महोदय ने एक क्विज टेस्ट तैयार करके प्रस्तुत किया। इसमें अधिकांश प्रश्न ऐसे थे जो सभी वरिष्ठ नागरिकों के समय में घटित घटनाओं अथवा उस समय की गई कार्यवाही/उपलब्धियों के बारे में थे। परन्तु प्रश्न इतने Typical थे कि अधिकांश सदस्य न्यूनतम ज्ञान की सीमा तक ही नहीं पहुंच पाये। यह अध्यक्ष महोदय की योग्यता का द्योतक था। अन्तिम रूप देने पर निम्नलिखित सदस्य विजयी रहे एवं उनको पुरस्कार भी दिया गया।

प्रथम स्थान : श्री सुशील कुमार, आई.ए.एस., द्वितीय स्थान : श्री अरुण सक्सेना

अंत में सदस्यों के अनुरोध पर हाउजी का कार्यक्रम चला जिसका संचालन डॉ. नरेन्द्र देव श्री पीयूष गोयल एवं श्रीमती एम.के. गोयल द्वारा सफलतापूर्वक किया गया तथा सभी एकत्रित धनराशि बांट दी गयी। सभी आगन्तुकों को धन्यवाद देते हुए प्रीतिभोज पर आमंत्रण देते हुए समाप्त हुआ।

जलतत्व बिना जीवन नहीं

रस व जल तत्व अपने शुद्ध स्वरूप में एक ही है, किन्तु अन्य भौतिक पदार्थों के संयोग से वह कसैला, मीठा, तीखा, कड़ुवा, खट्टा, नमकीन तथा गंदला आदि हो जाता है। जल, प्राण-रक्षा के लिए प्रसिद्ध पंच तत्वों में चौथा तत्व है। यह जीवन के लिए उतना ही आवश्यक है जितना श्वास लेने के लिये वायु। हमारे शरीर के वजन के 100 भागों में 70 भाग केवल जल है, अर्थात् हमारी आंखों में 98.7% फेफड़ों में 79%, हृदय में 79.5%, रक्त में 80% हड्डियों में 25% और मस्तिष्क में 90% जल होता है।

हमारा जीवन मूलतः शरीर की तीन अत्यन्त आवश्यक क्रियाओं-पाचन, समीकरण और विसर्जन पर निर्भर है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह आवश्यक है कि ये तीनों क्रियाऐं शरीर में सदैव सुचारू रूप से होती रहे। साथ ही साथ इन तीन क्रियाओं में परस्पर सामंजस्य भी हो। क्योंकि इन तीनों में से किसी एक में त्रुटि हो जाने से स्वास्थ्य ठीक रह ही नहीं सकता। शरीर की ये अत्यावश्यक क्रियायें जल के बिना किसी भी हालत से सम्भव नहीं है।

एक वैज्ञानिक के कथानुसार शरीर जहर बनाने का कारखाना है। ऐसी दशा में त्वचा, फेफड़े, आंतें और गुर्दे अपना-अपना काम बंद कर दें तो जीवन रक्षा एक क्षण के लिए भी असम्भव हो जाए। उदाहरणार्थ, मनुष्य के पसीने में, अनेक अन्य विषों के अतिरिक्त एक प्रतिशत का आधा केवल 'यूरिया' जहर होता है। इसी प्रकार मूत्र में लगभग 2% 'यूरिया' और बहुत से अन्य प्रकार के विषों का समावेश रहता है। त्वचा के छिद्र और मूत्रेन्द्रिय इन विषों को निकाल फेंकने में तनिक भी ढिलाई कर दे तो जीवन तुरन्त संकट में पड़ जाऐ और परिणामस्वरूप कुछ ही मिनटों में मनुष्य की मृत्यु भी अवश्य हो जाये। यह निश्चित है।

जल शरीर के भीतर उपस्थित दूषित द्रव्यों को घुलाकर ढीला करता है और तब उन्हें ने साथ लेकर शरीर के उत्सर्ग मार्गों द्वारा बाहर निकाल देता है। जल शरीर में प्रवेश करता है-शुद्ध और स्वच्छ, परन्तु उसमें से निकलता है वह अशुद्ध और अस्वच्छ होकर। जल केवल भोजन को शरीर के भीतर ले जाने तथा शरीर स्थित मल को बाहर ले आने का ही काम नहीं करता, अपितु वह स्वयं भी प्रबल और अत्यावश्यक जीवन तत्व है, जिसके बिना शरीर टिक नहीं सकता। शरीर में जल की स्थिति शरीर को अधिक गर्म होने से भी बचाती है।

प्रयोगों के अनुसार प्रत्येक मनुष्य की त्वचा द्वारा पसीने के रूप में फेफड़ों के श्वास-प्रश्वास द्वारा वाष्प बनकर मूत्राशय के रूप में तथा मलाशय द्वारा मल के साथ कुल मिलाकर लगभग तीन किलों जल शरीर से प्रतिदिन निकलता

है। अतः यह आवश्यक है कि जिस परिणाम में पानी नष्ट होता है, उसी परिमाण पानी ग्रहण भी करना चाहिए। उचित रीति से और यथेष्ट मात्रा में जल पीने से जीवनधारा (रक्त प्रवाह) विशुद्ध होकर, अबाध गति से अपना कार्य करने लगती है, जो एक स्वस्थशरीर के लिए नितान्त आवश्यक है।

बीमारियों में 'पानी न पीने का परहेज' कभी नहीं बताया जाता है। यह रोगों को रोकने में सहायक है। पीने का पानी रखने का स्थान स्वच्छ और सूखा रहना चाहिए। सीलन के कारण संक्रामक कीड़े पैदा होने से पीलिया जैसे अन्य रोग हो सकते हैं। मिट्टी के घड़ों को अदल-बदल कर प्रयोग करते रहें। बदले हुए घड़े को कड़ी धूप दिखाएं।

(1) मूत्र सम्बन्धी संक्रामक रोग में अधिक पानी दवा के समान है।

(2) उपवास में अधिक पानी पीना शरीर की भीतरी सतहों पर जमे विषत को निकालता है।

(3) क्रोध, शोक, बुखार, कब्ज, पीलिया, पथरी (किडनी), मोटापा, रक्तचाप, त्वचा को आकर्षक बनाने, लू लगने पर अधिक से अधिक पानी पीना आवश्यक है।

(4) रात्रि विश्राम से पूर्व पानी पीने से नींद अच्छी आती है।

(5) कब्ज रोगों की जननी है। देर से शैच आने या कई बार शौच आने का तात्पर्य यह नहीं है कि कब्ज नहीं है। बड़ी आंत में मल का कब्जा वर्षों का होता है। कब्ज से बचने या दूर करने की पानी की निम्न क्रियाएं अत्यन्त प्रभावी हैं-

(अ) भोजन से आधे घंटे पूर्व गरम पानी पीना 'कब्ज' को दूर करता है।

(क) दिन में 45 बार एक प्याला तेज गरम पानी चाय की तरह पियें।

(स) सूर्योदय से पूर्व उठने के बाद जमीन पर उकुडू बैठकर एक लीटर कुनकुना पानी घूंट-घूंट कर पियें, टहलें। ढोड़ी के मध्य बिन्दुको ऊंगली से दबाएं, फिर शौच जाएं।

(6) भोजन के साथ या पूर्व में या तुरन्त बाद पा नहीं पीना है। कब, कितना और कैसे पियें,

(अ) प्यास लगने पर भोजन से आधा घंटा पहले पानी पियें।

(ब) भोजन ग्रास तोड़ने से पूर्व अत्यधिक प्यास लगने पर स्वयं के तीन आचमन जल पियें।

(स) आहार के एक दम रूखा-सूखा होने पर, भोजन करने के मध्य दो या त घूंट पानी पियें।

(द) भोजन के एक घंटे बाद एक गिलास जल अवश्य पियें।

(य) दिन भर में संतुलित मात्रा में पानी ग्रीष्मकाल में 4 लीटर तथा शीतऋतु में 2 लीटर तक अवश्य पियें। पानी स्वच्छ, निर्मल और ताजा हो। प्रतिकूलता में उबालकर ठंडा कर पियें। फ्रिज अथवा बर्फ का ठंडा पानी न पियें।

(र) पानी कभी भी जल्दबाजी में खड़े होकर न पियें। घूंट-घूंट कर पियें। बात करते, वाहन चलाते हुए एवं लेटकर पानी न पियें।

(ल) गरम पेय दूध, काफी, चाय आदि के तुरन्त बाद या पहले पानी न पियें।

(व) ककड़ी,, खीरा, भुनी मकई, तरबूज, मेवा, मक्खन, तले पदार्थ, मूंगफली, भुने चने आदि खाकर आधा घंटे तक पानी न पियें।

उपरोक्त क्रम (6) अन्तर्गत निर्देशों का पालन न करने पर निम्न रोगों की सम्भावनाएं बनती हैं :

घबराहट, चक्कर, सिर में भारीपन या दर्द, पित्तवमन, खट्टी डकार, एसिडिटी, मुंह से बदबू, अल्सर, मुंह में छाले, पायरिया, दांत दर्द, श्वास रोग, अस्थमा, दृष्टि कमजोर, हिस्टीरिया, दिमाग की टी.वी. गंजापन, युवावस्था में सफेद बाल, डेन्ड्रफ, कब्ज, दस्त, खूनी बवासीन, बड़ी आंत का कैंसर, जोड़ों में दर्द, पथरी, लिकोरिया, अनियमित मासिक धर्म, कमर दर्द, स्वप्न दोष, आलस्य आदि।

डॉ. नरेन्द्र देव
सचिव-वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ,
भावना, लखनऊ

मनुष्य की पवित्र आत्मा अपनी नौकरी या व्यवसाय द्वारा प्रभु के गुण रूपी प्रकाश को प्रतिबिम्बित करती है!

-डा. जगदीश गाँधी
शिक्षाविद् एवं संस्थापक-प्रबन्धक,
सिटी मोन्टसरी स्कूल, लखनऊ

(1) शरीर को प्रकृति से पोषण मिलता है तथा जीवनीय शक्ति आत्मा से मिलती है:- पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश, और वायु इन पंचतत्वों से इस शरीर की रचना हुई है। शरीर को रोजाना पौष्टिक भोजन देकर तथा पंचतत्वों में संतुलन रखकर हम उसे लम्बी आयु तक हष्ट-पुष्ट तथा निरोग रखते है। लेकिन हम आत्मा को हर पल भोजन न देने की सबसे बड़ी भूल कर बैठते है। इस कारण से आत्मा कमजोर तथा मलिन हो जाती है। हमें यह ज्ञान होना चाहिए कि आत्मा का भोजन क्या है? आत्मा का भोजन लोक कल्याण की पवित्र भावना से अपनी नौकरी या व्यवसाय द्वारा हर पल अपनी आत्मा का विकास करके शरीर को जीवनीय शक्ति देना है। इस प्रयास से आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप शुद्ध, दयालु तथा ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित बनी रहती है। ऐसी पूर्णतया गुणात्मक आत्मा शरीर की मृत्यु के पश्चात् प्रभु मिलन की अपनी अंतिम मंजिल को प्राप्त करती है। मनुष्य द्वारा अपवित्र कार्यों द्वारा मलिन की हुई गुणविहीन कमजोर आत्मा प्रभु मिलन की अपनी अंतिम मंजिल को प्राप्त न करने के कारण युगों-युगों तक विलाप करती है।

(2) इस सृष्टि रूपी बगीचे का माली सदैव से एक है :- परमपिता परमात्मा इस सृष्टि का रचनाकार है वह अपनी प्रत्येक रचना से प्रेम करता है। परमात्मा का धर्म (कर्तव्य) लोक कल्याण है। परमात्मा के आज्ञाकारी पुत्र होने के नाते हमारा धर्म (कर्तव्य) भी लोक कल्याण ही है। प्रभु की लोक कल्याण की इच्छा तथा आज्ञा को जो व्यक्ति जान लेता है फिर उसे धरती तथा आकाश की कोई शक्ति प्रभु का कार्य करने से रोक नही सकती। सृष्टि का निर्माता या रचनाकार एक है, लेकिन सृष्टि में विभिन्न्ता और विविधता है। इस अद्भुत सृष्टि रूपी बगीचे का माली सदैव से एक ही है। सृष्टि का गतिचक्र एक सुनियोजित विधि व्यवस्था के आधार पर चल रहा है। ब्रह्माण्ड में अवस्थित विभिन्न नीहारिकाएं ग्रह-नक्षत्रादि परस्पर सहकार-संतुलन के सहारे निरन्तर परिभ्रमण विचरण करते रहते हैं। इस पृथ्वी रूपी बगीचे में विभिन्न जाति के तथा रंग-बिरंगे फूल खिले हुए हैं। हमें निष्पक्ष भाव से कलाकार(स्रष्टा) और उसकी कला (सृष्टि) में दोनों का महत्व तथा आदर देना चाहिए। यदि सृष्टि न हो तो हमारे मस्तिष्क में इस विचार का कैसे जन्म हो कि इसका कोई निर्माता भी है? यदि यह अद्भुत शरीर न हो तो आत्मा के अस्तित्व का कैसे आभास हो? सुमधुर संगीत आत्मा का भोजन है। सितार के बिना संगीत कैसे अभिव्यक्त हो सकता है? वृक्ष से शरीर को जीवन दायिनी आक्सीजन मिलती है। बीज से ही वृक्ष का जन्म होता है। बीज न हो तो वृक्ष का प्रस्फुटन क्या सम्भव हो सकता है?

(3) आत्मा का कन्वेशन परमात्मा से जुड़ा है:- जब तक परम प्रभु मनुष्य के हृदय में रहता है केवल तब तक उसकी आत्मा सुरक्षित है। जैसे ही मनुष्य अपने हृदय से परमात्मा के प्रेम को निकाल देता है और केवल भौतिक संसार से प्रेम करने लगता है वैसे ही उसकी आत्मा में धीरे-धीरे मैल जमनी शुरू हो जाती है। शरीर से सतत् कार्य-कलाप होते है और आत्मा नित्य अक्रिया में रहती है। जैसे विद्युत निष्क्रियता में है और यन्त्र क्रियाशीलता में है। आत्मा का कनेक्शन परमात्मा से जुड़ा है और शरीर का बाहरी कनेक्शन भौतिक संसार से जुड़ा हैं। शरीर का अन्तः कनेक्शन आत्मा से जुड़ा है शरीर के बाहरी कनेक्शन प्रकृति से जुड़े हुए हैं। शरीर को जीवनीय शक्ति आत्मा से मिलती है और पोषण प्रकृति से उपलब्ध होता है। मृत्यु की घटना के समय शरीर का अन्तः कनेक्शन आत्मा से टूट जाने के कारण जीवनीय शक्ति के शरीर में प्रवेश करने का द्वार बन्द हो जाता है, फिर शरीर प्रकृति से किसी

भी प्रकार का पोषण लेने में असमर्थ हो जाता है। इस कारण से देह का अन्त हो जाता है तथा विकसित आत्मा इस मृत शरीर से निकलकर दिव्य लोक में विलीन हो जाती है।

(4) परमात्मा से आत्मा कभी अलग नहीं हो सकतीः- जीवन में आत्मा और शरीर दोनों का महत्व तथा उपयोगिता है। आत्मा तना तथा शरीर फूल है। यह प्रकृति भी परमात्मा का एक विराट यन्त्र है। जैसे हमारा परमात्मा अपरिवर्तनीय है, वैसे ही हमारी आत्मा भी अपरिवर्तनीय है। सारी मानव जाति का परमात्मा आत्म-तत्व है इसीलिए हमारी आत्मा भी आत्म तत्व है। आत्म तत्व परमात्मा और आत्म-तत्व आत्मा का नित्य सबन्ध तथा योग है। हमारे परमात्मा से हमारी आत्मा कभी अलग नहीं हो सकती, वास्तविकता तो यह है कि यह शरीर जिस परमात्मा की रचना है, उस परमात्मा ने ऐसी समुचित व्यवस्था की हुई है कि इस मानव शरीर की सर्वोच्च मूल आवश्यकताएँ प्रकृति के द्वार पूरी होती रहें। प्रकृति ईश्वर की विराट रचना है, इसलिए हमें प्रकृति के संपर्क में रहना होगा तथा उसकी रक्षा करनी होगी।

(5) आत्म ऊर्जा का विशेष महत्व हैंः- शरीर कर्म का प्रतीक हैं। यह शरीर रूपी यन्त्र केवल क्रिया ही कर सकता है। जीवन में कर्म का महत्व तो है ही, लेकिन विशेष महत्व तो उस आत्म-ऊर्जा (आत्मा) का है जिसके माध्यम से शरीर द्वारा कर्म सम्पादित होते हैं। हम से भूल या असावधानी यह होती है कि हम सब शरीर के कार्यों को इतना महत्व देते हैं कि जिस आत्म-ऊर्जा (आत्मा) के द्वारा शरीर से कार्य हो रहा है, हम उसी को भूल जाते है। जीवन में यन्त्रों से हमारा लगाव हो जाता है। यंत्रों से असक्ति हो जाने के कारण जब वह टूटते और छूटते हैं तो बहुत पीड़ा होती है। हम यह भूल ही जाते हैं कि यन्त्र तो प्राकृतिक पदार्थ है। यंत्र का स्वभाव टूटना और छूटना ही है। शरीर का जीवन क्षणिक है जबकि आत्मा का जीवन अनन्त काल का है! ईश्वर आत्म तत्व है वह इन भौतिक आंखों से कभी दिखाई नहीं देता परन्तु लोक कल्याण की भावना से किये जाने वाले कार्यों में आध्यात्मिक संतुष्टि के रूप में उसे पाया जा सकता है।

(6) हमारा शरीर विनाशी तथा आत्मा अविनाशी हैः- यह शरीर भी तो संसार तथा प्रकृति से बना एक यन्त्र है। शरीर से भी जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त परिवर्तन का प्रवाह चलता ही रहता है। इस प्रवाह में शरीर यन्त्र का बहुत कुछ टूटता और छूटता रहता है। बचपन-यौवन सभी अवस्थायें आती हैं तथा छूटती चली जाती है और अन्त में शरीर की वृद्धावस्था आ जाती है और एक दिन यह शरीर का यंत्र सदैव के लिए छूट जाता है। इसी को शरीर की मृत्यु कहते हैं। यन्त्र के टूट जाने तथा छूट जाने पर विद्युत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। यन्त्र तो विनाशी तत्व है और विद्युत है अविनाशी तत्व। शरीर विनाशी है और आत्मा अजर अमर व अविनाशी है। शरीर तथा आत्मा दोनों का अपनी-अपनी जगह महत्व तथा उपयोग है। जो व्यक्ति केवल शरीर के महत्व को ही जीवन में प्रधानता देता है, उसके जीवन में आत्मा का विस्मरण और आत्मा की उपेक्षा हो जाती है। मानव जीवन की इस सबसे बड़ी भूल के कारण जीवन हर पल अशान्ति और द्वन्द्व से घिरा रहता है। जीवन में शरीर-रूपी यन्त्र का सदुपयोग जरूर हो, लेकिन हमारा पूरा विश्वास तथा निष्ठा आत्मा में हो। केवल वही व्यक्ति इस संसार में महान है जो इस संसार में प्रत्येक प्राणी को परमात्मा का अंश मान कर लोक कल्याण में अपने प्रत्येक कार्य को अर्पित कर देता है। प्रत्येक मनुष्य में उसी एक परमात्मा की आत्मा प्रतिबिम्बित हो रही है।

(7) मनुष्य ने स्वार्थ से अपना जीवन पात्र भर रखा हैः- आज संचार माध्यमों, सूचना-क्रान्ति तथा इनोवेशन के इस नये युग में आध्यात्मिक ज्ञान को सर्व सुलभ बना दिया है। इस सर्व सुलभ ज्ञान के होते हुए भी जो व्यक्ति टीले की तरह अन्दर से स्वार्थपूर्ण मान्यताओं और धारणाओं से भरे हुए है, उनके ऊपर अध्यात्म के बिन्दु ठहर नहीं पाते। जो व्यक्ति अन्दर से गड्ढे की तरह खाली है, उनके अन्दर आध्यात्मिक ज्ञान के बिन्दु ठहर जाते है। जिन व्यक्ति के जीवन पात्रों में नीचे छिद्र है, उनमें आध्यात्मिक ज्ञान भरता हुआ नजर आता है, लेकिन बाद में पता चलता है कि पात्र में भरा हुआ जल काफी टपक गया है। मनुष्य ने स्वार्थपूर्ण मान्यताओं तथा धारणाओं से अपना

जीवन पात्र भर रखा है उसे खाली करना कठिन तो है लेकिन असम्भव नहीं है। मनुष्य का यह स्वभाव विकसित हो गया है कि वह परिवार, स्कूल तथा समाज के वातावरण से मिली स्वार्थपूर्ण मान्यताओं तथा धारणाओं से चारों ओर से घिरे रहने में सुख तथा सुरक्षा की अनुभूति करता है। यदि किसी मनुष्य में 1000 गुण हों किन्तु एक स्वार्थ का अवगुण भी आ जाये तो उस व्यक्ति के सभी 1000 गुण समाप्त हो जायेंगे और केवल स्वार्थ का अवगुण ही रह जायेगा। परामात्मा की राह में चलने के लिए शुद्ध, दयालु तथा ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित हृदय धारण करने की आवश्यकता होती है।

(8) आध्यात्मिक संतुष्टि का स्वाद स्थायी है:- लोक कल्याण की भावना से अपनी नौकरी या व्यवसाय के द्वारा आत्मा का विकास किया जा सकता है। हमें अपने अन्दर गुणों की सुगन्ध ही स्थायी आध्यात्मिक संतुष्टि प्रदान करती है। आध्यात्मिक संतुष्टि की स्वानुभूति (स्वंय की अनूभूति) का स्वाद ही स्थायी होता है। अवतार राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, ईसा, मोहम्मद, नानक, बहाउल्लाह, तथा अनेक महापुरूष संसार के अज्ञान रूपी अन्धकार में जलते हुए दीपक की तरह हैं। जैसे अवतारों तथा महापुरूषों के अन्दर के बीज वृक्ष बना, ऐसे ही हम भी अपने अन्दर के बीज को अंकुरित होने दे, वृक्ष बनने दें। एक झोली में फूल भरे हैं एक झोली में कांटे। कोई कारण होगा? इसका एक ही कारण है कि जो मनुष्य अपनी आत्मा के विकास के विचार के साथ प्रभु की शरण में जाता है उसकी झोली परमात्मा अपने गुणों रूपी फलों से भर देता है। जो व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए परमात्मा का विरोधी बनता है उसकी झोली अवगुण रूपी कांटो से भर जाती है।

(9) जो प्रभु का आज्ञापालक है तो वह प्रभु के प्रकाश को प्रतिबिम्बित करेगा:- बहाई धर्म के संस्थापक बहाउल्लाह कहते हैं कि आत्मा की प्रकृति के सम्बन्ध में हमें यह जानना चाहिए कि यह ईश्वर का एक चिह्न है, यह वह दिव्य रत्न है जिसकी वास्तविकता को समझ पाने में ज्ञानीजन भी असमर्थ रहे हैं और जिसका रहस्य किसी भी मस्तिष्क की समझ से परे है, चाहे वह कितना भी तीक्ष्ण क्यों न हो। मनुष्य ही प्रभु की श्रेष्ठता की घोषणा करने में सभी सृजित वस्तुओं में प्रथम है, वह प्रभु की ज्योति को पहचानने में प्रथम है, वह प्रभु के सत्य को मानने में प्रथम है और वह प्रभु के समक्ष नतमस्तक होने में प्रथम है। मनुष्य यदि प्रभु का आज्ञापालक है तो वह प्रभु के प्रकाश को अपने कार्य-कलापों द्वार प्रतिबिम्बत करेगा और मृत्यु के पश्चात् उसकी आत्मा उसी दिव्य प्रकाश में समाहित हो जायेगी। यदि कोई मनुष्य अपनी आत्मा का विकास न करके प्रभु से तादात्म्य स्थापित करने में असमर्थ रहता है तो यह स्वार्थ और वासना का शिकार बनेगा और अन्त में उन्हीं गहाराईयों में डूब कर रह जायेगा।

(10) महान उद्देश्य के लिए शरीर, प्रकृति तथा आत्मा जैसे तीन अनमोल उपहार हमें मिले है:- ये शक्तियाँ जिनसे कि दिव्य कृपा तथा दैविक विवेक के स्त्रोत महाप्रभु ने मानव को अस्तित्व प्रदान किया है उसमें वैसे ही अर्न्तनिहित है जैसे मोमबत्ती के अन्दर उसकी लौ छिपी रहती है और दीप के अन्दर प्रकाश संसारिक इच्छाओं के कारण इन शक्तियों की चमक छिपी रह सकती है, जैसे आइने पर जमी धूल सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिम्बत नहीं होने देती है। न तो मोमबत्ती और न ही दीप बिना बाहरी सहायता के स्वयं जल सकते है, न ही आइने के लिये यह संभव है कि वह स्वयं अपने ऊपर पड़ी धूल झाड़ ले। यह स्पष्ट और प्रमाणित है कि जब तक अग्नि प्रज्जवलित नहीं कि जाती जब तक दीप नहीं जल सकता और तब तक आइने के ऊपर झाड़ पोंछ नहीं की जाती तब तक सूर्य न तो प्रतिबिम्बत हो सकता है और न ही इसकी रोशनी का प्रकाश चमक सकता है। प्रभु के अवतार कृष्ण, बुद्ध, ईसा, मोहम्मद, नानक, बहाउल्लाह एंव उनके द्वारा प्रगटित ग्रंथ गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान, गुरू-ग्रंथ साहिब, किताबें-अकदस ही हमारे सच्चे गुरू होते है, जो हमें ईश्वर का अर्थात ईश्वर की शिक्षाओं को ज्ञान कराते हैं और उन पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। परमात्मा की शिक्षाओं को इन पवित्र ग्रन्थों से जानना और उन शिक्षाओं पर दृढ़तापूर्वक चलना हमारे जीवन का महान उद्देश्य है।

उ.प्र. के राज्य कर्मचारियों/पेंशनर्स की कैशलेस चिकित्सा

उ.प्र. के राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उ.प्र. शासन ने शासनादेश संख्या-रा.स्वा.बी.यो./पत्रा-444/2016-17/42 दि. 12 जनवरी 2017 निर्गत कर दिया है। यह सुविधा 01 मई, 2017 से प्राप्त किए जाने की घोषणा की गई है। इसके लिए प्रत्येक कर्मचारी/पेंशनर को हेल्थ कार्ड बनवाना पड़ेगा। निम्नलिखित प्रपत्रों को भरकर उसे अपने आहरण वितरण अधिकारी अथवा पेंशनर्स को कोषाधिकारी को प्रस्तुत करना होगा। उ.प्र. के राज्य कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों को असाध्य और गंभीर बीमारियों के कैशलेस इलाज की सुविधा एक मई से मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके लिए चिकित्सा नियमावली में संशोधन कर दिया गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने शुक्रवार को दारूलशफा में प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि स्टेट हेल्थ कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि अपर मुख्य सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अरुण कुमार सिन्हा ने योजना प्रदेश में लागू करने के आदेश दे दिए हैं। इसके लिए हर महीने सभी विभाग इसकी समीक्षा करेंगे। तिवारी ने बताया कि इस सुविधा के लिए उनका संगठन 2013 से धरना और प्रदर्शन कर रहा था।

ऐसे बनेगा हेल्थ कार्ड

प्रदेश में 12 लाख कर्मचारी, 2 लाख अधिकारी और 8 लाख पेंशनर्स है। कैशलेस योजना से उन सभी को सीधे लाभ मिलेगा। इसके लिए कर्मचारी अपना आवेदन, जिले के आहरण वितरण अधिकारी-डीडीओ के माध्यम से वेरिफाई कराकर कर सकते हैं। रिटायर्ड कर्मचारी जिले के कोषाधिकारी के माध्यम से वेरिफाई कराकर कार्ड बनवा सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन भी जमा किए जा सकते हैं। इस योजना के लिए 'स्टेट एजेन्सी फॉर काम्प्रीहेन्सिव हेल्थ इंश्योरेंस (SACHI) को शासन की ओर से ऑथराइज्ड किया गया है।

इन बीमारियों में मिलेगी सुविधा

इस योजना में कैंसर हृदय रोग, डायलिसिस, किडनी, लिवीर, घुटने, कूल्हे, कार्निया का ट्रांसप्लांट संभव है। इसके साथ ही एक्यूट कोरोनरी सिन्ड्रोम, इन्फार्कशन, अनस्टेबल, इन्जाइमा, वेन्ट्रीक्यूलर, पीएटी, कार्डियक टैम्पोनाड, एक्यूट लेफ्ट वेन्ट्रिक्यूलर फेल्यरोर, एएलवीएफ, सिवीयर, कन्जेसिस्टव, कार्डियक फेल्योर, एक्सलरेटेड हाइपरटेंशन कम्प्लीट हार्ट ब्लॉक, स्टोक्स एडम अटैक, एक्यूट एओर्टिक डिसेक्शन का भी कैशलेस इलाज संभव होगा। इस कड़ी में एक्यूट लिंब इस्बीमिया, रप्चर ऑफ एन्यूरिस्म, मेडिकल तथा सर्जिकल शॉक, पेरिफेरल सरकुलेटरी फल्योर, सेरिबोवैस्कुलर अटैक, स्ट्रोक, सडेन, अन-कॉन्शसनेस, हेड इन्जीर रेस्पीरेटरी फेल्योर, डिकम्सेटेड लंग डिसीस सेरिब्रो मेनिन्जीयल, इन्फेक्शन, कन्फेक्शन, कन्वलशन, एक्यूट, पैरोलिसिस, एक्यूट विसुयल लॉस, एक्यूट एब्डार्मिनल पेन का इलाज किया जा सकेगा। इसके साथ ही सभी प्रकार की दुर्घटनाएं, हिमोरेज एक्यूट, ऑबट्रिक एण्ड गाइनोकॉलाजिकल एमरजेन्सी, इलेक्ट्रिक शॉक, जीवन के लिए घातक कोई अन्य दशा का इलाज भी कैशलेस में शामिल होगा।

सौजन्य से : एनबीटी, दि. 4.3.17

विश्व में आसमान छूती मूर्तियां

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार पटेल की मूर्ति), गुजरात, ऊंचाई- 182 मीटर (प्रस्तावित)
स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी (शान्ति की देवी), न्यूयार्क, अमेरिका, ऊंचाई-93 मीटर (स्थापित-1986)
स्प्रिंग टैंपल बुद्धा - (भगवान बुद्ध की मूर्ति), लुसान कंट्री, हेनान, चीन, ऊंचाई-153 मीटर, स्थापित-2002
द मदरलैंड काल्स (मातृ देवी) वोल्गोग्रैंड, रूस, ऊंचाई-85 मीटर, स्थापित-1967
उशिकू दायबुल्स-(भगवान बुद्ध की मूर्ति), उशिकू, जापान, ऊंचाई-100 मीटर, स्थापित-1995
क्राइस्ट द रीडीमर (ईसा मसीह की मूर्ति), रियो डी जिनेरिया, ब्राजील, ऊंचाई-19.6 मीटर, स्थापित-1931

कैशलेस इलाज के लिए एक मई तक रजिस्ट्रेशन

राज्य कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके परिवार के आश्रितों को असाध्य व आपातकालीन बीमारियों में राज्य सरकार द्वारा कैशलेस चिकित्सा उपलब्ध कराए जाने की स्कीम एक मई से शुरू हो रही है।

राज्य कर्मचारी कैशलेस उपचार योजना (एसईसीटीएस) के तहत राज्य कर्मचारियों व पेंशनर्स को यह सेवा सरकार द्वारा अनुबंधित सी.जी.एच.एस. (सेंट्रलय गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) निजी चिकित्सालयों में उपलब्ध कराई जाएगी। इन अस्पतालों में आपातकालीन और असाध्य रोगों का कैशलेस इलाज सभी राज्य कर्मचारियों और पेंशन धारकों को मिलेगा। वेबसाइट www.upsects.i- पर लॉग इन करें। इम्प्लाय गेटवे पर क्लिक करें। एप्लाई फॉर एसएचसी पर जाएं। रजिस्ट्रेशन फार्म खुलेगा। उसमें अपने जानकारियां भर कर सब्मिट कर दें। इसमें आधार कार्ड नम्बर, पीपीओ, स्वयं और आश्रितों की स्कैन फोटो, कलेक्ट्रेट कोषागार लखनऊ का कोड-4300 भरना होगा।

एक मई तक करें आवेदन :- मुख्य कोषाधिकारी संजय सिंह ने बताया कि कैशलेस इलाज की सुविधा के लिए राज्य पेंशनधारकों को अपना ऑनलाइन पंजीकरण वेबसाइट www.upsects.i- एक मई से पहले करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद आहरण वितरण अधिकारी व कोषाधिकारी द्वारा फार्म सत्यापित किया जाएगा।

Application form for State Health Card/राज्य स्वास्थ्य कार्ड हेतु आवेदन

(शासनादेश संख्या-रा.स्वा.बी.यो./पत्रा-444/2016-17/42 लखनऊ : दिनांक 12 जनवरी 2017)

कर्मचारी/पेंशनर का विवरण

Department Name	विभाग का नाम .....
Office District	कार्यालय का जनपद .....
DDO code or Treasury code	डी.डी.ओ. कोड या ट्रेजरी कोड .....
Office Name	कार्यालय का नाम .....
Applicants Name	आवेदक का नाम .....
Date of Birth	जन्म तिथि .....
Card Type (serving or pensioner)	कार्ड का प्रकार (सेवारत या पेंशनर) .....
Present or Last Post	वर्तमान या अन्तिम पदनाम .....
Present or Last Basic Pay	वर्तमान या अंतिम मूल वेतन .....
Mobile Number	मोबाइल नं. .....
E-mail ID	ई-मेल .....
Aadhar No.	आधार नं. .....
Address for Correspondence	पत्र-व्यवहार का पता .....

Details of Dependent's (लाभार्थी के आश्रितों का विवरण)

(शासनादेश संख्या-रा.स्वा.बी.यो./पत्र-444/2016-17/42 लखनऊ दिनांक : 12 जनवरी 2017)

प्रार्थी आश्रित माता/पिता, पत्नी, 25 वर्ष से कम बेरोजगार पुत्र, अविवाहित पुत्री एवं अन्य आश्रित (यदि कोई हो) का विवरण दें। Applicant should fill details of Father/Mother, Wife, Son (less than 25 yeaers age). Unmarried daughter and other dependents (if any).

S.N. क्रम संख्या	Name नाम	Date of Birth जन्म तिथि	Relation रिश्ता	Aadhar No. आधार नं.	Photo फोटो

बुजुर्गों के बारे में भी सोचिए

हाल में ब्रिटेन और अमेरिका में कई ऐसी रिपोर्ट आई है जिसमें कहा गया है कि संसार के प्रायः सभी देशों में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इन रिपोर्टों के अनुसार 2050 में संसार के संपन्न देशों में ऐसी बुजुर्गों की संख्या जिनकी उम्र 80 वर्ष से अधिक होगी, दोगुनी हो जाएगी। आज संसार की जनसंख्या में उनका हिस्सा चार प्रतिशत है, परंतु 2050 में वह बढ़कर दस प्रतिशत हो जाएगा। इसका एक मुख्य कारण यह है कि आज औसत आयु पहले से बढ़ गई है और स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर हुई है। प्रायः सभी देशों में ऐसे बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ रही है जो गंभीर बीमरियों से ग्रसित है। इन बीमारियों में एक प्रमुख बीमारी 'अल्जाइमर्स' है। इस बीमारी के शिकार व्यक्ति का शरीर का कोई एक अंग 24 घंटे कांपता रहता है। दुनिया में अभी तक इस बीमारी का कारगर इलाज नहीं मिल पाया है। अन्य दूसरे बुजुर्ग हृदय रोग और हड्डिया की गंभीर बीमारियों से पीड़ित होते हैं। उन्हें हर तरह की सहायता की दिन-रात जरूरत होती है, पर सभी देशों में इतनी सुविधा नहीं कि वे इन बुजुर्गों को लंबी अवध तक अस्पतालों में रख सकें। इस के समाधान के लिए पश्चिम के कुछ देशों के साथ जापान ने एक रास्ता 'केयर होम' के तौर पर निकाला है।

यह पाया गया है कि संपन्न देशों मे जो बुजुर्ग अस्पताल में भर्ती होते हैं वे जल्दी वहां से हटने का नाम नहीं लेते। इन बुजुर्ग मरीजों क रिश्तेदार भी यही चाहते हैं कि उनका जितनी लंबी अवधि तक अस्पताल में इलाज हो सकें किया जाए। एक तो अस्पतालों के लिए ऐसा करना सम्भव नहीं और दूसरे, इसमें खर्च भी बहुत अधिक आता है। यही सोचकर, 'केयर होम' की सुविधा सम्पन्न देशों में शुरू की गई। बुजुर्गों मरीजों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं कि वे अस्पताल के बजाय 'केयर होम' में रहें। प्रतिदिन 'वीडियो कांफ्रेसिंग' के माध्यम से अस्पतालों के डॉक्टर या नर्स उनसे दिन मे दो-तीन बार पूछती रहती हैं कि उन्होंने अमुक दवाई ली या नहीं? दरअसल तकनीक इतनी बढ़ गई है कि रिमोट कंट्रोल द्वारा आदमी फ्रिज खोल सकता है या कमरे का तापमान एडजस्ट कर सकता है। यदि कोई किसी बुजुर्ग मरीज की दिन में एक-दो बार खोज-खबर ले ले उन्हें बहुत सुकून मिलता है। इसके बावजूद इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बुजुर्ग मरीजों की यह इच्छा रहती है कि उनके परिवार के सदस्य ही बुढ़ापे में उनकी देखभाल करें। ब्राजील, भारत और अन्य एशियाई देशों में ऐसी ही लालसा रहती है, परंतु यह हमेशा संभव नहीं हो पाता। आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार के युवा सदस्यों को गांव देहात से निकलकर शहरों में जाना पड़ता है जहां पति-पत्नी, दोनों कोई न कोई नौकरी करते है। उन्हें इतना समय नहीं मिलता है और न इतनी सुविधा होती है कि वे बुजुर्ग मां-बाप की देखभान कर सकें। इस कारण भी अब बूढ़े माता-पिता को लोग 'ओल्डएज होम' में छोड़ देते हैं। और समय-समय पर उनसे मिलने जाते रहते है, लेकिन इन ओल्डएज होम में ये बुजुर्ग अपने को असहाय महसूस करते है। यह भी देखा गया है कि अमेरिका जैसे देश में नस्लभेद के कारण एशियाई मूल बुजुर्गों के साथ ओल्डऐज होम में भलीभाँति देखरेख नहीं होती। परिणामस्वरूप समुचित देखभाल के अभाव में वे जल्दी ही दम तोड़ देते हैं। अब तो **ओल्ड एज होम** की प्रथा भारत में भी चल पड़ी है। बुजुर्गों की सबसे बुरी हालत चीन में है। जहां वहां 'वन चाइल्ड पालिसी' अपनाई गई तो परिणाम यह हुआ कि बुजुर्गों की संख्या बहुत अधिक बढ़ गई। आज चीन में छह में से एक व्यक्ति 60 वर्ष से अधिक उम्र का है। 2025 में हर चार में से एक चीनी बुजुर्ग होगा। चीन में तमाम बुजुर्ग 'डिमेंसिया' नामक बीमारी से पीड़ित हैं। दस रोग से पीड़ित व्यक्ति हर पुरानी बात को याद करता है, परंतु चन्द क्षणों पहले किए गए काम को भूल जाता है। दुर्भाग्यवश चीन का समाज और वहां की सरकार बुजुर्गों समुचित ध्यान नहीं रख पा रही है। भारत में भी बुजुर्ग लंबी उम्र होने के कारण अपने को असहाय महसूस करते हैं। सरकार चाहकर भी स्वास्थ्य सेवाओं पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दे पाती है। अपने यहां गांव-देहात में स्वास्थ्य सेवाएं नहीं के बराबर हैं। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ समाज को भी गंभीरता से सोचना होगा। हर व्यक्ति को यह ध्यान रखना होगा कि वह भी बूढ़ा अवश्य होगा। यदि आज बूढ़ों की स्वास्थ्य समस्याओं के साथ-साथ उनकी देखभाल पर ध्यान नहीं दिया गया तो जब वे बूढ़े होंगे तब उनका कौन ख्याल रखेगा? डर है कि कहीं चीन की तरह भारत में भी बुजुर्ग उपेक्षा का शिकार न हों? यह ठीक है कि आज हम युवा देश हैं, लेकिन समझदारी इसी में है कि अभी से इसकी चिंता करें कि अपने बुजुर्गों की सही तरह से देख-रेख कैसे हो? ऐसा इसलिए और आवश्यक है क्योंकि समय के साथ पारिवारिक मूल्य भी छिन रहे है।

डॉ. गौरी शंकर राजहंस, (लेखक पूर्व सांसद एवं पूर्व राजदूत हैं।)

नव-वर्ष

आपको नव-वर्ष की शुभकामना स्वीकार हो,
स्वस्थ हो तन और मन में भी न कोई विकार हो,।
भावनाओं की ज़मीं शुचिता से सीचीं जाय अब,
आदमी का आदमी से प्यार का व्यवहार हो।।

नीर नदियों मे सदा अमृत सा ही बहता रहे,
आपके श्रम की कथा इस देश की उन्नति कहे।
फसलें हो भरपूर भर जायें सुनो भण्डार सब,
माँ का कोई लाल भूखा और नंगा ना रहे।।
चुनरी धानी ओढ़ाकर धरा का श्रृंगार हो..

धर्म मानो कोई भी पर देशवासी ही रहो,
कोई पूँछे अपने को भारत का वासी ही कहो।
देश-हित की भावना का उच्चतम स्थान हो,
और अधिकारों के संग कर्तव्य में भी रत रहो।।
बीच में इक दूजे के नफरत की ना दीवार हो..

मस्जिदों में हो अज़ाने, मंदिरों में भजन,
शबद गुरूद्वारों में गूँजें, चर्च में यीशू-नमन।
ना कोई दुर्भावना हो एक दूजे के लिये,
भक्ति का माहौल हो, कायम रहे चैन-ओ-अमन।।
एक ही मकसद है जब, फिर क्यूँ कोई तकरार हो...

आ रहा जो वर्ष उसमें हर्ष हो उत्कर्ष हो,
सहजता का भाव ही, हर एक का आदर्श हो।
गर हुआ है अर्श तो पाँव जमी पर ही रहे,
वास्ते हर बात के, स्वस्थ्य विचार-विमर्श हो।।
कर्म-पथ पर बढ़ चलो बस जीत हो या हार हो...

अशोक कुमार मेहरोत्रा
सदस्य 'भावना'
सदस्य सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

नववर्ष 2017 एक वन्दना

मन में एक अभिलाषा लिये, चरण पड़ा रघुबीर
नववर्ष मंगलमय हो सभी को, विनती सुन ले बलबीर
भावना परिवार सदा सुखी रहे, क्या वृद्ध क्या तरुणाई
साल दर साल यूंही जश्न मनावे, पल-पल हो सुखदाई
हर लेना सबकी पीर तेरे चरण पडा रघुबीर
नववर्ष मंगलमय हो सभी को, विनती सुन ले बलबीर
भावना के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हम आज
नित-नित नई ऊँचाई यह चूमे प्रभु रखना हमारी लाज
अजर-अमर रहे हमारी भावना, प्रभु करो ऐसी तदबीर
तेरे चरण पड़ा रघुबीर, तेरे चरण पड़ा रघुबीर
नववर्ष मंगलमय हो सभी हो, विनती सुन ले बलबीर
सभी जनों में प्यार हम बांटे, वाणी हरे सबकी पीर
दुखी जनों की सेवा करते थके न कभी यह शरीर
प्रभु कुछ ऐसी बनाना, हमारे हाथों की लकीर
तेरे चरण पड़ा रघुबीर, तेरे चरण पड़ा रघुबीर
नववर्ष मंगलमय हो सभी को, विनती सुन ले बलबीर
परोपकार की लाठी पकड़ हम हों भवसागर से पार
निःशक्त, निःसहाय जनों की सेवा करें हम, करना यह उपकार
हम को शक्ति देना रघुबीर तेरे चरण पड़ा रघुबीर
नववर्ष मंगल मय हो सभी को विनती सुन ले बलबीर
मन में यही अभिलाषा लिये, तेरे चरण पड़ा रघुबीर

सुशील शंकर सक्सेना
वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
भावना

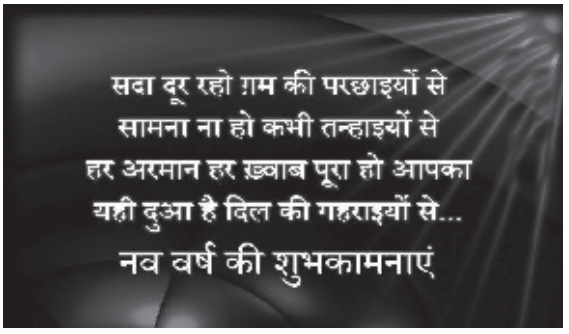

फागुन-रुतरू विरह गीत

फागुन-रुत आई मतवाली।
अजहूँ न आये साजन आली।।
ये फागुन भी जाये न ख़ाली।
अजहूँ न आये साजन आली।।

सरसों फूली अमवा बौरे।
फूलों पर मँडरायें भौरे।।
कोयल गाये डाली-डाली।
अजहूँ न आये साजन आली।।

हुरियारे बन-ठन कर आयें।
रंग-अबीर-गुलाल उड़ायें।।
नाचें सब मिलि दे-दे ताली।
अजहूँ न आये साजन आली।।

सजन बिना फागुन ना भाये।
'भान', अगन तन-मन झुलसाये।।
सूख गई होठों की लाली।
अजहूँ न आये साजन आली।।
बाट निहारें नयन सवाली।
अजहूँ न आये साजन आली।।

- उदय भान पाण्डेय 'भान'

होली

चाँदी का दिवस आज,
रात आज सोने की
मनचाही चाहों की
मन चाही होने की।
उषा से सुबह-सुबह सोये हुए सूर्य पर
चुपके से डाल दिया लाल रंग थाल पर
और लगी कहने यों आर लिये कोने की
चाँदी का दिवस आज रात आज सोने की
चाँदी का दिवस आज रात आज सोने की
नभ का यह दृश्य देख चहकी विहंगावली
महकी हर कली, बहेकी भ्रमरावली
गली शल होड़ लगी भीगते भिगोने की
चाँदी का दिवस आज रात आज सोने की
ऐसे में रूठें मत खेलो खुल आज तो
तोड़ो यह निठुर मौन छोड़ो यह लाज तो
लगने दो प्रेम रंग जल्दी क्या धोने की
चाँदी का दिवस आज रात आज सोने की

श्री हरीश चन्द्र शुक्ल जी द्वारा गायन

(इन्द्रधनुष से साभार)
लेखक : स्व. श्री भगवानदास शुक्ल
रि.ए.डी.एम. (जे.)

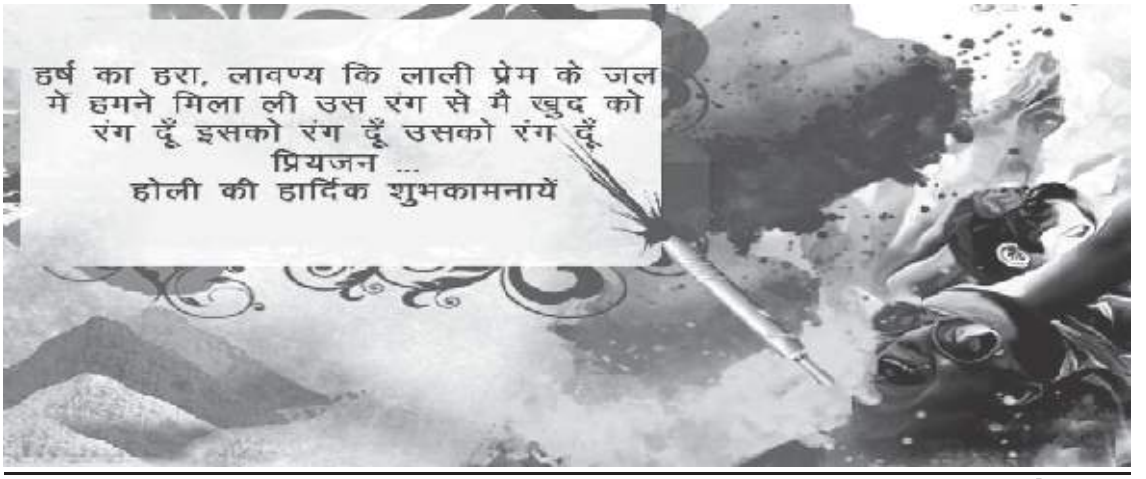

डॉ. राम स्वरूप दीक्षित

वे जन जिन्होंने अनेक दशकों तक, सेवा की देश-समाज की।
पर नित्य घटती शारीरिक क्षमता, बनी विशिष्टता आज की।।
वर्तमान प्रगतिशील संदर्भ में, वे घिर गये अकेलेपन में।
जो गतिविधियों के केन्द्र रहे, अब नकारात्मक उपजी मन में।।1।।
सबको अपने में समेटे, प्रबल धारा जो निरन्तर बही।।
अलग-थलग पड़ गई आज, मानो उसका अस्तित्व नहीं।।
सामान्य धारणा-अन्तर्गत, थे जो अतरिक्त जिम्मेदारी परिवार की।
वही वरिष्ठजन एक-एक ग्यारह, बन गये 'भावना' समाज की।।2।।
अगस्त दो हजार में लखनऊ नगर ने, वरिष्ठ भावनाओं को प्रेरित किया।
परिणामस्वरूप एक संस्था, 'भावना' का श्री गणेश किया।।
वरिष्ठजनों की भावना के उद्गार स्वरूप 'भावना' अस्तित्व में आई।
लखनऊ नगर में यह संस्था, 'भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति' कहलाई।।
वरिष्ठजनों के समग्र कल्याण हेतु, हुई 'भावना' अवतरित।
स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता, सेवा हेतु समर्पित।।
कार्यक्षेत्र बन गया नगर ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण भारत।
प्रथम प्राथमिकता में जुड़ गये सभी, जो जाने जाते थे आरत।।4।।
और 'भावना' ने निर्बल वर्ग[1], हितों के अनुरूप भी बनाये कार्यक्रम।
अरु कार्यक्रमों के सफल बनाने हेतु, किया अथक परिश्रम।
विकृत मानसिकता नष्ट कर, 'भावना' ने भरी अपरिमित शक्ति।
अब वरिष्ठजनों के प्रति सबमें, होने लगी है स्नेहभक्ति।।5।।
और युवा भी वरिष्ठजनों की, समस्याओं के प्रति हुए जागृत।
संवेदनशीलता उत्पन्न हुई उनमें, अरु कार्यों हेतु हुए प्रेरित।
अब 'भावना' मात्र वरिष्ठजन हित, तक ही रही नहीं सीमिति।
क्योंकि वरिष्ठजनों में उसने, भर दी है शक्ति अपरिमित।।6।।
और उन्हें सक्रिय बना, समाज की मुख्यधारा से दिया जोड़।
समाज हितार्थ कार्य करने में, सदस्यों में लग गई होड़।।
ग्यारह वर्षों से सक्रिय 'भावना' घर कर गई विविध वर्गों में।
और उन्होंने उसका लिखा, इतिहास कई सर्गों[2] में।।7।।
'भावना-सन्देश' एक सूत्र में बांध, करे सकारात्मक ऊर्जा प्रवाह।
समाज की मुख्य धारा में आ वरिष्ठ करें, प्रसन्न-स्वस्थ-सम्मान प्रद जीवन निर्वाह।।
देश-समाज हितार्थ, 'भावना' ने की नष्ट विकृति है।
अब 'भावना' मात्र संस्था ही नहीं, अपितु एक संस्कृति है।।8।।

1- निर्बल वर्ग : यथा निराश्रित महिलाएं, बच्चे, विकलांग।
2- सर्गों : यथा कम्पैनियनशिप, हेल्पलाइन और स्वास्थ्य सेवा, अध्यात्मिक सेवा, ग्राम्यांचल सेवा, दरिद्र एवं समाज सेवा।

अरविन्द कुमार गोयल एक श्रद्धाजंलि

एक तारा था नम में, न जाने कैसे वह डूब गया
भावना रूपी आकाश से, अनायाश ही वह टूट गया

जगमग करता था, रोशनी उसकी न्यारी थी
सरल स्वभाव का था वह, मृदुल उसकी वाणी थी
काम करने की उसकी अदा, सबको अति प्यारी थी
कहाँ चूक हो गयी हमसे, साथ जो उसका छूट गया

एक तारा था नम में, न जाने कैसे वह डूब गया
भावना रूपी आकाश से, अनायास की वह टूट गया

वैसे तो जग में आवा-जाही चलती है
कर्मयोगी के जाने पर, कमी बहुत ही खलती है
वह कर्मयोगी था, हम सबने ऐसा माना है
भावना का था एक स्तम्भ कालचक्र में जो टूट गया

एक तारा था नम में न जाने कैसे डूब गया
भावना रूपी आकाश से, अनायाश की वह टूट गया

अरविन्द तुम अमर हुये, हर दिल में यादें छोड़गये
हम सबका है संकल्प यही,
पूरे करेंगे, काम अधूरा जो छोड़ गये
यकीं दिलाते है तुमको, व्यर्थ न जायेगा श्रम तुम्हारा
पूर्ण करेंगे हर वह सपना बीच ही में जो टूट गया

एक तारा था नम में न जाने कैसे डूब गया
भावना रूपी आकाश से, अनायास की वह टूट गया

भावना तुमको क्या दे सकती है, माँग रही यह वरदान
शक्ति प्रदान करे तुम्हारी आत्मा को जगपालक भगवान

अरविन्द गोयल तुम्हारी याद बहुत आयेगी
''भावना'' तुम्हें कमी न भूल पायेगी

सुशील शंकर सक्सेना
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (भावना)

आराम हराम

जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।
काम कभी ना कल पर टालो, करने बहुत काम तुम्हें
झुकझुक दुनिया तब बख्शेगी, इज्जत सुबह शाम तुम्हें
जन्म वृथा ना है मानव का यह दिया पैगाम तुम्हें
पुरुषार्थ अपना अजमा लो, जीवन है संग्राम तुम्हें
जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।
मंजिल का क्या है, यह तो खुद चलकर पास चली आती
भाँप तुम्हारे दृढ़ संकल्प, धरती तक दहली जाती
आँखों का घर छोड़ नींद भी दूर गुफा में खो जाती
जयमाला लिए विजयश्री आ, आलिंगन में सो जाती
वंदना नभ की स्वीकारो, दुनिया करे सलाम तुम्हें।
जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।
चलता रहता लगातार जो, दुनिया पीछे चलती है
पी सिन्धु के जाए ज्वार जो निधियाँ नीचे मिलती है
नहीं मानता कभी हार जो, विजया उसको मिलती है
रहे मुसीबत पर सवार जो, खुशियाँ उसको मिलती है
गेंद सम ब्रह्माण्ड उठा लो, मिले देव वरदान तुम्हें।
जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।
राम, कृष्ण, जिन!, गौतम नानक, मानव थे, भगवान नहीं
हर्ष, सिकन्दर, अकबर, सीजर, वे भी क्या इन्सान नहीं?
एक बार जो कदम उठाया था रुकने का नाम नहीं
जिसने अपनी मंजिल पाली, कहलाया भगवान वही।
इस लिए अब कसम उठा लो, करना ना विश्राम तुम्हें।
जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।
हाथ आपके, कलम आपकी, स्याही रक्त बना डालो
अपने हाथों अपनी किस्मत, फिर तुम खुद ही लिख डालो
नहीं दोष दो कभी भाग्य को, अपना भाग्य बदल डालो
अपना खुद का, सारे जग का, नया भाग्य तुम रच डालो
इस धरा को स्वर्ग बना लो, लिखना नया कलाम तुम्हें।
जब तक मंजिल को न पालो, है आराम हराम तुम्हें।
जब तक नभ को न कब्जा लो, है आराम हराम तुम्हें।।

– अमर नाथ

पेंशनरों के लिये आवश्यक सूचना (राजकीय कर्मचारी)

राज्य सरकार ने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को पेंशनरों के लिये लागू कर दिया है। शासन ने माह जनवरी 2017 में आदेश जारी कर दिये थे कि पेंशनरों को माह फरवरी में पेंशन बढ़ाकर दी जायेगी। शासनादेश का सारांश निम्नवत् है :

1- पुनरीक्षित पेंशन पूर्व निर्धारित मूल पेंशन (Basic Pension) का 2.57 गुना होगी। यह प्राविधान जनवरी, 2016 से लागू माना जायेगा।

2- जुलाई, 2016 से पुनरीक्षित पेंशन पर 2% महंगाई भत्ता, अनुमन्य होगा।

3- माह जनवरी की पेंशन जो फरवरी 2017 में देय होगी उसमें update pension मिलेगी परन्तु पेंशन के arrears का भुगतान निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार होगा।

अ) 50% arrears के अक्तूबर, 2017 में देय होगा।

ब) शेष 50% arrears अक्तूबर 2018 में देय होगा।

– इं. सुशील कुमार शर्मा

Learning of Life Skills leads to Dignified Aging Abstract

Prof. Avneesh Agrawal

Life Skill Based Education (LSBE) empowers an individual, a community and society. LBSE refers to an interactive process which enables learner to acquire knowledge and to develop attitude to be skill full. Life skills are survival skills. The indispensable life skills are - communication and interpersonal skills, empathy, cooperation and team work, advocacy skill and negotiation / refusal skill. There are another skills such as decision making and critical thinking skills, coping and self management skills. These skills cope an individual to lead dignified life .The adaption of life skills may be a part of life by participatory approach. The outcome of LBSE is expected that human-beings shall be able to achieve life goals at all stages of life (including old age) and utilize available opportunities in order to contribute to the development of own society and nation at large.

"Life skills" means the ability to cope with stresses and challenges of daily life, especially skills in communication and literacy, decision-making, occupational requirements, problem-solving, time management and planning. Life Skill Based Education (LSBE) empowers an individual, a community, a society. LSBE refers to an interactive process which enables learner to acquire knowledge and to develop attitude and skill. Life skills are survival skills. Basically, life skills can mean a lot of different things; different people need a different set of skills to survive and to fulfill their needs. Of course, the most important skills that people need to develop to meet out their individual specific needs are survival skills. The term "Life skills" refers to a large group of psycho-social and interpersonal skills which can help people make informed decisions, communicate effectively, and develop coping and self-management skills that may help them lead a healthy and productive life. Life skills may be directed toward personal actions and actions toward others, as well as actions to change the surrounding environment to make it conducive to health.

What the "Life skills" Are?

Life skills have been defined by World Health Organization (WHO) as "abilities for adaptive and positive behaviour that enable individuals to deal effectively with the demands and challenges of everyday life".

Life skills, in addition to essential literacy and numeric skills could encompass the ability to build sound, harmonious relationship with self, others and the environment; the ability to act responsibly and safely; the ability to survive under a variety of condition; and the ability to solve problems.

"Life Skills" Include "Livelihood skills"

Capabilities, resources and opportunities to pursue individual and household economic goals. Livelihood skills relate to income generation and may include technical/vocational skills (carpentry, sewing, computer programming), job seeking skills such as interviewing, business management skills, entrepreneurial skills, and skills to manage money.

"Knowledge" - The terms "knowledge" and "information" are usually used interchangeably. In general, however, "information" may describe what is communicated about a particular fact or subject; something received or told. While "Knowledge" refers to the state or condition of understanding that fact or subject, and being able to apply it.

"Attitudes" - The term "attitudes" is used to encompass the broad domain of social norms, ethics, morals, values, rights, culture, tradition, spirituality and religion, and feelings about self and others.

"Health" - WHO's broad view of

health as "the state of complete physical, mental and social well-being" is assumed here. Using this definition, social and economic conditions and the broader environment are considered the key determinants of health.

"Health-Promotion" - The process of enabling people to increase control over and to improve their health. Health Promotion not only embraces actions directed at strengthening the skills of individuals, but also action directed towards changing social, environmental and economic conditions so as to alleviate their impact on public and individual health. (From WHO Health Promotion Glossary)

"Life skills based education"(LSBE) - The term LSBE is often used almost interchangeably with skills-based health education. The difference between the two is in the type of content or topics that are covered. Not all program content is considered "health-related." For example, life skills-based literacy and numeracy, or life skills-based peace education, or human rights.

"Skills-based health education" - A combination of learning experiences that aim to develop not only knowledge and attitudes , but also skills (i.e., life skills) which are needed to make decisions and take positive actions to change behaviors and environments to promote health and safety and to prevent disease.

Historical Background of "Life Skills Based Education" (LSBE) - Life Skills-Based Education (LSBE) has a long history of supporting child development and health promotion. In 1986, the Ottawa Charter for Health Promotion recognized life skills in terms of making better health choices. The 1989, Convention on the Rights of the Child (CRC) linked life skills to education by stating that education should be directed towards the development of the child's fullest potential. The 1990 Jomtien Declaration on Education for All took this vision further and included life skills among essential learning tools for survival, capacity development and quality of life. The 2000 Dakar World Education Conference took a position that all young people and adults have the human right to benefit from "an education that includes learning to know, to do, to live together and to be", and included life skills in two out of the six EFA Goals.

Life skills-based education is now recognized as a methodology to address a variety of issues of child and youth development and thematic responses including as expressed in UNGASS on HIV/AIDS (2001), UNGASS on Children (2002), World Youth Report (2003), World Program for Human Rights Education (2004), UN Decade on Education for Sustainable Development (2005), UN Secretary General's Study on Violence Against Children (2006), 51st Commission on the Status of Women (2007), and the World Development Report (2007).

Life skills have been defined by WHO as "abilities for adaptive and positive behaviour that enable individuals to deal effectively with the demands and challenges of everyday life". They represent the psycho-social skills that determine valued behaviour and include reflective skills such as problem-solving and critical thinking, to personal skills such as self-awareness, and to interpersonal skills. Practicing life skills leads to qualities such as self-esteem, sociability and tolerance, to action competencies to take action and generate change, and to capabilities to have the freedom to decide what to do and who to be. Life skills are thus distinctly different from physical or perceptual motor skills, such as practical or health skills, as well as from livelihood skills, such as crafts, money management and entrepreneurial skills. Health and livelihood education however, can be designed to be complementary to life skills education, and vice versa

Life Skill Education (LSE)

LSE must be able to empower an individual, a community and a society in order to ensure certain level of skills as to:

- To understand and be able to make decision; negotiate hurdles based on critical analysis and rational judgment through a systematic process of self-awareness.
- Be able to communicate effectively so that one can respond to emergencies, immediate demands of situations of existing environment at large.
- Be able to cope with emotional traits like physical stress, mental shock.
- Be able to make choices among the existing alternatives so as to resist negative pressures and risk behaviors that are associated with growing restlessness and indulgence with regard to sexual health behavior of adolescent period.
- Be able to garner support in favor of sensitivity to gender equality and justice in the areas of right to education, healthcare, property, association, express opinion and participate in the decision-making processes that are affecting life and well-being.

Around the world, Life Skills-Based Education (LSBE) is being adopted as a means to empower young people in challenging situations. LSBE refers to an

interactive process of teaching and learning which enables learners to acquire knowledge and to develop attitudes and skills which support the adoption of healthy behaviors. It is also a critical element in UNICEF's definition of quality education. Thus we can say that LSE is expected to ensure healthy behavior so that young adults can successfully achieve their life goals and utilize available opportunities in order to contribute to the development of their own society at large.

Why do the incorporation of Life Skills are essential in life?

The challenges that we face in modern time and day today life are such as:

We all want to live full, productive lives but, sometimes we just don't know where to begin. There is a lot of information 'out there' that it can be overwhelming and hard to sort out. Depending on the problem, what seems to work for one person, may not necessarily work for everyone. There are different programs, strategies and techniques that it's hard to chose the right one.

One thing, however, is certain. If we want to accomplish anything in life and realize our full potential, we must have some skills - in this case of life skills. Living life fully and productively is at our door step. In order to excel at a job, a sport or any discipline; a person must acquire and master certain skills. These challenges are numerous and complex as:

- Finding purpose
- Defining ourselves
- Battling stress

In order to address challenges effectively we need practical and useful strategies.

Personal Development and Self-Realization:

Personal development is the pursuit of developing, honing and mastering the skills that help us become the best that we can, with all that we have. It is the reaching for, and realizing of, our full potential as human beings.

"If you plan on being anything less than you are capable of being, you will probably be unhappy all the days of your life."

- Abraham Maslow

"I do the best I know how, the very best I can; and I mean to keep on doing it to the end."

- Abraham Lincoln

Where do I begin?

Begin with establishing a firm foundation. That foundation is "I". I must know who I am, what I want, and what I am capable of. I must then determine which values, goals and principles I will set up to guide my actions.

Learning about and applying the 9 Essential Life Skills will help in personal development. It will help:

- To know and understand self better
- Live life more consciously and deliberately
- Attain personal satisfaction and fulfillment

Often, the hardest part in any endeavor is getting started, however once we do, there is a surprising snowball effect. We will begin to feel good about what we're doing and we'll want to continue. We will want to keep improving our self and we'll want to become the best that we can be. As we continue on the journey of personal development, we will become aware that there is much knowledge and information to be discovered and uncovered than we ever thought possible; knowledge about our self, knowledge about others, knowledge about life and the world around us.

"All men by nature desire knowledge."

-Aristotle

Personal development is about desiring and pursuing knowledge. To assist and pursuit our self in knowledge and in expanding new horizons, encourage our self to read and explore the pages on the arts, philosophy, and sports, the inspirational quotes, and personal development articles that include helpful tips and strategies, as well as other interesting pointer. We often tend to overlook how much it contributes to personal development and the balancing of the personality.

Development of essential life skills: A feel of missing something in life can be removed by developing and adapting essential life skills in our day to day life and making them an essential and integrated part of our live. Because without having developed them, no good is all the financial success in the world, if we don't have self-confidence or high self-esteem, know who we really are, what we want, or what we're doing here. We've all witnessed many outwardly successful and famous people who have not been able to find personal happiness. No amount of fame or fortune could fill the void they felt inside.

Therefore, in order to enjoy the fruits of any achievement we must first be happy with ourselves and possess the following 9 Essential Life Skills:

A Healthy Self-Concept which includes the three skills of:

1. Know Yourself
2. Love Yourself
3. Be True To Yourself.

The Critical Thinking that is needed to work on developing and honing the rest of the skills including:

4. Having a Personal Value System
5. Perspective
6. Have an Open Mind
7. Sense of Humor
8. Resilience
9. Acceptance.

"Established in Self-Realization, one is not moved even by the greatest calamity."

- Bhagavad Geeta

Personal development is an ongoing process and journey.

The indispensable life skills are:

The UNICEF and the UNESCO divide life skills into subsets of categories.

Learning to live together: Interpersonal abilities

Communication and Interpersonal skills:

Verbal / Nonverbal

Active listening

Expressing feelings; giving feedback (without blaming) and receiving feedback

Negotiation / Refusal Skills:

Negotiation and conflict management

Assertiveness skills

Refusal skills

Empathy: Ability to listen and understand another's needs and circumstances and express that understanding

Cooperation and Teamwork:

Expressing respect for others' contributions and different styles

Assessing one's own abilities and contributing to the group

Advocacy Skills:

Influencing skills and persuasion

Networking and motivation skills

Learning to know: Cognitive abilities

Decision making/problem-solving skills:

Information gathering skills

Evaluating future consequences of present actions for self and others

Determining alternative solutions to problems

Analysis skills regarding the influence of values and attitudes of self and others on motivation.

Critical thinking skills:

Analyzing peer and media influences

Analyzing attitudes, values, social norms and beliefs and factors affecting these

Identifying relevant information and information sources

Learning to be: Personal abilities

Skills for increasing internal locus of control:

Self-esteem/confidence building skills

Self-awareness skills, including awareness of rights, influences, Values, attitudes, strengths and weaknesses

Goal setting skills

Self-evaluation / Self-assessment / Self-monitoring skills

Skills for Managing Feelings:

Anger management

Dealing with grief and anxiety

Coping skills for dealing with loss, abuse, trauma

Skills for Managing Stress:

Time management Positive thinking

Positive thinking

Relaxation techniques

Life skills are practical behavior needed to meet the demands of everyday life, Young people who keeps on adapting these life skills are better equipped to make better choices in life and avoid risky behavior. Life skills, being practical and behavioural in approach it will allow a person to wade through the world.

Ways / Tips for incorporation of Life Skills in life (For ownself)

Know more about each skill -

• why it is essential and how I may apply and integrate it into my life.

• How to become the confident, independent, self-reliant person. I always knew I could be.

To capitalize on own strengths and turn obstacles into opportunities for personal growth. All the success in the world doesn't matter unless I master the skills. Find out what they are and why.

• How to build self-concept, enjoyment and appreciation of life.

• How others have made their lives joyful and successful despite overwhelming odds.

-To tap into own potential and become a better being in a fun yet effective way.

-To identify what's important to me.

-That it's not what I have, but what I do with what I have that counts.

-To use cognitive abilities.

Mechanism of Learning of Life Skills for Dignified Aging:

Holistic learning demands a whole vision of the learning. It needs to tackle problems at the roots". Life skills acquisition is not only "taught", it is also "caught" through learning that takes place through example and practice. School policies and enabling environment reinforce ideas taught in class, but we also need "to acknowledge and

build on the strengths of the family and home". This underlines the importance of also using a variety of delivery mechanisms, combining both formal and non-formal education.

There is crucial difference in formal and non-formal education delivery system. For example, whereas formal education needs to allow a more flexible education that places emphasis on process and praxis to ensure a child-centered approach to life skills teaching and learning, non-formal approaches would need to focus on ensuring structured learning over time. The participatory approach is the most effective formal approaches of teaching the life skill. Life focused learning is related to learning to do/be/live together. Life skills are survival skills. The acquisition of essential Life Skills will not only contribute to personal growth and development of an individual but it will make him/her a more interesting and dynamic.

The outcome of LSBE is expected that human-beings shall be able to achieve life goals at all stages of life (including old age) and to utilize available opportunities in order to contribute to the development of own society and nation at large.

Ayurveda: Benefits of Drinking Water from Copper Vessel

- Prof. Avneesh Agrawal

Copper is believed to have anti-microbial, antioxidant, anti-carcinogenic and anti-inflammatory properties, as recommend by Ayurveda. Ayurveda has ever advocated the benefits of drinking water from a copper vessel as it is extremely healthy for the mind and body. Water, when stored in a copper vessel for over eight hours, very small quantities of copper gets dissolved in this water. The copper gently leaches into the water and lends it all its positive properties. The This process is called "oligodynamic effect"(It is a biocidal effect of metals, especially heavy metals, even in low concentrations), and has the ability to destroy a wide range of harmful microbes, molds, fungi etc. due to the toxic effect it has on living cells. . It has the ability to balance all the three doshas (vata, kapha and pitta) in our body. This happens because the copper vessel positively charges the water.

This positively charge water is extremely good for health. Even though sometimes it may taste a bit odd, it is worth noting that this water never becomes stale and can be stored for a long time.

Water stored in copper vessels has a number of health benefits. The most widely recognized ones are mentioned below:

- Stimulates the brain
- Helps the digestive system perform better
- Boosts bone strength
- Regulates the functioning of the thyroid gland
- Combats arthritis and joint pains
- Boosts skin health
- Regulates body fat / helps in weight loss
- Improves fertility
- Slows down ageing
- Helps heal wounds / helps in fight cancer
- Improves cardiovascular health and beats hypertension
- Acts as an anti-carcinogenic

When we look back and think, the ancient customs reemerging, we must adopt in daily practice to be healthy. The Food and Drug Administrator (FDA) suggests that our body needs about 12mg of copper a day. This means that we can drink about two to three glasses of water from this copper vessel to reap its benefits. The overdo of this may be harmful for our well-being.

मस्ती भरी होली की एक शाम, श्याम के नाम

दिनांक 21 मार्च, 2017 को सायंकाल होली मिलन समारोह श्री मनोज कुमार गोयल जी एवं श्रीमती अर्चना गोयल जी के सौजन्य से उनके कुर्सी रोड स्थित फार्म हाउस में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सायंकाल लगभग 6 बजे दीपक प्रज्ज्वलन के साथ किया गया जिसके लिये श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय जी को एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष (भावना) इं.वी.के. शुक्ला जी को मंच पर आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इं. देवकी नन्दन शान्त जी कर रहे थे। दीपक प्रज्ज्वलन के साथ-साथ श्रीमती रेखा मित्तल जी द्वारा मंत्र उच्चारण भी किया गया जिसमें उनका साथ उनकी सखियों द्वारा भी दिया गया। इसके पश्चात 'भावना' का संकल्प गीत - भावना सहयोग सेवा स्वावलम्बन से चलें का जब श्री शांत, श्री अशोक मेहरोत्रा, श्री उदय भान पाण्डेय तथा श्री सुशील कुमार शर्मा द्वारा सस्वर गायन किया गया तो सभी आगन्तुकों ने खड़े होकर उसका इस्तकबाल किया। अतः ऊपर वर्णित सभी माननीय सदस्यों (जिनमें कलाकार भी सम्मिलित हैं) के संयुक्त प्रयास से एक अच्छे ढंग से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

तत्पश्चात श्री शांत जी ने 'भावना' के अध्यक्ष महोदय का मंच पर स्वागत एक मुक्तक प्रस्तुत करके किया। अध्यक्ष महोदय ने मंच पर आकर सभी को होली की बधाई दी तथा यह कहा कि इतना सुन्दर आयोजन जो किया गया है उसका श्रेय श्री मनोज कुमार गोयल जी एवं श्रीमती अर्चना गोयल जी को जाता है और साथ में श्रेय उन लोगों को भी जाता है जिन्होंने इस कार्यक्रम को Sponsor किया है। उनके नाम निम्नवत बताये गये - 1- श्री तुंगनाथ कन्नौजिया, 2- श्री प्रेम शंकर गौतम, 3- श्री लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला, 4- श्री रमेश प्रसाद जायसवाल, 5- श्री प्रदीप कुमार गोयल, 6- श्री दिनेश चन्द्र वर्मा, 7- श्री नरेन्द्र कुमार मित्तल, 8- श्री पदम मंगल त्रिवेदी, 9- श्री आदित्य प्रकाश सिंह।

अध्यक्ष महोदय ने बताया कि यह कार्यक्रम बहुत श्रमसाध्य होता है इसलिये बहुत लोग मिलकर इसे करते हैं और अब तक की परम्परा के अनुसार व्यय भी सब लोग मिलकर वहन करते हैं। अन्त में शुभकामनायें एवं आशीर्वाद वचन देते हुए अध्यक्ष महोदय ने अपनी बात समाप्त की। उपर्युक्त क्रम में एक भजन के लिये इं. सुशील कुमार शर्मा जी को मंच पर आमंत्रित किया गया। यह भजन सामूहिक गान के रूप में था जिसमें श्री शर्मा का साथ उनकी पत्नी श्रीमती सुशील कान्ता शर्मा, श्री नरेन्द्र नाथ जी तथा उनकी पौत्री Baby काशवी द्वारा दिया गया। काशवी की आयु मात्र 9 वर्ष बताई गई। इतनी छोटी आयु में उसने अपनी प्रतिभा दिखा दी तथा एक उभरते हुए बाल कलाकार के रूप में सामने आई। इस भजन के बोल थे-

तू ही ईश्वर तू ही मालिक तू ही है भगवान,
हम हैं तेरे बन्दे प्रभु जी हमको दो वरदान

कु. काशवी

श्री नरेन्द्रनाथ

श्रीमती सुशील कान्ता शर्मा

इस भजन की भाषा एवं गायन शैली श्रोतागण को बहुत पसन्द आयी तथा इस प्रकार गीत संगीत का प्रारम्भ भगवान का नाम लेकर हुआ। उसके पश्चात एक भजन श्रीमती शीला जायसवाल जी द्वारा प्रस्तुत किया जिसके बोल थे-

'अपने चरनों का दास बना ले, काली कमली के ओढ़न वाले'

यह भजन द्रुतलय में था जो श्रोताओं को बहुत पसन्द आया। अब होली की ओर अग्रसर होते हुए श्री शांत जी के द्वारा श्रीमती रेखा मित्तल जी, श्रीमती अर्चना गोयल जी, श्रीमती रेनू गौड़ जी, श्रीमती दया शुक्ला जी, श्रीमती सुनिष्ठा वार्ष्णेय जी, श्रीमती उषा कपूर जी एवं श्रीमती अरूणा गुप्ता जी को एक बृज के रसिया के लिये मंच पर आमंत्रित किया गया। इस प्रस्तुति का नाम था 'बाजूबंद रसिया' इसे एक सामूहिक गान के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें नृत्य श्रीमती रेनू गौड़ जी द्वारा किया गया। गायन और नृत्य दोनों ही उत्कृष्ट स्तर के थे तथा प्रस्तुति के अंत में श्रोतागण द्वारा जमकर ताली बजाई गई। इसके पश्चात संचालक महोदय द्वारा इं. उदय भान पाण्डेय जी

को आमंत्रित किया गया। श्री पाण्डेय जी ने विरह गीत प्रस्तुत किया गया जिसके बोल थे -

'फाल्गुन रुत आई मतवाली अजहू न आये साजन आली'

श्री पाण्डेय जी एक उत्कृष्ट स्तर के कवि एवं गायक हैं। यह दोनों गुण एक साथ होना भावना के लिये बड़े गर्व की बात है। उनका प्रस्तुति का स्तर बहुत ही अच्छा था जिसकी श्रोताओं द्वारा भरपूर प्रशंसा की गई। एतद्क्रम में साहित्य रत्न के रूप में पुरस्कृत इं. देवकी नन्दन शांत जी द्वारा एक अल्प गीत के द्वारा होली की बधाई दी गई। जिसके बोल थे- 'सबको मुबारक होली' और तालियों की गड़गड़ाहट में शांत जी ने अब इं. अशोक कुमार मेहरोत्रा जी को मंच पर आमंत्रित किया। श्री मेहरोत्रा जी ने जो गीत प्रस्तुत किया उसके बोल थे 'बह रही फागुनिया बयार मन में लेत हिलोरे प्यार, के होली आई है।' इस गीत में धार्मिक प्रसंग भी समावेशित थे। एक तो श्री मेहरोत्रा जी की दिलकश आवाज और उसी के साथ गीत में उत्कृष्ट भाव थे अतः श्रोतागण के दिलों को छू गया ये गीत जिसकी भरसक प्रशंसा श्रोताओं ने तालियां बजाकर की।

इस अवधि में हमारी भावना के प्रधान संपादक इं. अमरनाथ जी के द्वारा होली के Titles श्रोताओं में वितरित कर दिये, जिन्हें पढ़कर श्रोतागण मुस्करा रहे थे।

उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात आदरणीय अध्यक्ष महोदय इं. वी.के. शुक्ला साहब को आमंत्रित किया गया। श्री शुक्ला साहब द्वारा सर्वप्रथम एक कविता प्रस्तुत की गई जिसमें नारी के विभिन्न रूपों का चित्रण था, तत्पश्चात् उन्होंने एक Parody प्रस्तुत की जो फिल्म **शोला और शबनम** के गीत की धुन पर आधारित थी-गीत के बोल थे,

'एक-एक सांस मुझे अब तो हुआ भारी है
रात के ढेर में शोला है न चिंगारी है।'

यह गीत उस समय के इलेक्शन के वातावरण को देखते हुए बहुत उपर्युक्त था क्योंकि इसमें व्यंग्य भी था एवं हास्य भी था। अतः श्रोताओं ने खूब Enjoy किया एवं जमकर तालियां बजाई।

न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ मिश्र जी द्वारा एक गीत प्रस्तुत किया गया जिसके बोल थे - बदइया बाजे आंगना में, श्रोतागण को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि इस दीर्घ आयु में भी इनकी आवाज इतनी आकर्षक है। श्रोताओं द्वारा तालियां बजाकर भरसक प्रशंसा की गई।

श्री सुशील शंकर सक्सेना जी जो कि भावना के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं, द्वारा होली सम्बंधी एक रचना प्रस्तुत की जिसका उद्देश्य भावना के सदस्यों को होली की बधाई देना था। इसके बोल थे -

'आओ मिलकर साथ मनायें होली का त्यौहार।' यह प्रस्तुति होली के उत्सव के लिये अतिउत्तम थी, अतः श्रोताओं को बहुत पसन्द आयी। तत्पशात गीत के कार्यक्रम को थोड़ा विराम देते हुए परिवर्तन की दृष्टि से एक हास्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसका संदेश था कि यदि किसी के घर में कोई मेहमान आकर परेशान करने लगे तो इस समस्या का निदान कैसे किया जाये। इसमें चार महिला कलाकारों ने भाग लिया। भूमिकाएं निम्नवत् थी :-

1- श्रीमती रेखा मित्तल जी - बेगम का अभिनय
2- रेनू गौड़ जी - मियां का अभिनय
3- श्रीमती अर्चना गोयल जी - खान साब का अभिनय
4- श्रीमती अरुणा गुप्ता जी - बीवी का अभिनय

ड्रेस एवं मेकअप अतिउत्तम था। अभिनय तो ऐसा था मानो जैसे Poona Film Institute से प्रशिक्षित हों। अतः हास्य नाटिका के अंत में श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई।

तत्पचात श्री हरीश चन्द्र शुक्ला जी द्वारा अपने पूज्य पिताजी की एक रचना प्रस्तुत की - जिसके बोल थे चांदी का दिवस आज, रात आज सोने की मनचाही यादों की मनचाही होने की।

होली के पर्व की दृष्टि से देखा जाये तो यह एक उत्कृष्ट रचना थी जिसमें होली किस तरह मनाई जाती है,

इसका समावेश था। अतः श्रोतागण को बहुत पसंद आई तथा शांत जी ने शुक्ला जी को इस गीत के प्रस्तुतिकरण के लिये अपनी तरफ से भी बधाई दी। इसके पश्चात् हास्य रस की कमी को पूर्ण करने के लिये इं. पी.के. चौरिसया जी को बुलाया गया। उन्होंने मंच पर आते ही पूछा क्या मेरी आवाज सबको सुनाई दे रही है, जिसको ना सुनाई दे वो हाथ खड़ा करे। फिर स्वयं ही बोले लेकिन ये हो कैसे पायेगा? श्री चौरसिया हास्य रस के विशेषज्ञ दिखाई दिये तथा जब तक मंच पर बने रहे वे सभी को हंसाते ही रहे। उनकी इस कला की श्रोतागण द्वारा बहुत प्रशंसा की गई। इसके पश्चात श्री मनोज कुमार गोयल जी की नातिन (Grand Daughter) कु. इवा तथा उनके भाई इवान के द्वारा वाद्य यंत्र पर एक फिल्मी गीत 'ये शाम मस्तानी मदहोश किये जाये मुझे डोर कोई खींचे तेरी ओर लिये जाये' की धुन बजाई। यह धुन शत-प्रतिशत accurate बजाई गई। जिसका Musical Effect उत्कृष्ट स्तर का था। अतः श्रोतागण spell bound हो गए। Item के अंत पर जमकर तालियां बजी।

इसी बीच जिन महिला कलाकारों का कार्यक्रम अतिमनोरंजक था उनको पुरस्कृत करने के लिये मंच पर आमंत्रित किया गया। इस कार्य हेतु मुख्य व्यय भार महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की ओर से श्रीमती अर्चना गोयल जी द्वारा वहन किया गया तथा रु. 1100/- का वित्तीय अंशदान भावना द्वारा भी वहन किया गया।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में निम्नलिखित भावना के माननीय सदस्यों को उनके नाम के समक्ष इंगित कार्यक्रम हेतु पुरस्कृत किया गया -

1. श्रीमती रेखा मित्तल जी - एक गीत, सामूहिक गीत एवं हास्य नाटिका में बेगम के अभिनय के लिये।
2. श्रीमती अरुणा गुप्ता जी - एक सामूहिक गीत एवं हास्य नाटिका में बीवी के अभिनय के लिये।
3. श्रीमती अर्चना गोयल जी- एक सामूहिक गीत एवं हास्य नाटिका में खानसाहब के अभिनय के लिये।
4. श्रीमती रेनू गौड़ जी - नृत्य एवं हास्य नाटिका में मियां के अभिनय के लिये।
5. श्रीमती दया शुक्ला जी - एक सामूहिक गीत के लिये।
6. श्रीमती सुनिष्ठा वार्ष्णेय जी - " " "
7. श्रीमती उषा कपूर जी - " " "
8. कु. इवा एवं इवान - Instrumental Music के लिये

कार्यक्रम के अंत में इं. सुशील कुमार शर्मा जी को एक होली गीत के लिये आमंत्रित किया गया। शर्मा जी ने देवकी नन्दन शांत जी का लिखा हुआ एक गीत जिसकी धुन उन्होनें स्वयं बनाई है प्रस्तुत किया। यह गीत द्रुतलय पर आधारित था जिसके बोल थे - 'उन्होंने ईद होली ढूंढ ली है इधर हमने भी टोली ढूंढ ली है' इस गीत पर यंत्रों के वादन का Musical Effect इतना लुभावना था कि श्रोतागण मुग्ध हो गये एवं अंतिम प्रस्तुति होने पर भी सभी ने बहुत Enjoy किया एवं अंत में उपस्थित सभी ने खूब तालियां बजाई। इसके पश्चात समाप्ति स्वरूप दो शब्द श्री सुशील शंकर सक्सेना जी ने बोले और ऐसा लगा कि कार्यक्रम समाप्त हो गया है। परन्तु इसी बीच शांत जी ने एक नगमा छेड़ दिया जिसके बोल थे 'चलो एक बार फिर से हम गले लग जायें होली में'। इस गीत का इतना प्रभावशाली असर था कि यद्यपि खाना लग चुका था परन्तु सब इस गीत को सुनने के बाद ही खाने के लिये रवाना हुए। वास्तव में ऐसा लग रहा था कि इस गीत के बिना तो कार्यक्रम ही अधूरा था। इसके पश्चात शांत जी ने वाद्य कलाकारों का परिचय कराया जिसका विवरण निम्नवत है :-

1- श्री भरत मिश्रा-तबले पर, 2-मज़हर, सिन्थेसाइजर पर, 3- श्री छवि ज्योति - ढोलक पर

इस प्रकार श्री शांत जी ने बड़े अच्छे ढंग से कार्यक्रम की समाप्ति की। भवाना के लिये यह गर्व की बात है कि एक ही व्यक्ति में इतने गुण हैं कि वे कवि, गायक, संयोजक एवं उद्घोषक सभी पहलूओं पर निपुण है। अंत में खाना खाने के बाद प्रसन्नचित अवस्था में सभी विसर्जित हुए।

इं. सुशील कुमार शर्मा
सम्पादक

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की जयशंकर प्रसाद सभागार, कैसरबाग, लखनऊ में 14 फरवरी 2017 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य से : माननहीय श्री रमाकान्त पाण्डेय, श्री विनोद कुमार कपूर, श्री हरीश चन्द्र शुक्ला, श्री तीरथ राज मौर्य तथा श्री तीर्थ रंजन गुप्ता

उपस्थिति : प्रबंधकारिणी के संरक्षक, प्रबंधकारिणी के सदस्य तथा स्थाई आमंत्री : 1. श्री विनोद कुमार शुक्ल, अध्यक्ष, 2. श्री सुशील शंकर सक्सेना, उपाध्यक्ष, 3. श्री तुंग नाथ कनौजिया, उपाध्यक्ष, 4. श्री राम लाल गुप्ता, प्रमुख महासचिव, 5. श्री जगत बिहारी अग्रवाल, महासचिव (प्रशासन), 6. श्री रमाकान्त पाण्डेय, उपमहासचिव, 7. श्री जगमोहन लाल जायसवाल, उपमहासचिव, 8. श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला, उपमहासचिव, 9. श्री प्रेम शंकर गौतम,कोषाध्यक्ष, 10. श्री आदित्य प्रकाश सिंह, सह-कोषाध्यक्ष, 11. श्री मनोज कुमार गोयल, सम्प्रेक्षक, 12. श्रीमती अर्चना गोयल, सचिव, 13. श्री अमरनाथ, सचिव (प्रधान सम्पादक) 14. डॉ. छेदा लाल वर्मा, सचिव, 15. श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी, 16. श्री विश्वनाथ सिंह, 17. श्री राम मूर्ति सिंह, 18. श्रीमती रंजना मिश्रा 19. श्रीमती आशा गोयल, 20. श्री विनोद कुमार कपूर, 21. श्री सुशील कुमार शर्मा, 22. श्री रामानंद मिश्रा, 23. श्री राजदेव स्वर्णकार, 24. श्री अरुण कुमार, 25. श्री शिव नारायण अग्रवाल, 26. श्री ललित कुमार, 27. श्री सुशील कुमार तथा 28. श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्षस, एन.सी. आर. शाखा। **अन्य विशिष्ट सदस्य तथा विशेष आमंत्री :** 1. श्रीमती दया शुक्ल, 2. श्रीमती कीर्तिलता गुप्ता, 3. श्रीमती मंजुला सक्सेना, 4. श्री जगमोहन लाल वैश्य, 5. श्रीमती सुबोध वैश्य, 6. श्रीमती प्रीति शुक्ला, 7. श्री हरीश चन्द्र शुक्ला, 8. श्री तीरथ राज मौर्य, 9. श्री राम अवतार गुप्ता, 10. श्रीमती कुसुम गुप्ता, 11. श्री तीर्थ रंजन गुप्ता, 12. श्री राम कुमार श्रीवास्तव, 13. श्री कपिल देव त्रिपाठी, 14. श्री अवधेश कुमार सिंह राठौर, 15. श्री आनंदेश्वर शंकर प्रसाद, 16. श्रीमती संतोष बाला अग्रवाल, 17. श्रीमती सावित्री देवी, 18. श्रीमती अर्चना सिंह, 19. श्रीमती सुशील कांता शर्मा, 20. श्री नरेश भार्गव, 21. श्री ओम प्रकाश पाठक, 22. श्रीमती गंगोत्री पाठक, 23. श्रीमती सुमन गर्ग, 24. श्री गुरू दयाल शुक्ला, 25. डॉ. पार्थ प्रॉतिम, सचिव, स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संसीान, 26. श्री राम स्वरूप यादव, सचिव, वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी

अनुपस्थित पदाधिकारी : 1. श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, महासचिव (कार्यान्वयन), 2. श्री अशोक कुमार मल्होत्रा, महासचिव, (एडवोकेसी), 3. श्री संत पाल सिंह, उपमहासचिव, 4. श्री देवकी नंदन शांत, सचिव, 5. डॉ. नरेन्द्र देव, सचिव, 6. श्री पाल प्रवीण, सचिव, 7. डॉ. श्रीराम सिंह सचिव, 8. श्री सत्य देव तिवारी, 9. श्री पुरुषोत्तम केशवानी, 10. श्री कृष्ण कुमार वर्मा, 11. श्री रमेश प्रसाद जायसवाल, 12. श्री शैलेन्द्र कुमार तिवारी, 13. डॉ. अवनीश अग्रवाल, 14. श्रीमती श्याम बाला सिंह, 15. श्रीमती रेखा मित्तल, 16. श्रीमती वीना सक्सेना, 17. श्री सुमेर अग्रवाल, 18. श्री सत्य नारायण गोयल, 19. श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा, 20. श्रीमती सरोजिनी सिंह, 21. श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल, 22. श्री चन्द्र भूषण तिवारी, 23. श्री उदय भान पाण्डेय, 24. श्री अशोक कुमार, 25. श्री विनोद चन्द्र गर्ग, 26. श्री आनन्द कुमार, 27. डॉ. सुशील कुमार मित्तल, 28. श्री सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी, 29. श्री नरेन्द्र कुमार मित्तल, 30. श्री राम बाबू गंगवार, 31. श्री इन्द्र कुमार भारद्वाज, 32. श्री दीपक कुमार पंत, 33. श्री महेश चन्द्र निगम, 34. श्री हरीश चन्दर, 35. श्री प्रदीप कुमार गोयल, 36. डॉ. अमित कुमार सिंह, 37. श्री श्रीराम बाजपेयी, 38. डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया, 39. डॉ. भानु प्रकाश सिंह, 40. श्री राजेन्द्र नाथ कालड़ा, 41. प्रो. काशीराम कनौजिया, 42. श्री सुभाष मणि तिवारी, 43. श्री युगल किशोर गुप्ता तथा 44. श्री राजेन्द्र कुमार चुघ।

कार्यवाही विवरण :

माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

1. प्रबन्धकारिणी की 22 अक्टूबर 2016 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया गया।

2. भावना के नये बने सदस्यों का परिचय कराया गया। इन सदस्यों में श्री अवधेश कुमार सिह राठौर, श्री ओम प्रकाश पाठक, श्रीमती गंगोत्री पाठक, श्री आनंदेश्वर शंकर प्रसाद, श्रीमती संतोष बाला अग्रवाल, श्री गुरू दयाल शुक्ला, श्री राम कुमार श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी के सचिव श्री राम स्वरूप यादव के नाम उल्लेखनीय हैं। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से नये सदस्यों का स्वागत किया।

3. प्रमुख महासचिव श्री राम लाल गुप्ता ने 5 मार्च 2017 को होने वाले सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन में पढ़े जाने वाले प्रतिवेदन को सभा में अनुमोदन हेतु पढ़कर सुनाया, सभा ने कुछ संशोधनों के साथ उसे अनुमोदित कर दिया। प्रतिवेदन का संशोधित करने के लिये अध्यक्ष महोदय को अधिकृत कर दिया गया।

4. महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्री प्रेम शंकर गौतम ने सभा के समक्ष 5 मार्च, 2017 को होने वाले सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन में प्रस्तुत किये जाने वाले वित्तीय अभिलेखों को निम्नानुसार पढ़कर सुनाया :

4.1 वर्ष 2015-16 की चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित तथा सम्प्रेक्षक द्वारा परीक्षित बैलेन्स शीट तथा आय-व्यय लेखा प्रपत्र आदि जिसे सभा ने अनुमोदित कर दिया।

4.2 वर्ष 2015-16 के बजट की विभिन्न मदों के सापेक्ष हुए वास्तविक आय-व्यय का तुलनात्मक विवरण पढ़कर सुनाया जिसे सभा ने अनुमोदित कर दिया।

4.3 वर्ष 2017-18 का प्रस्तावित बजट पढ़कर सुनाया जिसे सभा ने आंशिक संशोधनों के साथ अनुमादित कर दिया।

5. समिति के अति-वरिष्ठ नागरिक (आयु 80 वर्ष या अधिक) सदस्यों का अभिनन्दन सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन में करने पर सभा में विचार किया गया। महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल ने 80 वर्ष तथा अधिक आयु के 30 सदस्यों की सूची सभा के समक्ष रखी जिस पर सभा ने सभी 30 सदस्यों को महाधिवेशन में अभिनन्दन करने हतु निमंत्रित करने का निर्णय लिया।

6. वर्तमान सत्र में सर्वोत्तम/उत्तम कार्य करने वाले सदस्यों का निर्धारण तथा महाधिवेशन में उन्हें सम्मान स्वरूप दिये जाने वाले स्मृति चिन्ह का निर्धारण करने पर विचार सभा में किया गया, सभा द्वारा इस कार्य हेतु बनाई गई कमेटी जिसमें अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष हैं, को अधिकृत किया गया।

7. सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन जो 5 मार्च 2017 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग, लखनऊ में होना है उसकी समस्त व्यवस्थायें सुनिश्चित करने का दायित्व उपाध्यक्ष श्री तुंगनाथ कनौजिया व महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल को सौंपा गया।

8. अध्यक्ष, महोदय ने सभा को अवगत कराया कि सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन के मुख्य अतिथि का चयन 1-2 रोज में हो जायेगा।

9. एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा के प्रस्ताव पर विचारोपरांत निर्णय लिया गया कि श्री विजय कृष्ण शुंगलू, भारत के निवर्तमान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, को भावना का मानद संरक्षक सदस्य मनोनीत कर दिया जाए।

10. विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ के सदस्य माननीय श्री सुशील कुमार की अनुशंसा के अनुरूप श्री अवधेश कुमार सिंह राठौर, विशिष्ट सदस्य, को उनकी सहमति लेकर तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक के लिए प्रकोष्ठ का सचिव/संयोजक मनोनीत कर दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से तथा अपनी ओर से भी अध्यक्ष महोदय ने बैठक के मेजबान सदस्य माननीय श्री रमाकांत पाण्डेय, श्री विनोद कुमार कपूर, श्री हरीश चन्द्र शुक्ला, श्री तीरथ राज मौर्य तथा श्री तीर्थ रंजन गुप्ता को धन्यवाद दिया एवं सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

जगह बिहारी अग्रवाल
महासचिव (प्रशासन)

NCR Branch - Annual General Meeting

Date: 19th March 2017. **Venue:** RWA Premises, A-107A, Sector 30, Noida-201303

Attendance: 32 out of 96 eligible voting members, 2 out of 4 volunteer members and 8-Guests (Non-members) were present as per attendance register. Quorum Complete
Objective of AGM: Conduct of Elections to the posts of President and Secretary

Meeting Details:

1. **Inaugural Session** started at 4:30 PM and was comprised of following events:
a. Welcome address by the President and brief Introduction of BHAVANA
b. Chanting of BHAVANA Sankalp Geet
c. Introduction of Guest Speaker by Dr. Mukul Chaturvedi
d. Presentation of Flowers to Guest Speaker
e. Talk on "Healthy Ageing" by Guest Speaker "Dr Anil Chaturvedi"
f. Question & Answer Session
g. Presentation of Memento to Guest Speaker by the President, BHAVANA-NCR
h. Vote of Thanks by Shri A C Mathur, Secretary, BHAVANA-NCR Branch
2. Annual General Meeting started at 6:00 PM with following events:

a. The Secretary suggested approval by AGM of the Minutes of "Management Committee" meeting dated 29th Nov 2016. It was observed by members present that such minutes of any Committee are normally approved in the subsequently held meeting of the same Committee. Approval by the AGM is not the practice. However, on insistence by the Secretary, the AGM allowed him to read out the Minutes. The same was approved by the AGM without any alteration.

b. Objections raised by the Secretary on validity of the convened AGM in absence of Audited Accounts was responded by the President as under:

i. Secretary himself was responsible for maintenance of accounts and auditing thereof.

ii. He should have been aware that accounts for the tenure 2015-16 were audited in September/ October of 2016-17 together with BHAVANA HQ accounts and had already been accepted by the AGM of BHAVANA HQ, which was recently held on 5th March 2017 at Lucknow. "In regard to 2016-17, the accounts are needed to be submitted by NCR Branch to BHAVANA HQ after the close of financial year. The needed audit would be got done in due course and is needed to be passed in AGM of BHAVANA HQ

iii. The agenda of this AGM covered presentation of unaudited accounts for 2016-17. The same is needed to be presented by Secretary.

c. Secretary's Report (attached) was read out by Shri A C Mathur for the tenures 2015-16 and 2016-17. The same was approved.

d. AGM of BHAVANA Lucknow- Shri Arun K Saxena, the Central Observer informed the AGM of BHAVANA-NCR of special honour accorded to Shri Anil K Sharma, President, BHAVANA-NCR during AGM of BHAVANA held on 5th March 2017 at Lucknow for his exemplary performance during 2016-17 for following

i. Conducting Training Programme for Professionals of GAIL (India) Ltd and contributing to the income of BHAVANA

ii. Increasing membership of BHAVANA by enrolling 25 new members of BHAVANA

iii. Exemplary performance of NCR Branch amongst all branches of BHAVANA

e. Elections to the Posts of President and Secretary:

i. The Election Officer (Shri Anil Kumar Verma) Chaired and the Central Observer (Shri Arun K Saxena) Co-chaired the election process as under:

a. On invitation of Nominations by the Election Officer from amongst those present, one nomination each was received for the posts of President and the Secretary as under:

Post	Nominated Member	Proposed by	Supported by	Accepted by
President	Anil Kumar Sharma (A-59/621)	Anil Kumar Pandey (A-76/747)	Alok Sharma (A-73/730)	Anil Kumar Sharma (A-59/621)
Secretary	Dr Mukul Chaturvedi (M-42/732)	Jai Prakash Chaturvedi (J-21/713)	Anil Kumar Sharma (A-59/621)	Dr Mukul Chaturvedi (M-42/732)

b. The nominations were declared valid by the Election Officer as per extant Bhavana Rules (last updated on 28-02-2016). None sought the withdrawal of their nominations.

c. In absence of any contestant, the aforesaid nominees i.e. **S/ Shri Anil Kumar Sharma and Dr Mukul Chaturvedi were declared elected as unopposed by the Election Officer.**

ii. **Oath of Allegiance:** After declaration of election results, the elected President Shri Anil K Sharma and the elected Secretary Dr Mukul Chaturvedi were administered the oath of allegiance by the Central Observer Shri Arun K Saxena .

This was done before the AGM of BHAVANA-NCR to adhere to the objectives of BHAVANA.

महाशिवरात्रि पर विराजमान हुए 112 फीट ऊंचे महादेव

आदियोगी : विश्व में शिव की सबसे ऊंची प्रतिमा - तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित वैल्लिगिरी की पहाड़ियों की तलहटी में महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान शिव की विशाल प्रतिमा 'आदियोगी' का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 फरवरी 2017 को अनावरण किया। इसका निर्माण कराने लिए ईश फाउंडेशन के मुताबिक शिव ने आदियोगी के रूप में मनुष्य को उसकी परम प्रकृति तक पहुंचने की 112 संभावनाओं के बारे में बताया है। इसे बनाने में इस्तेमाल की गई तकनीक का इससे पहले कभी कहीं और प्रयोग नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाशिवरात्रि पर ईशा योग केंद्र में 'आदियोगी' शिव के 112 फूट आवक्ष प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस भव्य चेहरे की डिजाइन और प्राण-प्रतिष्ठा ईशा फाउण्डेशन के संस्थापक सदगुरू जग्गी वासुदेव ने की। वासुदेव के मुताबिक धरती के इस सबसे विशाल चेहरे की प्रतिष्ठा आदियोगी शिव के मानवता को अनुपम योगदान के सम्मान में की गई है। शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव हर जगह मौजूद हैं। उनका परिवार शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का सबसे अच्छा उदाहरण है। उनका वाहन नंदी बैल है। उनके बच्चों गणपति और कार्तिकेय के वाहन मोर और मूषक हैं। शिव के गले में सांप लटका रहता है। ये सभी परस्पर विरोधी जीव शिव के परिवार में शांतिपूर्वक साथ-साथ रहते हैं। इसी तरह देश की जनता को भी आपसी विभिन्नता के बावजूद एकता बनाकर रहना है। मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत में तमिल भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रतिमा का लोकार्पण करने के बाद मोदी ने भगवान शिव की पूजा और आरती भी की।

स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान
डॉ. जी. पार्थ प्रॉतिम, सचिव
फोन : 0522–6592459 / 09235878417
ई. मेल: drparthaprotimgain@yahoo.com

कॉमर्सियल टैक्स रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (COMRAN)
मदन मोहन कटियार, कोषाध्यक्ष
फोन : 09412207784
ई. मेल: madanmkatiyar@yahoo.in

परमहंस योगानन्द सोसायटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एन्ड मोल्डिंग (PYSSUM)
डॉ. नवल चन्द्र पंत, अध्यक्ष एवं अधिशाषी निदेशक
फोन : 0522–6545944 / 09452062323
ई. मेल: pyssum@gmail.com

श्री तारीफ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट
श्रीमती शिखा सिंह, मडासचिव
फोन : 09990103691

रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा
अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष
फोन : 08874924774

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी
राम स्वरूप यादव, सचिव
फोन : 09455508230
ई. मेल: yadav.ramswaroop@yahoo.com

विद्युत पेन्शनर्स परिषद उत्तर प्रदेश
श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख महासचिव
फोन : 0522–2636011
ई. मेल: vidyutpensioners_lko@rediffmail.com

वेटरन सहायता समिति
कैप्टेन (डॉ.) आर.वाई.एस. चौहान, उपाध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष
फोन : 09935713181
ई. मेल: redhyanprem@yahoo.co.in

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) मौली
हरि नारायण शुक्ल, अध्यक्ष
फोन : 09415768055

पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति
विमलेश दत्त मिश्र, सचिव
फोन : 09412417108

सदस्य, भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
विजय श्री फाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा)
विशाल सिंह, सचिव
फोन : 09935888887
ई. मेल: vishalvirat@gmail.com

एल.एस.जी.ई.डी./
उ.प्र. जल निगम पेंशनर्स एसोसिएशन
नवीन चन्द्र पाण्डेय, महासचिव
फोन : 0522–2352748 / 09450365052
ई. मेल: ncpandey32@rediffmail.com

प्रबंधकारिणी के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य

अध्यक्ष
विनोद कुमार शुक्ल
मुख्य महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन : 0522–4016048 / 09335902137,
ई. मेल : vk_shukla@hotmail.com

उपाध्यक्ष
तुंग नाथ कनौजिया
अधिशासी अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 09936942923 / 08738948562
ई. मेल: kartikeya.investments@yahoo.co.in

महासचिव(प्रशासन),
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
जगत बिहारी अग्रवाल
वरिष्ठ अधिशासी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. जल निगम,
फोन : 0522–3245636 / 09450111425
ई. मेल : jagatagarwal2@gmail.com

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
सुशील शंकर सक्सेना
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2350763 / 09415104198
ई.मेल: sushilshanker2003@yahoo.com

प्रमुख महासचिव
राम लाल गुप्ता
उप कृषि निदेशक (से.नि.), उत्तर प्रदेश
फोन : 0522–2392341 / 09335231118
ई मेल: guptarlguptalko67@gmail.com

महासचिव(कार्यान्वयन),
योगेन्द्र प्रताप सिंह
जिला उद्यान अधिकारी (से.नि.),
उद्यान विभाग, उ.प्र.
फोन: 09412417108
ई.मेल: yogendrapratap610@gmail.com

महासचिव(एडवोकेसी)
अशोक कुमार मल्होत्रा
चीफ मैनेजर (प्रोजेक्ट्स) (से.नि.),
एच.ए.एल., लखनऊ
फोन : 0522-2357738 / 09451133617
ई मेल: akmalhotra123@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(प्रशासन)
संयोजक, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
जगमोहन लाल जायसवाल
सहायक अभियंता (से.नि.),
सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन: 09450023111

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(एडवोकेसी)
संयोजक, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ तथा
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सतपाल सिंह
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन: 09839043458
ई.मेल: satpalsngh@yahoo.com

सह–कोषाध्यक्ष
सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
आदित्य प्रकाश सिंह
स्पेशल असिस्टेंट (से.नि.),
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया
फोन: 09628180153

सह–कोषाध्यक्ष (अस्थाई सृजित अतिरिक्त पद)
हरीश चन्द्र शुक्ल
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.), सिन्डिकेट बैंक
फोन: 09455275441 / 08400121385
ई.मेल: shukla.harish@yahoo.co.in

सचिव, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ, प्रधान सम्पादक,
सम्पादन प्रकोष्ठ, सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी, कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
अमर नाथ
जूनियर इंजीनियर (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 09451702105

सचिव, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
डॉ. नरेन्द्र देव
वरिष्ठ अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2356158 / 09451402349
ई. मेल : deonarendra740@gmail.com

सचिव, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ तथा सदस्य, सहयोग एवं
सेवा प्रकोष्ठ– प्रभारी महानगर तथा आस पास का क्षेत्र
राजेन्द्र कुमार चुघ
वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. निर्यात निगम
फोन: 0522–2330614 / 09450020659
ई.मेल: rajanchugh53@gmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध प्रमुख महासचिव
संयोजक, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ
रमा कान्त पाण्डेय
अपर सचिव (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन: 0522–2355973 / 09839395439 / 09415534568
ई.मेल: aark_p@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(कार्यान्वयन)
संयोजक, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ एवं सदस्य,
सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ– प्रभारी, इन्दिरानगर तथा आसपास का क्षेत्र
देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–4008191 / 09198038889
ई.मेल: devpreet1977@yahoo.com

कोषाध्यक्ष
प्रेम शंकर गौतम
महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2713283 / 09451134894

सम्प्रेक्षक
संयोजक, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
मनोज कुमार गोयल
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद
फोन : 0522–2329439 / 09335248634
ई. मेल : goel_mk10@rediffmail.com

सचिव, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती अर्चना गोयल
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522–2329439 / 09389193715

सचिव, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
देवकी नन्दन 'शांत'
उप महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 09935217841 / 09389098841
ई. मेल : deokinandan@medhaj.com

सचिव, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
पाल प्रवीण
अध्यक्ष (से.नि.),
काशी ग्रामीण बैंक (यूनियन बैंक का उपक्रम)
फोन: 09919238189
ई.मेल: palpravin@rediffmail.com

सचिव, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
सुभाष चन्द्र विद्यार्थी
जूनियर इंजीनियर (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन: 0522–2756481 / 09415151323
ई.मेल: vidyarthisubhashchandra@gmail.com

सचिव, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी निशाला नगर तथा आस पास का क्षेत्र
डॉ. छेदा लाल वर्मा
प्रोफेसर (से.नि.), बौटनी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
फोन: 0522–2787872 / 09919960317
ई.मेल: dr.clverma@rediffmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
सत्य देव तिवारी
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.), यूनियन बैंक ऑफ इन्डिया
फोन: 0522–2772674 / 09005601992
ई. मेल : satyadeo1948@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
विनोद कुमार कपूर
फेकल्टी (से.नि.), कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पंतनगर
फोन: 0532–2321002 / 09984245000
ई.मेल: vinodhkapur@rediffmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ
शैलेन्द्र कुमार तिवारी
चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर (से.नि.), एच.ए.एल.
फोन : 0522 2701126 / 4011486 / 09450664880
ई. मेल : shalkirty@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
सदस्य, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
राम मूर्ति सिंह
सहायक अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन: 09415438548
ई.मेल: rmmurtisingh231218@gmail.com

सह–सम्पादक, भावना प्रकाशन
सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. अवनीश अग्रवाल
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
फोन: 09451244456
ई.मेल: dravneesh@yahoo.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
श्रीमती रेखा मित्तल
फोन : 0522 2746662 / 09415089151

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती रंजना मिश्रा
फोन: 0522–4017161 / 09415759280
ई.मेल: ranjanamisra50@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सुमेर अग्रवाल
व्यापारी–तीरथ पीके वेन्चर
फोन: 0522 3919319 / 09415025151
ई.मेल: sumeragarwal@gmail.com

सचिव, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
अवधेश कुमार सिंह राठौर
भारतीय प्रशासनिक सेवा (से.नि.)
फोन : 0522–2328112 / 09452687233
ई.मेल: to.aksrathore@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
पुरुषोत्तम केसवानी
वरेष्ठ प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया
फोन: 0522–2321461 / 09450021082 / 08604967902
ई.मेल: purshottam.keswani@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
रमेश प्रसाद जायसवाल
अपर आयुक्त ग्रेड–1 (से.नि.),
उ.प्र. वाणिज्य कर विभाग
फोन: 09760617045
ई.मेल: jaiswalrp1954@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ,
सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
विश्व नाथ सिंह
प्रगतिशील कृषक,
फोन: 09415768055
ई.मेल: yogendra.lko20@yahoo.com

सम्पादक, भावना प्रकाशन, सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी जानकीपुरम (विस्तार सहित) एवं आसपास
सुशील कुमार शर्मा
अपर निदेशक (से.नि.), प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.
फोन: 0522–2735951 / 08765351190
ई.मेल: sksharma.ed@gmail.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
श्रीमती श्याम बाला सिंह
फोन: 0522–2739439 / 09565945179
ई.मेल: dramvira@gmail.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती वीना सक्सेना
फोन: 09415103378

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती आशा गोयल
फोन : 09415470638
ई. मेल: arvindasha68@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सत्य नारायण गोयल
व्यवसायी (ब्लूम पाइप तथा लॉकिंग टाइल्स निर्माता)
फोन: 09335243519

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सिद्धेश्वर नाथ शर्मा
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन: 07524968080
ई.मेल: siddheshwar.sharma@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
गुरू दयाल शुक्ला
जिला लेखापरीक्षा अधिकारी (से.नि.), वित्त विभाग, उ.प्र.
फोन: 0522–2759277 / 09415003605

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्रीमती सरोजिनी सिंह
शैक्षिक (से.नि.), शिक्षा विभाग, म.प्र.
फोन: 09415058975
ई.मेल: s12soji@yahoo.co.in

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
शैलेन्द्र मोहन दयाल
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र.रा. विद्युत परिषद
फोन: 0522–2446086 / 09455550616
ई.मेल: smdayal39@gmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
महेश चन्द सक्सेना
उप महाप्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2423567 / 08960687921
ई.मेल : mcsaxena000@gmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
चन्द्र भूषण तिवारी
पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता
फोन: 09415910029

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
उदय भान पाण्डेय
मुख्य महाप्रबंधक, उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2393436 / 09415001459
ई मेल udaibhanp@yahoo.com

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अशोक कुमार
अधिशासी निदेशक (से.नि.), उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कार्पो. लि.
फोन: 0522–2780177 / 09794122946
ई.मेल: mehrotra_ak2006@yahoo.co.in

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी राजेन्द्रनगर, मोतीनगर, आर्यनगर, ऐशबाग
एवं आसपास का क्षेत्र
विनोद चन्द्र गर्ग
व्यापारी– चन्द्रा मेटल कम्पनी, लखनऊ
फोन : 0522–2339298 / 09415012307

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी विकास नगर एवं आसपास का क्षेत्र
रामा नन्द मिश्रा
उप निदेशक (से.नि.), दूर–दर्शन, लखनऊ
फोन: 0522–4017161 / 09415062778
ई.मेल: rnmisra48@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी अलीगंज एवं आस पास का क्षेत्र
ओम् प्रकाश पाठक
विशेष सचिव (से.नि.), अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उ.प्र.
फोन: 0522–2323726 / 09415022932
ई.मेल: pathak.op@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी गोमती नगर का सम्पूर्ण क्षेत्र
तीर्थराज मौर्य
शाखा प्रबंधक (से.नि.), यूनियन बैंक ऑफ इन्डिया
फोन: 09412169590
ई.मेल: rajmaurya1950@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी त्रिवेणीनगर, प्रियदर्शिनीनगर, केशवनगर सहित सीतापुर रोड तथा
आईआईएम रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
दीन बन्धु यादव
क्षेत्रीय प्रबंधक (से.नि.),
उ.प्र. सह. ग्राम विकास बैंक लि.
फोन: 0522–6533261 / 09956768187

सदस्य, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
सुरेन्द्र नारायण सिंह टण्डन
उपायुक्त (से.नि.),
वाणिज्यकर विभाग, उ.प्र.
फोन: 09651562123
ई.मेल: snstandon54@gmail.com

सदस्य, भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
नरेश भार्गव
जी.एस.सी. मुख्यालय में सेवारत
फोन: 09918927315 / 08188057464

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अरुण कुमार
महाप्रबन्धक (से.नि.), उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लि.
फोन : 09839420999 / 09838203598
ई. मेल : arunksaxena1949@rediffmail.com

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
इन्द्र कुमार भारद्वाज
उप महाप्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन: 09415911702
ई.मेल: ikbhllkw@yahoo.co.in

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
महेश चन्द्र निगम
सहायक अभियन्ता, वि./यां. (से.नि.),
लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2325716 / 09335905126
ई.मेल: maheshnigam77@yahoo.com

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
राजदेव स्वर्णकार
मुख्य प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया
फोन: 0522–4045984 / 09450374814
ई.मेल: rajdeo.swarnkar@yahoo.in

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
डॉ. अमित कुमार सिंह
फिजियोथेरेपिस्ट (परास्नातक)
फोन: 09565998001
ई.मेल: draksingh301280@yahoo.com

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
कपिल देव त्रिपाठी
भारतीय प्रशासनिक सेवा (से.नि.)
फोन : 0522–2395443 / 09935045827
ई.मेल: kdt0811@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ.(कु) अंजली गुप्ता
मनोचिकित्सक, नूर मंजिल मनोचिकित्सा केन्द्र
फोन: 09935224997
ई.मेल: njl_omer@yahoo.co.in

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. भानु प्रकाश सिंह
प्रोफेसर (से.नि.), कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद
फोन: 09450786586 / 07408274462
ई.मेल: bpskn2014@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियों एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
सुभाष मणि तिवारी
अग्निशमन अधिकारी (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन: 09415086952 / 07054065111
ई.मेल: smt1946@yahoo.co.in

संस्थापक सदस्य
हरिवंश कुमार तिवारी
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन: 07259936899 ई. मेल: harivanshsavitri@gmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
शिव नारायन अग्रवाल
पूर्व सी.एम.डी., उ.प्र. जलविद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 0522–2326000 / 09839022390 / 09415313364
ई.मेल: agarwalsn@rediffmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
हरीश चन्दर
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन: 0522–4011541 / 09696670165

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
ललित कुमार
जे.एम.टी., लेसा
फोन: 09455836176

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
सुशील कुमार
आई.ए.एस. (से.नि.), पूर्व मंडलायुक्त, बस्ती
फोन: 09415086130
ई.मेल: sushil.alka@gmail.com

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री राम वाजपेयी
डिप्टी कमिश्नर (से.नि.), वाणिज्यकर विभाग, उ.प्र.
फोन: 0522–2399000 / 09415367088
ई.मेल: shriram_vajpayee@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया
निदेशक (से.नि.), नियोजन विभाग, उ.प्र.
फोन: 09450390052
ई.मेल: ysb40@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
प्रो. काशी राम कनौजिया
निदेशक (से.नि.), कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर
फोन: 09411159498
ई.मेल: kashiramkanaujia@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
युगल किशोर गुप्त
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन : 08756125555
ई मेल: yugalbina@yahoo.co.in

संस्थापक सदस्य
अशोक कुमार मिश्र
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
भारतीय रेल सेवा
फोन : 0522–2782136 / 2782137

संस्थापक सदस्य
डा. हरीश चन्द्रा
विभागाध्यक्ष (से.नि.), यूरेलॉजी विभाग, जे.एन.एम.यू.
फोन : 0522-4048658 / 09415010610

संस्थापक सदस्य
कृष्ण देव कालिया
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522-2309245 / 09956287868

अध्यक्ष, सोनभद्र शाखा
देवी दयाल गुप्ता
व्यापारी
फोन : 05445-262392 / 09415323335-7

सचिव, सोनभद्र शाखा
डॉ. उदय नारायण सिंह
होम्योपैथी चिकित्सक
फोन : 05445-262043 / 09936181902

अध्यक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
अनिल कुमार शर्मा
विशेष मुख्य महानिदेशक (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
फोन: 09868525057 / 09794427788
ई.मेल: aksharmacpwd@yahoo.com

सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
मुकुल चतुर्वेदी
इरकॉन इन्टरनेशनल लि. में रोबरत
फोन: 09868158676
ई.मेल: drmukulchaturvedi@yahoo.co.in

अध्यक्ष, उन्नाव शाखा
कमला शंकर अवस्थी
एडवोकेट
फोन : 0515-2823124 / 09695639563,
ई. मेल: n.awasthi@nic.co.in

सचिव, उन्नाव शाखा
शिव शंकर प्रसाद शुक्ल
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0515-2820614 / 09415058113
ई.मेल: sspshukla123@gmail.com

भावना की सम्पूर्ण प्रबन्धकारिणी समिति : संरक्षक मण्डल-15, संस्थापक-4, संस्थागत-14, प्रबंधकारिणी समिति-63, महिला सदस्य-9, शाखा प्रबंधकारिणी-6 (कुल सदस्य-111, शेष विशिष्ट सदस्य भी)

बुद्धिजीवियों का उपभोक्तावाद

बुद्धिजीवी यानि किसानों, श्रमिकों के परिश्रम से पैदा सम्पत्ति.... वैभव को वणिक बुद्धि से कब्जा कर भोगने वाला वर्ग!

बुद्धिजीवी की बड़ी सोची समझी रणनीति है...उपभोक्ता पैदा करने की... जिनके पास क्रय शक्ति है उन्हें लालायित करने....सबकुछ बेचने की रणनीति...

ईश्वर ने बच्चों को नैसर्गिक उपभोक्ता बनाया है...पढ़ने...लिखने...खेलने...स्वादिष्ट व्यंजन खाने की बाल सुलभ ललक ही भौतिक संसाधनों के उपयोग की नैसर्गिक प्रक्रिया है...बच्चे बड़े-बड़े भव्य स्कूलों में खेलें...बड़े-बड़े भव्य स्कूल हो....ईमारतें हों....खेल के...शिक्षा के..... संसाधन हों....यह नैतिक और नैसर्गिक दायित्व है समाज का, बच्चे कागज की नाव बनाकर तैराये...कागज लिख-लिख कर फेंके...एक नैसर्गिक उपभोग है कागज का... बड़े-बड़े मैदानों में दौड़े...बड़े-बड़े बरामदों में...भव्य शिक्षा संस्थानों में पढ़ें...इन सबका नैसर्गिक उपभोग है... रंग-बिरंगे सुन्दर कपड़े पहने...चिड़ियों की तरह चहकें...सभी नैसर्गिक एवं नैतिक हैं...लेकिन उनके उपभोग की सीमा ... उनके मां बाप की क्रय शक्ति से सीमित है... इस सीमा को राष्ट्र या सरकार स्वयं वहन करे... चीजों का उपयोग बढ़ाये यह नैतिक एवं राष्ट्र के भविष्य के लिये सर्वोत्कृष्ट नीति है।

इसके विपरीत मात्र बुद्धिजीवियों के हाथ की कठपुतली बना मीडिया...प्रौढ़ों.... वृद्धों को...जिनके पास क्रय शक्ति है...उन्हें बालक बनाने...फूहड़ उछल कूद...रंगीन मिजाजी के शौक...चस्का लगानपे...अधिक से अधिक उपभोग करने मानों जिन्दगी के बचे कम से कम समय में साले लोभ समेट लेने के लिए उत्तेजित कर रहा है.. .बहुत बड़ा व्यापार कर रहा है...बच्चों की कीमत पर समाज को अपराध के सागर में डुबोने का पाप कर रहा है।

आइये हम सब मिलकर समाज की इस व्यापारिक वृत्ति को...समाज की उपभोग प्रवृत्ति को बच्चों.... राष्ट्र के भविष्य की ओर ले जाने का प्रयत्न करें राष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ संसाधन बच्चों को उपलब्ध करायें। राष्ट्र हित में दधिचि बनें।

- इन्द्र कुमार भारद्वाज
सदस्य-पर्यावरण प्रकोष्ठ

नव-प्रबंधकारिणी के कुछ नये पदाधिकारीगण

श्री अवधेश कुमार सिंह राठौर
सचिव विधि-RTI प्रकोष्ठ

श्री कपिल देव त्रिपाठी
सदस्य-विधि RTI प्रकोष्ठ

श्री श्रीराम बाजपेयी
सदस्य-विधि RTI प्रकोष्ठ

श्री विनोद कुमार कपूर
सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

श्री गुरुदयाल शुक्ला
सदस्य शिक्षा सहायता

श्री ओम प्रकाश पाठक
सदस्य-सेवा सहयोग प्रकोष्ठ

श्री दीन बन्धु यादव
सदस्य-सेवा सहयोग प्रकोष्ठ

श्री रामानन्द मिश्रा
सदस्य-सेवा सहयोग प्रकोष्ठ

श्री नरेश भार्गव
सदस्य-भावना प्रसादम्

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह टंडन
वैकल्पिक निधि प्रकोष्ठ

श्री युगल किशोर गुप्ता
प्रशिक्षण-गोष्ठियाँ

डॉ. अमित कुमार सिंह
सदस्य-डे-सेन्टर प्रबन्धन

श्री ललित कुमार
सदस्य-डे-सेन्टर प्रबन्धन

श्री सुशील कुमार शर्मा
सम्पादक

श्री वीणा सक्सेना
सदस्य-महिला सशक्तिकरण

श्रीमती रंजना मिश्र
सदस्य-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

शेष अन्य नये पदाधिकारियों के फोटो अगले अंक में ..... फोटो उपलब्ध होने पर

प्रमुख समाचार

१. राष्ट्रीय राजधानी क्षे. (NCR) में भावना द्वारा प्रस्तावित ओल्ड एज होम के लिए ३००० वर्गमीटर भूमि का आवंटन NEDA द्वारा किया जा चुका है। भावना द्वारा भौतिक अधिग्रहण जून २०१७ तक कर लिया जाएगा।

२. भावना की आगामी प्रबंधकारिणी की बैठक मई-२०१७ के प्रथम सप्ताह में सम्भावित।

३. ०५ मार्च २०१७ को भावना का १७वाँ वार्षिक अधिवेशन सोल्लास सम्पन्न।

४. भावना के डे-सेन्टर प्रकोष्ठ के सचिव इं. सुभाष चन्द्र विद्यार्थी जी द्वारा लखनऊ, सीतापुर रोड पर स्थित प्रियदर्शिनी कालोनी के सेक्टर-सी में वीरान पड़े पार्क का अपने धन व श्रम से सौन्दर्यीकरण कराकर १५.०४.१७ को उद्घाटन कराया गया। उसी कालोनी की अध्यासी ८२ वर्षीया श्रीमती कमला श्रीवास्तव जी द्वारा इस पार्क का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर भावना समिति के महासचिव प्रशासन श्री जगत बिहारी अग्रवाल, सम्प्रेक्षक, श्री मनोज कुमार गोयल के अतिरिक्त अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित जन समुदाय ने इस पार्क का नाम सुभाष पार्क रखने का प्रस्ताव भी पारित किया।

17वाँ वार्षिक अधिवेशन की एक झलक

श्री अमरनाथ द्वारा रचित हास्य व्यंग्य पुस्तिका 'खरी-खोटी' का विमोचन